THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 245 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.10, 2079 शनिवार, 19 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'आरएसएस का एजेंडा नहीं चला रहा हूं साबित करो तो दे दूंगा इस्तीफा'

आरोप लगने के बाद भड़के राज्यपाल

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अपने ऊपर आरएसएस के एजेंडा को आगे बढ़ाने जैसे आरोप लगने के बाद केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एक बार फिर से भड़क गए हैं। उन्होंने करारा जवाब देते हुए कहा कि मैं आरएसएस का एजेंडा नहीं चला रहा हूं, अगर कोई इस आरोप को साबित कर दे तो मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा। राज्यपाल ने कहा कि पिछले तीन साल से आप कह रहे हैं कि मैं आरएसएस के एजेंडे को लागू कर रहा हूं। मुझे एक नाम दो, सिर्फ एक उदाहरण दो जहां मैंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को नियुक्त किया है जो राजनीतिक रूप से आपको परेशान करता हो। आरएसएस, भाजपा के एक व्यक्ति का नाम दें जिसे मैंने अपने अधिकार का उपयोग करते हुए नियुक्त किया है। मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा।

प्रांतवाद और क्षेत्रीयता की आग को भड़काने की कोशिश कर रहे केरल के मंत्री

राज्यपाल खान ने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री ने कहा कि यूपी में पैदा हुए व्यक्ति को केरल की शिक्षा प्रणाली की समझ कैसे हो सकती है? वह प्रांतवाद और क्षेत्रीयता की आग को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। वह भारत की एकता को चुनौती दे रहे हैं । उन्होंने यह भी कहा कि अगर केरल का कोई व्यक्ति प्रांतवाद की आग को भड़काने की कोशिश करता है, तो यह राज्य के बाहर काम करने वाले केरलवासियों को कैसे प्रभावित करेगा? मंत्री के अभी भी पद पर बने रहने के बारे में राज्यपाल ने कहा कि मेरे पास उन्हें हटाने की शक्ति नहीं है क्योंकि यह मुख्यमंत्री की पसंद है लेकिन मैं कम से कम केरल के लोगों को बता दूंगा। मुझे इतना करना चाहिए। अपने कर्तव्य का निर्वहन करने का आदेश, शपथ

जो मैंने केरल के लोगों के हितों की सेवा के लिए ली है।

येचुरी ने राज्यपाल पर लगाया था आएसएस के एजेंडे को बढ़ाने का आरोप

राज्यपाल और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार के बीच चल रही खींचतान के बीच, वाम दलों ने मंगलवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में राजभवन तक एक विरोध मार्च निकाला। इस दौरान माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा था कि ऐसी स्थिति है जहां राज्यपाल के पद को राज्य सरकारों के खिलाफ खड़ा किया जाता है।शिक्षा को नियंत्रित करने का यह मामला इस धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक भारत को एक फासीवादी हिंदुत्व राष्ट्र में बदलने के लिए लाया गया है। इसके जरिए भाजपा-आरएसएस के एजेंडे को बढ़ाने की कोशिश हो रही है। यह ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगा। इसके लिए उन्हें शिक्षा और हमारे युवाओं की चेतना को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

क्या है मामला?

दरअसल, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के विपरीत सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के मद्देनजर राज्य के नौ विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर से 24 अक्तूबर तक इस्तीफा देने को कहा था। राज्यपाल के इस आदेश के बाद केरल सरकार ने राजभवन के बाहर प्रदर्शन करने की धमकी दी थी। जिसके बाद राज्यपाल और भड़क गए।

राज्यपाल ने इन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को इस्तीफा देने के लिए कहा था

राज्यपाल ने जिन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को इस्तीफा देने के लिए कहा था उनमें केरल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ वी.पी. महादेवन पिल्लई, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ साबू थॉमस, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) कुलपति डॉ के.एन. मधुसूदन, मत्स्यपालन एवं समुद्र विज्ञान अध्ययन (केयूएफओएस) विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ के. रिजी जॉन, कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गोपीनाथ रवींद्रन। एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ एम.एस. राजश्री, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एम.वी. नारायणन, कालीकट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एम.के. जयराज, थुंचथेझुथाचन मलयालम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ वी. अनिल कुमार शामिल हैं।

पेंडिंग केसों का निपटारा ज़रूरी

अब एससी की हर बेंच में हर रोज़ होगी कम से कम 10 केस ट्रांसफर, 10 ज़मानत अर्ज़ियों पर सुनवाई

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। लंबित मामलों के जल्द निपटारे को लेकर सुप्रीम कोर्ट काफी गंभीर है. अब सुप्रीम कोर्ट लंबित केस ट्रांसफर की अर्जियों और ज़मानत याचिकाओं के जल्द निपटारे को लेकर रोजाना सुनवाई करेगा. सुप्रीम कोर्ट की हर बेंच अब रोजाना 10 ट्रांसफर याचिकाओं और 10 ज़मानत याचिकाओं का निपटारा करेगी. यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में हुई फुल कोर्ट मीटिंग में किया गया है. सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने अदालत में कहा कि सभी जजों की मीटिंग में सर्वसम्मति से ये फैसला किया गया है. अब सर्दियों की छुट्टियों से पहले सभी 13 बेंच हर दिन 10 ट्रांसफर याचिकाओं और 10 ज़मानत याचिकाओं पर सुनवाई करेंगी. सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि जजों का आग्रह है कि रात को सप्लीमेंट्री केसों को और ना जोड़ा जाए. जजों ने कहा कि वो रात 12 बजे तक केसों की फाइल पढ़ते हैं और फिर सुबह पता चलता है कि दस नए मामले और जुड़ गए हैं. उन्होंने कहा कि हम इस बोझ को अब कम करना चाहते हैं. बता दें कि मार्च में केंद्र सरकार ने लोकसभा में जानकारी दी थी कि देश की विभिन्न अदालतों में 4.70 करोड़ से अधिक मुकदमे अटके हुए हैं. इनमें से 70 से अधिक मामले सुप्रीम कोर्ट और देश के 25 हाईकोर्ट में 58 लाख से ज्यादा मामले अटके हुए थे.

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुए महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी

शेगांव (महाराष्ट्र), 18 नवंबर (एजेंसियां)। महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी शुक्रवार को सुबह महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में 'भारत जोड़ो यात्रा' में राहुल गांधी के साथ शामिल हुए और कांग्रेस ने उनकी भागीदारी को ''ऐतिहासिक'' बताया. सात नवंबर से महाराष्ट्र से होकर गुजर रही यात्रा सुबह करीब छह बजे अकोला जिले के बालापुर से फिर शुरू हुई और कुछ घंटे बाद शेगांव पहुंची, जहां लेखक और कार्यकर्ता तुषार गांधी इसमें शामिल हुए .उन्होंने पोस्ट में कहा था, 'मैं 18 तारीख को शेगांव में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होऊंगा. शेगांव मेरा जन्म स्टेशन भी है. मेरी मां जिस ट्रेन में सफर कर रही थीं, 1 डीएन. हावड़ा मेल वाया नागपुर, वह 17 जनवरी 1960 को शेगांव स्टेशन पर रुकी थी जब मेरा जन्म हुआ!'

कांग्रेस ने यात्रा में तुषार गांधी के शामिल होने को ऐतिहासिक बताया.

पार्टी ने राहुल गांधी और तुषार गांधी को, जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के प्रपौत्रों को, दोनों दिवंगत नेताओं की विरासत के वाहक के रूप में वर्णित किया. पार्टी ने एक बयान में कहा, ''दोनों का एक साथ चलना शासकों के लिए एक संदेश है कि वे लोकतंत्र को खतरे में डाल सकते हैं, लेकिन उन्हें इसे खत्म नहीं करने दिया जाएगा.'' तुषार गांधी के अलावा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक, दीपेंद्र हुड्डा, मिलिंद देवड़ा, माणिकराव ठाकरे, मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप और पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख नाना पटोले राहुल गांधी के साथ यात्रा में शामिल हुए. राहुल गांधी आज शाम शेगांव में एक जनसभा को संबोधित करने वाले हैं. भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र में अपने अंतिम चरण में है और 20 नवंबर को मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी.

फ्लाइट में फिर तकनीकी खराबी

कोलकाता से मुंबई जा रहा विमान वापस लौटा, सवार थे 156 यात्री

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। इंडिगो फ्लाइट में एक बार फिर तकनीकी खराबी की खबर सामने आई है. इस बार कोलकाता से मुंबई जा रही फ्लाइट को टेक ऑफ के कुछ समय बाद ही वापस लौटना पड़ा है. विमान में 156 यात्री सवार थे. बताया जा रहा है कि इंडिगो की इस फ्लाइट ने शुक्रवार सुबह 10 कोलकाता एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी. कुछ समय बाद ही पायलट ने एटीसी को बताया कि विमान में तकनीकी खराबी है और वह वापस लौटना चाहता है. इसके बाद फ्लाइट को वापस कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारा गया.

लागातार सामने आ रहे हैं ऐसे मामले

बता दें पिछले कई कुछ समय से इंडियो के विमानों में तकनीकी खराबी के कई मामले सामने आए हैं. 28 अक्टूबर को दिल्ली से बेंगलुरू के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहे इंडिगो के एक विमान के एक इंजन में आग लग गई. इस कारण से दिल्ली हवाई अड्डे पर आपातकाल स्थिति घोषित कर दी गई थी. विमान में 177 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे. इंडिगो ने एक बयान में कहा कि दिल्ली से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले विमान 6ई2131 को उड़ान से पूर्व एक इंजन में चिंगारी का अनुभव हुआ.

फारूक अब्दुल्ला ने नेशनल कांन्फ्रेंस के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

जम्मू, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अपनी पार्टी नेशनल कांन्फ्रेंस अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी का नया अध्यक्ष चुनने के लिए 5 दिसंबर को चुनाव होना है। डॉ फारूक अब्दुल्ला ने अपने सहयोगियों को जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष के रूप में पद छोड़ने के फैसले की जानकारी दी है। पार्टी के वरिष्ठ साथियों की लाख कोशिशों के बावजूद फारूक अब्दुल्ला इस बात पर अड़े रहे कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार नहीं करेंगे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस महासचिव कराएंगे चुनाव

फारूक अब्दुल्ला ने अपने इस्तीफे का ऐलान इतने अचानक किया कि हर कोई हैरान रह गया। अब नेशनल कॉन्फ्रेंस के महासचिव को पार्टी संविधान के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष के लिए चुनाव कराने का काम सौंपा गया है। नेशनल कांन्फ्रेंस अध्यक्ष पद का चुनाव 5 दिसंबर को होना है, तब तक डॉ अब्दुल्ला पार्टी के अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे।

बेटे उमर को मिल सकता है पार्टी प्रमुख का जिम्मा

फारूक अब्दुल्ला ने नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष पद से हटने की घोषणा करते हुए शुक्रवार को कहा कि अब नयी पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। व्यापक स्तर पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि 85 साल के अब्दुल्ला पार्टी संरक्षक की भूमिका निभाएंगे और उनके बेटे और नेशनल कांन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला अब इसके नए प्रमुख बन सकते हैं।

अब अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे फारूक

फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया से कहा, ''मैं अब अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं लड़ूंगा। पद के लिए चुनाव 5 दिसंबर को होगा। अब समय आ गया है कि नई पीढ़ी इस जिम्मेदारी को संभाले।'' लोकसभा के सदस्य अब्दुल्ला ने कहा, ''पार्टी का कोई भी सदस्य इस पद के लिए चुनाव लड़ सकता है। यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है।'' फारूक अब्दुल्ला पहली बार 1983 में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष बने थे।

'हमने 2019 का बदला ले लिया ' फडणवीस के इस बयान के बाद अहसज महसूस कर रहा शिंदे गुट

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अब एक ऐसा बयान दे दिया है जिसके बाद से शिंदे गुट में खलबली मच गई है. उपमुख्यमंत्री ने अपने एक बयान में कहा कि उद्धव ठाकरे और एनसीपी ने गठबंधन कर उन्हें धौखा दिया जिसका बदला उन्होंने उद्धव सरकार को गिराकर ले लिया है. फडणवीस के दिए इस बयान के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली बालासाहेब की शिवसेना के नेता असहज महसूस कर रहे हैं. दरअसल, शिवसेना के कई नेता ने बगावत करते हुए बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी जिसके बाद अब फडणवीस ने बदला लेने की बात कह डाली है. फडणवीस ने पिछले 10 दिनों में दूसरी बार दावा करते हुए इस बात को स्वीकारा है कि उन्होंने उद्धव ठाकरे से साल 2019 का बदला लिया है.

शिंदे गुट ने की थी बगावत

वहीं, शिंदे गुट जो खुद को असली शिवसेना बताते हैं वो फडणवीस के दिए इस बयान के

बाद घबरा गए हैं. उन्होंने अपनी बगावती तेवर दिखाने के बाद ये कहा था कि वो हिंदुत्व की आइडियोलॉजी को बचाने और बालासाहेब ठाकरे के विचारों के लिए इस तरह का कदम उठाया.

शिंदे गुट टिप्पणी करने से बच रहा

वहीं, शिंदे-फडणवीस सरकार के चार महीनों में कई मुद्दों पर दोनों गुट आमने-सामने भी आते दिखे हैं. वहीं, फडणवीस के दिए इस बयान पर शिंदे गुट किसी भी तरह की टिप्पणी करने से फिलहाल बच रहा है. वहीं, नेता किरण पावस्कर ने फडणवीस के दिए बयान पर सहमति जताई है. उन्होंने कहा कि, राजनीति में बदले का खेल चलता रहता है लेकिन इस तरह खुलेआम स्वीकार करना हर किसी के बस की बात नहीं होती.

सावरकर पर राहुल गांधी की टिप्पणी एमवीए में डाल सकती है दरार

संजय राउत ने दिया बड़ा बयान

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी का सावरकर के मुद्दे पर आपत्तिजनक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा है कि ऐसे बयानों से एमवीए में दरार पड़ सकती है। इसलिए राहुल गांधी ऐसे मुद्दों से बचना चाहिए। संजय राउत ने कहा कि राहुल गांधी ने जो सावरकर के बारे में बोला है, हम उसका समर्थन नहीं करते हैं। हम सावरकर का बहुत सम्मान करते हैं। राउत ने कहा कि वो भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। उसको बहुत अच्छा समर्थन मिल रहा है, इसलिए सावरकर जैसे मुद्दे पर बोलने से इस यात्रा में खलल पड़ सकता है।

सावरकर को अभी तक भारत रत्न क्यों नहीं दिया?

संजय राउत ने इस दौरान कहा कि सावरकर पर दिए बयान को इतना तूल क्यों दिया जा रहा है। राहुल गांधी देश में इस समय जो हुकूमशाही वाली सरकार चल रही है, उसके खिलाफ यात्रा निकाल रहे हैं, उसी पर ध्यान देना चाहिए। राउत ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि यह जो ढोंगी हिन्दुत्वत वाली पार्टी बीजेपी है, वो जवाब दे कि पिछले 15 सालों से हम सावरकर को भारत रत्न देने की मांग कर रहे तो अभी तक उन्हें भारत रत्न क्यों नही दिया। राउत ने कहा कि बीजेपी या दूसरे हिन्दू संगठन इस मुद्दे पर तमाशा न करें।

सावरकर पर राहुल गांधी ने क्या कहा

गौरतलब है कि गांधी ने अपनी पदयात्रा के दौरान मंगलवार को वाशिम जिले में आयोजित एक रैली में हिंदुत्व विचारक सावरकर पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, ''भाजपा-आरएसएस के प्रतीक सावरकर हैं। वह दो-तीन साल तक अंडमान में जेल में रहे। उन्होंने दया याचिकाएं लिखनी शुरू कर दीं।'' इसके बाद राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि विनायक दामोदर सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की थी और कारागार में रहने के दौरान उन्होंने माफीनामे पर हस्ताक्षर करके महात्मा गांधी और अन्य समकालीन भारतीय नेताओं को धोखा दिया था।

गलत हलफनामा दाखिल करने पर

सुप्रीम कोर्ट ने वकील को लगाई फटकार फिर अवमानना का नोटिस थमा दिया

नई दिल्लीः गलत हलफनामा दाखिल करने पर सुप्रीम कोर्ट ने वकील को फटकार लगाई है. जस्टिस एसके कौल ने हलफनामा दाखिल करने वाले वकील, ड्राफ्ट करने वाले वकील और कोर्ट के सामने पेश होने वाले वकील पर अवमानना की कार्यवाही किए जाने की बात कही . जस्टिस कौल ने वकील एमएल शर्मा से कहा, आप अलग-अलग आदेश से लाइनें नहीं ले सकते. यह स्वीकार नहीं किया जा सकता. इसके लिए अवमानना की कार्यवाही की जाएगी. आपको एहसास है, आपने क्या किया है? कोर्ट के इस रुख के बाद वकील एमएल शर्मा ने पीठ से माफी मांगते हुए अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं किए जाने का आग्रह किया. कोर्ट ने इनकार करते हुए कहा कि आप इस अवमानना की कार्यवाही में हलफनामा दाखिल करना चाहें तो कर सकते हैं. इसके बाद गलत हलफनामा दाखिल करने पर वकील एमएल शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना का नोटिस थमा दिया. शर्मा ने दूसरा हलफनामा दाखिल करने की दलील के साथ माफी मांगी तो कोर्ट ने कहा कि अब जो कुछ कहना है, अवमानना कार्यवाही के दौरान ही कहिएगा.

दिल्ली में इस मौसम की सबसे सर्द सुबह, न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को इस मौसम की सबसे सर्द सुबह रही और न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी. दिल्ली की समग्र वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि वाणु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 275 दर्ज किया गया. उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई गंभीर माना जाता है. इस बीच, मौसम विभाग ने दिन में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का पूर्वानुमान जताया है. सापेक्ष आर्द्रता सुबह साढ़े आठ बजे 79 प्रतिशत दर्ज की गई. विभाग के अनुसार, अधिकतर तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है.

आम आदमी पार्टी ने कूड़े के पहाड़ थीम पर लॉन्च की चुनाव प्रचार के लिए वैन

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एमसीड़ी चुनाव को लेकर सियासत चरम पर हैं। बीजेपी और आम आदमी पार्टी में वार पलटवार भी जमकर चल रहा है। कूड़े के पहाड़ थीम पर आम आदमी पार्टी ने चुनाव प्रचार के लिए वैन लॉच की है। चुनावी वैन को दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने हरी झंडी दिखाई। हालांकि आम आदमी पार्टी ने जिस चुनावी वैन को अपने मुख्यालय से अभी कुछ देर पहले निगम चुनाव के लिए कूड़े के पहाड़ थीम पर वैन लॉन्च किया था उसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

मुंबई-पुणे हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, 5 की मौत, 4 घायल

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पुणे हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ है. पुणे से मुम्बई की दिशा में आ रही एर्टिगा गाड़ी ट्रक से टकरा गई. टक्कर इतनी तेज थी कि हादसे में 5 की मौत हो गई और 4 जख्मी हो गए. बृहस्पतिवार रात साढ़े 11 बजे के करीब यह हादसा हुआ. हादसे में एर्टिगा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है. महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खोपोली के नजदीक यह हादसा हुआ. चारों घायलों को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है. खोपोली थाने के एक अधिकारी ने कहा, कार पुणे से मुंबई जा रही थी जब उसने 12 बजे के आसपास ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी.

इस राज्य में कटेगा सरकारी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन

गौ संरक्षण का हवाला देते हुए लिया गया फैसला

बेंगलुरु, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने राज्य में पशु गौ संरक्षण के लिए 'पुण्यकोटि दत्तू योजना' बनाई है। इसके वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए राज्य के सरकारी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। कर्मचारी एकमुश्त योगदान के रूप में अपने वेतन से यह राशि देंगे। कर्नाटक सरकार के सभी कर्मचारी इस योजना में नवंबर माह का एक दिन का वेतन देंगे। राज्य की भाजपा सरकार ने पुण्यकोटि दत्तू योजना के लिए योगदान काटने का फैसला किया है। इस बारे में राज्य के वित्त विभाग ने आदेश जारी कर दिया

है। इसके जरिए 80 से 100 करोड़ रुपये जमा होने का अनुमान है। इस राशि से राज्य की सरकारी गौशालाओं में मवेशियों के कल्याण और रखरखाव के लिए राशि का प्रबंध किया जाएगा। 'पुण्यकोटि दत्तू योजना' को बसवराज बोम्मई सरकार ने पिछले बजट पेश किया था। इसमें गायों को गोद लेने और उनके पालन-पोषण के लिए प्रोत्साहित करने के उपाय शामिल हैं। राज्य के सरकारी कर्मचारियों के लिए यह योगदान स्वैच्छिक रखा गया है। वेतन से काटी जाने वाली एक दिन की राशि सधे कर्नाटक पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के खाते में जमा करने के प्रबंध किए गए हैं। जो कर्मचारी यह योगदान नहीं देना चाहते हैं, उन्हें अपने विभाग प्रमुख को 25 नवंबर से पहले लिखित में बताना होगा। वित्त विभाग के आदेश के अनुसार नवंबर माह के वेतन में यह कटौती की जाएगी। ग्रुप ए के कर्मचारियों के वेतन से करीब 11,000 रुपये, ग्रुप बी के कर्मचारियों के 4,000 रुपये और ग्रुप सी के कर्मचारियों के करीब 400 रुपये कटेंगे। ग्रुप डी के कर्मचारियों को इस कटौती से छूट दी गई है, इनमें चतुर्थ श्रेणी के मामूली वेतन वाले कर्मचारी आते हैं। कर्नाटक के सरकारी कमचारी संघ के अध्यक्ष सीएस सदाक्षरी ने कहा है कि इस नेक काम में योगदान देने से हमें खुशी होगी।

भोपाल में स्विमिंग पूल में डूबने से रंगकर्मी की मौत

भोपाल, 18 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में स्विमिंग पूल में डूबने से एक रंगकर्मी की मौत हो गई है। घटना गुरुवार सुबह प्रकाश तरण पुष्कर के स्विमिंग पूल की है। रंगकर्मी रमेश अहीर ने हाल ही में बिरसा मुंडा जयंती पर बिरसा मुंडा का किरादार निभाया था। पुलिस के अनुसार रमेश अहीर प्रकाश तरण पुष्कर में स्विमिंग सीख रहे थे। गुरुवार को भी वह रोज की तरह सुबह 10 बजे स्विमिंग पूल पहुंच गए थे। वह कम गहराई वाले हिस्से से 16 फीट गहराई वाले हिस्से में चले गए। पूल पर मौजूद सुरक्षा गार्डों ने उन्हें पानी से बाहर निकाला और सीपीआर दिया।

चलते ट्रक को रोककर स्टेट जीएसटी की टीम ने मारा छापा

कच्चे बिल बिल्टी देख लगाया 7.86 लाख का जुर्माना

कटनी, 18 नवंबर (एजेंसियां)। स्टेट जीएसटी की टीम ने एक ट्रक को बिना ई-बिल के कच्चे बिल पर एक जिले से दूसरे जिले में जाने पर धारा 68 के तहत 7.86 लाख से ज्यादा का जुर्माना लगाया है। जानकारी के अनुसार कटनी के बड़े ट्रांसपोटर्स में शुमार दीपक रोड लाइंस के एक ट्रक को कुठला थाना क्षेत्र में रोककर वापस ट्रांसपोटर्स के गोदाम में ले जाकर ट्रक में रखी सामग्री और उनके बिलों की जांच शुरू कर दी। जिसमें विभाग को किसी समान पर ई-वे बिल नहीं मिला सभी को कच्चे बिल पर एक जिले से दूसरे जिल में ले जाने का काम पाया गया। स्टेट जीएसटी का नेतृत्व कर रहे संजय गोटिया ने बताया की परचून का काम कर रहे दीपक रोडलाइंस की गाड़ी को हमने धारा 68 के तहत पन्ना मोड़ पर रोककर जांच शुरू की है, जिसमें ई-वे बिल नहीं मिला पूरा काम कच्चे बिलों में करते हुए सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचाना पाया गया। जिस पर आरोपी पर 7,86,001 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। छापेमार कार्रवाई पर स्टेट जीएसटी के पांच सदस्यीय टीम शामिल रहे जिसमें निरीक्षक जितेंद्र मिश्रा, अमरपाल सिंह, विवेक सिंह समेत जोनी जैकप है जो करीब सात घंटे से अधिक समय तक जांच करते रहे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 245 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.10, 2079 शनिवार, 19 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुंबई पुलिस के सुपरकॉप रहे सचिन वाजे को जमानत, उधर एल्गार परिषद के आरोपी को भी बॉबे हाई कोर्ट से मिली बेल

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के पूर्व पुलिस अफसर सचिन वाजे को सेशन कोर्ट ने जमानत दे दी है। हालांकि, जमानत मिलने के बावजूद वाजे जेल में ही रहेंगे, क्योंकि वह अन्य मामलों में न्यायिक हिरासत में है। शुक्रवार (18 नवंबर, 2022) को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वज़े को जमानत दे दी गई थी। उन्होंने इस आधार पर जमानत मांगी थी कि मुख्य आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है और देशमुख के विपरीत वाजे खुद कभी गिरफ्तार नहीं हुए थे। >14

पीएम ने किया 'नो मनी फॉर टेरर' कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

मोदी बोले : आतंकवाद को खत्म करने के लिए कदम उठाने होंगे

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली में टेरर फंडिंग रोकने के लिए 'नो मनी फॉर टेरर' (एनएमएफटी) कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। 75 देशों के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए एक व्यापक, सक्रिय प्रतिक्रिया की जरूरत है। अगर हम चाहते हैं कि हमारे नागरिक सुरक्षित रहें, तो हम आतंक के घर में घुसने तक का इंतजार नहीं कर सकते। इसके लिए कदम उठाने होंगे।

अद्भुत है कि सम्मेलन भारत में हो रहा

मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह अद्भुत है कि सम्मेलन भारत में हो रहा है। हमारे देश ने आतंक का सामना इसे दुनिया के गंभीरता से लेने से बहुत पहले से किया है। दशकों से अलग-अलग रूपों में आतंकवाद ने भारत को चोट पहुंचाने की कोशिश की जिसकी वजह से हमारे हजारों लोगों ने जान गवाईं, लेकिन हमने आतंकवाद का बहादुरी से मुकाबला किया। कुछ देश अपनी विदेश नीति के तहत आतंकवाद का समर्थन करते हैं। वे उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और वित्तीय सहायता देते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगठन को यह नहीं सोचना चाहिए कि युद्ध की अनुपस्थिति का अर्थ शांति है। यह जरूरी है कि हम संयुक्त रूप से कट्टरवाद और उग्रवाद की समस्या का समाधान करें। कट्टरवाद का समर्थन करने वाले का किसी भी देश में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ये कॉन्फ्रेंस 4 सेशन में होगी। कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रतिनिधि हिस्सा नहीं लेंगे। वहीं चीन के आने पर अभी सस्पेंस बना हुआ है। यह कॉन्फ्रेंस 18 से 19 नवंबर तक चलेगा। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन एनआईए के तरफ से किया जा रहा है। एनआईए के डीजी दिनकर गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि आतंकियों को टेरर फंडिंग रोकने के लिए ये कॉन्फ्रेंस बहुत अहम है।

उन्होंने कहा कि खालिस्तानी और कश्मीर के आतंकियों को फंडिंग हो रही है। हमारे पास इसके सबूत हैं। एनआईए इस दिशा में काम कर रही है। इस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में भी चर्चा होगी। बता दें कि इस कॉन्फ्रेंस को आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए एक बड़े प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। >14

भाजपा सांसद के आवास पर तोड़फोड़

टीआरएस समर्थकों पर तोड़फोड़ का आरोप

हैदराबाद, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी के हैदराबाद स्थित आवास पर कथित तौर पर टीआरएस समर्थकों ने हमला किया और तोड़फोड़ की। भाजपा सांसद ने इसके लिए टीआरएस नेता कविता को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी ने टीआरएस एमएलसी के कविता पर गंभीर आरोप लगाए थे। धर्मपुरी ने दावा किया था कि कविता ने कांग्रेस प्रमुख को फोन किया था।

इस पर टीआरएस नेता ने कहा कि खरगे को फोन करके पूछो कि क्या मैंने कभी उन्हें फोन किया।

किसी भी पार्टी में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे तो भाजपा के दोस्तों ने भी पार्टी छोड़ने का ऑफर दिया था, लेकिन मैंने मना कर दिया। टीआरएस अब बीआरएस बन गया है। हमने तेलंगाना में विकास किया और हम देश भर में ऐसा करने के लिए मॉडल बनाएंगे। आवास पर हमले के बाद भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी ने कहा कि कविता ने घमंड में आकर टीआरएस के गुंडों को मेरे आवास पर भेजा और हंगामा किया।

उन्होंने फर्नीचर और भगवान की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया, मेरी 70 साल की मां के सामने कारों को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने जातिगत अहंकार के कारण मेरे खिलाफ कई अपमानजनक बयान दिए। उनके पिता ने यह भी कहा कि उसे अन्य पार्टियों द्वारा संपर्क किया गया है। क्या वह अपने पिता पर भी हमला करेंगी?

राहुल को जान से मारने की धमकी

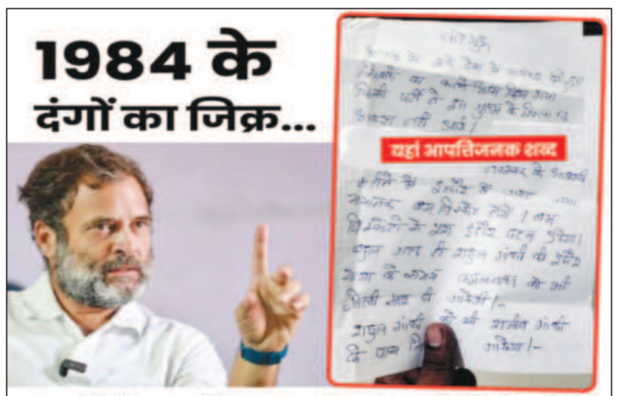

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 23 नवंबर को मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी।

> इंदौर में संदिग्ध हिरासत में
> इसी के नाम से आई थी चिट्ठी

इंदौर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में एक दुकान पर डाक से चिट्ठी भेजकर राहुल गांधी को उड़ाने की धमकी देने से जुड़े एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है। इसे कुछ देर पहले इंदौर के ही अन्नपूर्णा इलाके से उठाया गया है। उससे गोपनीय स्थान पर पूछताछ की जा रही है। कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्रा ने बताया अन्नपूर्णा क्षेत्र से संदिग्ध को हिरासत में लिया है। यह वह व्यक्ति है जिसके नाम से चिट्ठी भिजवाई गई थी। युवक सिख समाज का है। विस्तृत जानकारी अलग से दी जाएगी। कमिश्नर ने यह भी कहा कि अभी ऐसा नहीं लग रहा है कि यह हरकत इसी ने की होगी। लग रहा है कि किसी ने इसे फंसाने के लिए इसका नाम का उपयोग किया है। वह कौन हो सकता है, इसका पता लगा रहे हैं।

गौरतलब है इंदौर की एक होटल पर सनसनीखेज लेटर पहुंचा था। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी की खालसा कॉलेज में होने वाली सभा पर हमले की धमकी दी गई। इसी के साथ पूरे इंदौर को बम विस्फोट से दहला देने की धमकी भी दी है। >14

सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

तो छलका आसाराम का दर्द, कहा लगता है मेरा ट्रायल कभी खत्म नहीं होगा

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बलात्कार के मामले में जेल में बंद आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। आसाराम की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपके खिलाफ अभी ट्रायल चल रहा है। इसलिए हम इस मामले पर जनवरी में सुनवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद आसाराम का दर्द छलक पड़ा और उसने कहा कि जिस तरह से इस मामले में ट्रायल चल रहा है। ऐसे में लगता है कि मेरा ट्रायल कभी खत्म नहीं होगा। दरअसल, रेप के आरोपी आसाराम ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मगर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इसके बाद आसाराम कि ओर से कहा गया, मेरे मामले में जिस तरह ट्रायल चल रहा है। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि मेरे खिलाफ ट्रायल कभी खत्म होगा। आसाराम बापू की ओर से सुप्रीम कोर्ट मे याचिका दाखिल कर ट्रायल कोर्ट में अतिरिक्त गवाहों को पेश करने की मांग करते हुए कहा गया कि आसाराम ने बढ़ती आयु और बीमारी को वजह से जमानत की मांग की है। इसके अलावा याचिका में आसाराम ने अपनी बिगड़ती सेहत और बीमारी का हवाला देते हुए बेहतर इलाज के लिए जमानत की गुहार लगाई है।

भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट लॉन्च

हैदराबाद, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-एस आज श्रीहरिकोटा में सतीश धवन स्पेस सेंटर से सुबह 11:30 बजे लॉन्च किया गया। सिंगल स्टेज वाले इस रॉकेट को इंडियन स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने बनाया है। ये एक तरह का डेमोंसट्रेशन मिशन था जिसमें तीन पेलोड को साथ ले जाया गया। रॉकेट ने 5 मिनट से भी कम के फ्लाइट टाइम में 89.5 किमी. के पीक एल्टीट्यूड को अचीव किया फिर समुद्र में स्पैल्शडाउन हुआ। कॉमर्शियल स्पेस एक्सप्लोरेशन को प्रमोट करने वाली भारत की नोडल एजेंसी इन-स्पेस ने विक्रम-एस सबऑर्बिटल व्हीकल को लॉन्च की मंजूरी दी थी।

एलजी ने डीडीसी उपाध्यक्ष को बर्खास्त किया, दफ्तर सील-सरकारी गाड़ी छीनी

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की केजरीवाल सरकार और उप-राज्यपाल के बीच टकराव एक बार फिर सामने आ रहा है। एलजी वीके सक्सेना ने आम आदमी पार्टी सरकार के थिंक टैंक माने जाने वाले डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन ऑफ दिल्ली (डीडीसीडी) के वाइस चेयरपर्सन जैस्मीन शाह को बर्खास्त कर दिया है। शाह पर आरोप था कि वे सरकारी ऑफिस का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद के लिए कर रहे थे। डीडीसी दिल्ली सरकार के लिए ठीक उसी तरह काम करता है, जैसा भारत सरकार के लिए नीति आयोग। यानी यह नीति बनाने और उन्हें लागू करने का काम करता है।

एलजी ने गुरुवार शाम को जारी आदेश में शाह को अपना ऑफिस इस्तेमाल करने से रोक दिया। दिल्ली सरकार के प्लानिंग डिपार्टमेंट के आदेश पर सिविल लाइंस एसडीएम ने देर रात डीडीडीसी ऑफिस को सील कर दिया। उनसे सरकारी गाड़ी समेत बाकी सुविधाएं भी प्रभाव से वापस ले ली गई हैं। उनके खिलाफ भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी। भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने जैस्मीन शाह पर सरकारी पद पर रहते हुए आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता के तौर पर काम करने और ऑफिस का दुरूपयोग की शिकायत की थी। इसके बाद उपराज्यपाल ने शाह को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

अरविंद को उनकी टिप्पणी पर सबक सिखाया जाएगा : कविता

सांसद पर लगाया संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए कुछ नहीं करने का आरोप

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपने खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों से नाराज एमएलसी के कविता ने निजामाबाद के सांसद डी. अरविंद पर तीखा हमला किया और उन्हें भविष्य में ऐसा करने के खिलाफ चेतावनी दी, ऐसा न करने पर वह निजामाबाद की सड़कों पर उन्हें अपनी चप्पल से थप्पड़ मारने से नहीं हिचकिचाएंगी। उन्होंने अगले चुनाव में चुनाव लड़ने के लिए जिस भी निर्वाचन क्षेत्र को चुना, उसमें उन्हें हराने की कसम खाई। कांग्रेस के समर्थन से निजामाबाद संसदीय क्षेत्र में जीत हासिल करने वाला एक आकस्मिक सांसद बताते हुए उन्होंने कहा कि अरविंद निजामाबाद के सांसद के रूप में सभी तरीकों का दुरुपयोग करके जीते लेकिन संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए आज तक कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी भी केंद्र सरकार के साथ निजामाबाद या तेलंगाना से संबंधित कोई मुद्दा नहीं उठाया। अरविंद गंदगी की तरह है। वह हमेशा संकीर्ण सोच के साथ बोलते हैं और घटिया भाषा का प्रयोग करते हैं। मैंने कभी किसी की व्यक्तिगत रूप से आलोचना नहीं की और एक व्यक्ति के रूप में मेरी आलोचना करने के लिए किसी को पसंद नहीं किया। लेकिन अब उसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। मुद्दों के बारे में बोलने के बजाय, वह बार-बार मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और अन्य के खिलाफ व्यक्तिगत गालियां दे रहे हैं। अगर वह इस तरह की व्यक्तिगत आलोचना जारी रखते हैं, तो मैं उन्हें निजामाबाद की सड़कों पर अपनी चप्पल से थप्पड़ मारने से नहीं हिचकिचाऊंगी, उन्होंने शुक्रवार को यहां टीआरएस विधायक दल के कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए चेतावनी दी। एमएलसी ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया कि उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने की योजना के साथ एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बुलाया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव उनके नेता हैं और वह अपने पूरे राजनीतिक जीवन में उनके साथ रहेंगी। उसने घोषणा की कि मेरा जन्म और मेरा भविष्य तेलंगाना और टीआरएस हैं। कविता ने कहा कि जब सार्वजनिक जीवन की बात आती है तो कुछ नैतिकता, ईमानदारी और संस्कृति होनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि यह अरविंद थे जिन्होंने निजामाबाद के सांसद के रूप में जीतने के लिए हर तरह का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा, 'उन्होंने कांग्रेस के समर्थन से लोकसभा चुनाव जीता। उन्होंने हल्दी बोर्ड लाने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहने पर भी किसानों को धोखा दिया। हम उसकी फर्जी डिग्री को लेकर भारत के चुनाव आयोग और राजस्थान विश्वविद्यालय से शिकायत करेंगे।

मीडिया को जवाब देते हुए, कविता ने स्वीकार किया कि उन्हें भाजपा से प्रस्ताव मिले, जो तेलंगाना में एकनाथ शिंदे के अलावा तख्तापलट करना चाहते थे। लेकिन एकनाथ शिंदे मॉडल की साजिश तेलंगाना में नहीं चल सकती। उन्होंने कहा कि टीआरएस (अब बीआरएस) ईडी, आईटी या सीबीआई के छापे से नहीं डरती। उन्होंने घोषणा की कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

सांसद के आवास पर हमले के खिलाफ भाजपा नेताओं ने सीपी में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा नेताओं ने आज पार्टी सांसद डी. अरविंद के आवास पर हमले के खिलाफ सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के नेताओं के खिलाफ शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद से शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में सीपी से हमलावरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। इस अवसर पर बोलते हुए, पार्टी के पूर्व विधायक चिंतला रामचंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि पुलिस सत्ताधारी पार्टी के नेताओं की खुली धमकी के बाद भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने पुलिस से पूछा कि वे कविता के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं, जिन्होंने खुलेआम अपने प्रतिद्वंद्वियों को सार्वजनिक रूप से चप्पलों से थप्पड़ मारने की धमकी दी थी। उन्होंने पूछा कि क्या पुलिस सीएम केसीआर के पारिवारिक शासन का समर्थन कर रही है? उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सीपी द्वारा हमलावरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई तो वे डीजीपी से मिलेंगे।

मैंने कुछ भी असंसदीय नहीं कहा : धर्मपुरी अरविंद

भाजपा सांसद ने टीआरएस कार्यकर्ताओं के हमले की निंदा की

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद से भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने हैदराबाद में अपने घर पर टीआरएस कार्यकर्ताओं के हमले की निंदा की और दावा किया कि उन्होंने टीआरएस एमएलसी के कविता के खिलाफ कुछ भी 'असंसदीय' नहीं कहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि केवल राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए, अरविंद ने कहा कि उनके घर पर हमला मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और उनके परिवार के सदस्यों के इशारे पर किया गया था। उन्होंने इसे 'जातिगत अहंकार' के रूप में जिम्मेदार ठहराया और कविता को लोकसभा चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी।

हमले के वक्त निजामाबाद में मौजूद अरविंद ने शुक्रवार को मीडिया से कहा कि कविता राजनीतिक रूप से उनका सामना नहीं कर सकती, इसलिए वह उन पर शारीरिक हमला कर रही हैं। यह पहली बार नहीं है जब मुझ पर पहले भी शारीरिक हमला किया गया है, मुझ पर टीआरएस कार्यकर्ताओं ने भी हमला किया है। मैं इस तरह के हमलों से नहीं डरता, उन्होंने कहा। उन्होंने केवल इतना कहा था कि कविता ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन किया था और कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी। "मैंने वही कहा जो मैंने सुना।

इसके साथ गलत क्या है? उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने खड़गे से संपर्क किया था या नहीं। अरविंद ने कविता पर इस तरह की धमकियों में लिप्त होने का आरोप लगाया क्योंकि उनका राजनीतिक करियर लगभग समाप्त हो गया था।

इस आरोप पर कि भाजपा महाराष्ट्र में टीआरएस सरकार को अस्थिर करने के लिए उनकी पार्टी के खिलाफ कविता का इस्तेमाल करने की योजना बना रही थी, भाजपा सांसद ने कहा कि एकनाथ शिंदे और कविता के बीच बहुत अंतर है। कविता को उतना समर्थन नहीं मिला, जितना शिंदे को शिवसेना पार्टी में मिला था।

माओवादी मिलिशिया के तीन सदस्य गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बारूदी सुरंग और प्रेशर बम लगाने में लगे भाकपा (माओवादी) मिलिशिया के तीन सदस्यों को पुलिस ने शुक्रवार को जिले के चेरला मंडल के पुसुगुप्पा जंगलों से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक डॉ. विनीत ने यहां मीडिया को बताया कि जिला पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार किए गए मिलिशिया सदस्यों की पहचान पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ राज्य में बीजापुर जिले के उसूर तहसील के माडवी उनगा, कोवासी इडमा और माडवी उनगा के रूप में हुई है। वे पिछले तीन वर्षों से पुजारी कांकेर रिवोल्यूशनरी पीपुल्स कमेटी के मिलिशिया सदस्य के रूप में काम कर रहे थे। एसपी ने कहा कि माओवादी नेताओं के निर्देश पर काम करते हुए वे आदिवासी परिवारों से पैसे वसूल करते थे, पार्टी से चंदा लेते थे, आदिवासियों से जरूरी सामान और सब्जियां इकट्ठा करते थे और आदिवासियों को माओवादी सभाओं के लिए लामबंद करते थे।

वे पुलिस को निशाना बनाने वाले छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमाओं पर पोडु भूमि और जंगलों में बारूदी सुरंगें, प्रेशर बम लगाने और बूबी ट्रैप लगाने के अलावा, माओवादी नेताओं को पुलिस दलों की गतिविधियों के बारे में जानकारी देने में भी लगे हुए थे। गिरफ्तार लोगों ने पुलिस को निशाना बनाने के लिए दिसंबर 2020 में पुसुगुप्पा की सीमा से लगे जंगलों में 100 से अधिक बूबी ट्रैप लगाए हैं। इस साल उन्होंने पुसुगुप्पा में नव स्थापित सीआरपीएफ कैंप के पास के जंगलों में प्रेशर माइंस लगाए हैं। प्रेशर माइंस की वजह से आदिवासियों की तीन गायों की मौत हो गई और दो घायल हो गईं. परिणामस्वरूप आदिवासियों को डर था कि वे अपने मवेशियों को जंगलों में चरने के लिए ले जाएंगे और अपनी पोडु भूमि पर खेती करेंगे। माओवादियों की नासमझ हरकतों से घबराए आदिवासी पुलिस के पास जा रहे थे।

घायल गायों के इलाज और मृत मवेशियों के लिए मुआवजा प्रदान करने के लिए पुलिस और सीआरपीएफ बलों की सराहना की गई। डॉ. विनीत ने कहा कि आदिवासियों और उनके मवेशियों के जीवन को नुकसान पहुंचाने वाले माओवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हरीश ने पुलिस नौकरी के इच्छुकों के प्रशिक्षण सत्र का औचक निरीक्षण किया

सिद्दीपेट, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोली नौकरी के उम्मीदवारों को प्रेरित करने के लिए, वित्त मंत्री टी हरीश राव ने सिद्दीपेट के बहुउद्देशीय पब्लिक स्कूल मैदान में शुक्रवार सुबह शारीरिक फिटनेस प्रशिक्षण सत्र में शामिल उम्मीदवारों के साथ एक प्रेरक बातचीत की। प्रशिक्षण सत्र के औचक दौरे के दौरान, राव ने उनसे शारीरिक परीक्षण में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया, जो अंततः उन्हें नौकरी पाने में मदद करेगा। राव ने कहा कि सिद्दीपेट पुलिस उन पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए उन्हें मुफ्त कोचिंग प्रदान कर रही है। जब प्रशिक्षकों ने कहा कि मौजूदा 580 के अलावा सिद्दीपेट जिले के कई नए लोग कोचिंग में शामिल होने के लिए आगे आ रहे हैं, राव ने उन्हें एक पौष्टिक नाश्ता परोसने का सुझाव दिया जिसमें उन सभी के लिए दूध, अंडे और फल शामिल हों। उन्होंने उम्मीदवारों के साथ बातचीत की और प्रशिक्षण सत्र का अवलोकन करते हुए जमीन पर काफी समय बिताया।

बंडी व अरुणा ने सांसद अरविंद के घर पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज अपनी पार्टी के सांसद धर्मपुरी अरविंद के आवास पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आवास पर हमले को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि हमले टीआरएस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे है, क्योंकि वे लोकतांत्रिक तरीके से उनका सामना करने में सक्षम नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी के कार्यकर्ता उनके खिलाफ शारीरिक हमले कर उनकी आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे उन पर होने वाले हमलों से डरते नहीं हैं और टीआरएस नेताओं को अपने धैर्य की परीक्षा न लेने की चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा जवाबी हमले का सामना नहीं कर सकते। इससे पहले, बंदी ने अरविंद को फोन किया और हमले के तरीके के बारे में जानकारी ली।

उधर, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने पार्टी सांसद डी. अरविंद के आवास पर हुए हमले की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह शर्मनाक है कि टीआरएस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनकी पार्टी के सांसद के घर पर हमला किया। उसने पुलिस से पूछा, जो अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज करती है, उसने पुलिस से पूछा कि वे टीआरएस पार्टी के नेताओं के खिलाफ किस तरह के मामले दर्ज करेंगे। उसने आरोप लगाया कि टीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता हमले के लिए जिम्मेदार है और मांग की कि पुलिस कविता के खिलाफ भी आपराधिक मामला दर्ज करे।

कॉलेज की प्रयोगशाला में जहरीली गैस की चपेट में आने से छात्र हुए बीमार

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कस्तूरबा गांधी डिग्री और पीजी कॉलेज फॉर वुमेन, मेरेडपल्ली, सिकंदराबाद के कुछ छात्रों को कॉलेज की प्रयोगशाला में एक प्रयोग के दौरान कथित तौर पर सांस की समस्या का सामना करना पड़ा है। रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, विज्ञान प्रयोगशाला में एक प्रयोग के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से सात छात्र बीमार पड़ गए हैं। प्रभावित छात्रों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

एयर होस्टेस की ट्रेनिंग ले रही किशोरी लापता

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक प्रतिष्ठित एयर होस्टेस प्रशिक्षण संस्थान में एयर होस्टेस की ट्रेनिंग ले रही एक किशोरी के राजेंद्रनगर के अत्तापुर स्थित घर से लापता होने की सूचना मिली है। हिमायत सागर में संस्थान में प्रशिक्षण ले रही लड़की गुरुवार को अपने परिवार के सदस्यों को यह बताकर घर से निकल गई कि वह प्रशिक्षण के लिए जा रही है, लेकिन वापस नहीं आई। चिंतित परिवार के सदस्यों ने सभी संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, और बाद में शिकायत दर्ज करने के लिए राजेंद्रनगर पुलिस से संपर्क किया। उन्हें लड़की के लापता होने में पड़ोस के ही एक युवक की भूमिका का संदेह है। राजेंद्रनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेलंगाना मराठा मंडल का दशहरा-दीपावली मिलन कल

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री छत्रपती शिवाजी मराठा सांस्कृतिक ट्रस्ट के तत्वावधान में तेलंगाना मराठा मण्डल द्वारा कल रविवार 20 नवम्बर 2022 को प्रातः 11 बजे मराठा भवन, जलपल्ली, काटेदान में दशहरा दीपावली मिलन आयोजित किया गया है। अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्रों का भी सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर पधारने वाले अतिथिगणों में रचकोण्डा के पुलिस आयुक्त महेश एम. भागवत (आई.पी.एस.) व मेडचल के जी.एस.टी. आयुक्त सुरेन्द्रकुमार चंद्रकांतराव मानकोसकर (आई.आर.एस.) होंगे। मण्डल की बैठक में उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश पाटिल, उपाध्यक्ष मदन जाधव, उपाध्यक्ष निवास निकम, संयोजक गोपाल जगताप, सचिव लक्ष्मीकांत शिंदे, कोषाध्यक्ष हरिशचंद्र कोणाले, स्पोर्ट्स कन्वीनर दिलीप जगताप व अन्य सदस्यों ने सभी मराठा समाज से निवेदन किया कि इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएँ।

इस कार्यक्रम में स्वागतार्थ श्री छत्रपती शिवाजी मराठा नवयुवक मण्डल, तेलंगाना मराठा महिला मण्डल, तेलंगाना मराठा गोल्ड-सिल्वर रिफायनरीज़ तथा तेलंगाना वारकरी भजन मण्डली भी होंगी।

रेवंत रेड्डी ने पुलिस से की कविता का बयान रिकॉर्ड करने की मांग

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कांग्रेस इकाई ने हैदराबाद पुलिस से टीआरएस एमएलसी के. कविता का बयान दर्ज करने की मांग की है, जिन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के लिए उनसे संपर्क किया था। टीआरएस एमएलसी के बयान को सू मोटो के तौर पर लिया जाना चाहिए और पूरी जांच होनी चाहिए। टीपीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को मांग की कि इस प्रकरण में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा और सत्तारूढ़ टीआरएस दोनों ही आरोप-प्रत्यारोप में शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि ये सभी हथकंडे केंद्र और राज्य स्तर पर अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ही अपनाए जा रहे हैं। विवादों की आड़ में टीआरएस और बीजेपी दोनों ही लोगों के गुस्से से बचने की कोशिश कर रही हैं, रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीजेपी जहां ईडी और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, वहीं सत्तारूढ़ टीआरएस राज्य के संगठनों को कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि धान खरीद पर कोई स्पष्टता नहीं थी और राज्य सरकार से किसानों को चीजें स्पष्ट करने की मांग की।

अब व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण करेगी जीएचएमसी

मेयर ने परीक्षण वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा ऑन व्हील्स, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की मोबाइल इकाई, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में बेचे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए, शुक्रवार को यहां मेयर जी. विजया लक्ष्मी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में 30 सर्कल हैं और वाहन को हर दिन एक सर्कल में भेजा जाएगा। खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के लिए वाहन मौके पर ही आवश्यक सामग्री से लैस हैं। मेयर ने कहा, चार खाद्य सुरक्षा अधिकारी और एक प्रयोगशाला तकनीशियन वाहन में होंगे जो भोजन की गुणवत्ता की जांच करने के लिए शहर का चक्कर लगाएंगे।

एसीबी के जाल में फंसे दो ऑडिट अधिकारी

महबूबाबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसीबी के अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां दो सरकारी लेखा परीक्षकों को 18,000 रुपये की रिश्वत लेते समय फंसा दिया। आरोपी व्यक्ति सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी जनारेड्डी श्रीनिवास (48) और वरिष्ठ लेखा परीक्षक जतोथ किशोर कुमार (36) यहां जिला लेखा परीक्षा अधिकारी के कार्यालय में कार्यरत थे। जबकि श्रीनिवास ने कथित तौर पर रिश्वत की मांग की, किशोर ने शिकायतकर्ता मोहम्मद सलीम पाशा, एक सेवानिवृत्त पुलिस कांस्टेबल से "पेंशन फाइल को संसाधित करने के लिए" अपनी ओर से स्वीकार कर लिया। किशोर के पास से रिश्वत की राशि बरामद की गई।

गिरफ्तार किए गए लोगों को पहले अतिरिक्त के समक्ष पेश किया जाएगा। एसपीई और एसीबी मामलों के लिए विशेष न्यायाधीश, हैदराबाद, 'एसीबी प्रेस नोट में कहा गया है।

बिल का भुगतान नहीं करने पर पेयजलापूर्ति में कटौती करेगा जल बोर्ड

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड के प्रबंध निदेशक दाना किशोर ने लोगों से अपने पानी के बिलों का तुरंत भुगतान करने का आग्रह किया और कहा कि बकाया भुगतान न करने पर आपूर्ति काट दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वाणिज्यिक और गैर-मुक्त जल योजना कनेक्शनों से बकाया वसूली पर ध्यान दें। दाना किशोर ने स्पष्ट किया कि बकाएदारों से बकाया वसूल किया जाना है और यदि नहीं, तो कनेक्शन को हटाया जाना है। पिछले कुछ महीनों से जल बोर्ड राजस्व बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि शहर में एक हजार से अधिक व्यावसायिक कनेक्शन हैं, जिनके बिलों का भुगतान छह महीने से अधिक समय से नहीं किया गया है।

साइबराबाद में दो हथियार अपराधियों के खिलाफ पीडी एक्ट लागू

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने में शामिल आदतन अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम. स्टीफन रवींद्र ने दो कुख्यात अपराधियों के खिलाफ पीडी अधिनियम लागू किया है। मोहम्मद मुजाहिद उर्फ मुज्जू और मोहम्मद जिलानी पाशा एक "हथियार अपराधी" और उन्हें आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने से रोकने के लिए सेंट्रल जेल, चेरलापल्ली, मेडचल-मलकजगिरी जिले में हिरासत में लिया। आरोपी कुख्यात अपराधी हैं और क्रमशः डुंडीगल और युसूफगुडा के रहने वाले हैं। उन्होंने हैदराबाद के नवाबकुंटा के रहने वाले एक रियाल्टार इस्माइल को साइबराबाद शहर के बीच में सार्वजनिक आंदोलन के साथ रियल एस्टेट व्यवसाय में एक विवाद को लेकर सड़क पर आग्नेयास्त्रों से बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोपी ने मृतक की हत्या के लिए गुलबर्गा से एक खंजर और बिहार से जिंदा पिस्टल मंगवाई थी। उन्हें अगस्त के पहले सप्ताह में माधापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल में बंद कर दिया। इससे पहले ए1 को एक हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और 11 साल जेल की सजा दी गई थी और रिहा कर दिया गया था। बाद में वह ए2 के साथ 2020 में डुंडीगल थाने की सीमा में हत्या के प्रयास में शामिल था और जेल में बंद था।

जाली नोट गिरोह का भंडाफोड़, 6 लाख रुपये के जाली नोट जब्त

वारंगल, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूबेदारी पुलिस की सहायता से टास्क फोर्स के अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां नकली नोटों को छापने और प्रसारित करने के लिए आठ सदस्यों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया और छह लाख रुपये के अंकित मूल्य के नोट जब्त किए. उन्होंने एक स्कैनर के साथ एक प्रिंटर और नकली नोट छापने के लिए इस्तेमाल होने वाले अन्य को भी जब्त कर लिया।

पुलिस के मुताबिक एक और आरोपी फरार है। वारंगल के सीपी तरुण जोशी ने एक प्रेस नोट में कहा कि मुख्य आरोपी एसडी याकूब उर्फ शकील के साथ काठी रनेश, समीर, पेरला अविनाश, अकरम, प्रवीण, रजनी, सुनीता और सोहेल ने 2,000 रुपये के नकली भारतीय नोट छापने की योजना बनाई। उन्होंने हनमकोंडा के पेद्दामगड्डा में एक किराए के घर में प्रिंटिंग इक्विपमेंट की स्थापना की। उन्होंने खुद को तीन टीमों में विभाजित किया और पूर्व के वारंगल, करीमनगर और मेडक सहित विभिन्न जिलों में बेल्ट की दुकानों, किरणम की दुकानों, कपड़े की दुकानों, पेंट की दुकानों और अन्य में नकली नोटों को असली नोट के रूप में प्रसारित किया, उन्होंने कहा, पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

जैसा कि वे हमेशा की तरह एसडी याकूब के घर पर जमा हुए थे। अपनी योजना के अनुसार याकूब और अविनाश ने 2000 रुपये के 50 नोट लिए और शकील की बाइक पर चलने लगे, इसी तरह रनेश और उनकी पत्नी सुनीता ने 2000 रुपये के 40 नोट लिए और प्रवीण की बाइक पर थिरुमाला बार हनमकोंडा होते हुए हैदराबाद रोड की ओर चल पड़े, जब हमारी टीमों ने उन्हें दबोच लिया। सीपी ने कहा कि हनमकोंडा के न्यू रायपुरा का एक और आरोपी एमडी समीर फरार है।

श्री वीर तेजाजी नमः श्री गणेशाय नमः ॐ नमः शिवाय

जाट समाज ट्रस्ट

हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना)

अल्मासगुड़ा बी.एन.रेड्डी, वनस्थलीपुरम

(रजि नं.2/BK IV of 2016) के तत्वावधान मे

विशेष आम मीटिंग

कल रविवार दि. 20 नवम्बर मध्यान् 1.30 बजे से

जाट समाज ट्रस्ट पदाधिकारीयों व समाज बंधुओ से नम्र निवेदन है कि दोपहर 1.30 बजे से विशेष आम मीटिंग मंदिर प्लॉट पर रखी गयी है। जिसमे मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा व समाज की विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कृपया समय पर पधारकर अपने विचारों से अवगत कर मीटिंग को सफल बनावे।

: निवेदक : जाट समाज ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्यगण

9440436047, 8309954929, 9440039902, 9441015910

P.Solankey

गुजरात में किसका साथ देंगे मुसलमान

2017 और 2012 में मुस्लिम बहुल सीटों पर कैसे थे नतीजे?

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव में नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख थी। इसके साथ ही सभी सीटों के उम्मीदवार तय हो गए। 21 नवंबर तक दूसरे चरण के उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद चुनावी रण की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी। गुजरात में इस बार आम आदमी पार्टी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में लगी है। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी भी कई सीटों पर सेंधमारी की कोशिश में हैं। सूबे में करीब 9 से 10 प्रतिशत मुस्लिम वोटर्स हैं। 30 से अधिक विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम वोटरों की संख्या 15 फीसदी से ज्यादा है। इनमें से 20 में ये संख्या 20 फीसदी से भी ज्यादा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर मुसलमान इस बार गुजरात में किसका साथ देंगे? पिछले चुनावों में इन सीटों पर क्या नतीजे रहे थे। आप और

एआईएमआईएम इन मतदाताओं में कितना सेंध लगा पाएंगी?

अब तक कैसा रहा है गुजरात में मुस्लिम विधायकों का प्रतिनिधित्व?

गुजरात में करीब 10 फीसदी मुस्लिम है। इस लिहाज से देखें तो राज्य विधानसभा में आबादी के लिहाज से करीब 18 विधायक हो सकते हैं। हालांकि, गुजरात की किसी भी विधानसभा में मुस्लिम विधायकों की संख्या कभी सात से ज्यादा नहीं रही। 2017 में तीन मुस्लिम उम्मीदवार जीतकर विधायक बने थे। तीनों कांग्रेस के टिकट पर जीते थे। वहीं, 2012 विधानसभा चुनाव में महज दो मुस्लिम उम्मीदवार जीतने में सफल रहे थे।

किस पार्टी ने कितने मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं?

कांग्रेस ने मौजूदा चुनाव में छह मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं। इनमें सूरत पूर्व से असलम साइकिलवाला, वांकानेर से मोहम्मद जावेद पीरजादा, अबडास सीट से ममदभाई जुंग जत, वागरा से सुलेमान पटेल, दरियापुर सीट से ग्यासुद्दीन शेख, जमालपुर खड़िया से इमरान खेड़ावाला को टिकट दिया है। आम आदमी पार्टी ने तीन मुस्लिम चेहरों को अपना उम्मीदवार बनाया है। दरियापुर से ताज कुरैशी, जंबसुर से साजिद रेहान और जमालपुर खेड़िया से हारुन नागोरी को टिकट दिया है। 30 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान करने वाली एआईएमआईएम ने 16 नवबंर तक 14 सीटों पर उम्मीदवारों उतारे हैं। इनमें से 12 मुस्लिम हैं।

किधर जा सकते हैं मुसलमान मतदाता?

पत्रकार वीरांग भट्ट बताते हैं, 'पिछले चुनावों में मुस्लिम वोटर्स का झुकाव कांग्रेस की ओर ज्यादा रहा है। इस बार आप के आने से लड़ाई रोचक हो गई है। जिन सीटों पर एआईएमआईएम ने उम्मीदवार उतारे हैं वहां मुकाबला और दिलचस्प हो सकता है। मुस्लिम वोटों में अगर बंटवारा होता है तो इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है।'

किन सीटों पर है मुस्लिम मतदाताओं का असर?

2011 की जनगणना के मुताबिक गुजरात में कुल मुस्लिम आबादी करीब 10 फीसदी है। भुज और भरूच जिलों में मुस्लिमों की संख्या 20 फीसदी से ज्यादा है। वहीं, अहमदाबाद में वेजलपुर, दरियापुर, जमालपुर खाड़िया और दानीलिमड़ा जैसी सीटों पर मुस्लिम निर्णायक भूमिका में हैं। कुल बीस सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाताओं की आबादी 20 फीसदी से ज्यादा है।

इनमें से चार अहमदाबाद, तीन-तीन सीटें भुज और भरूच जिले की हैं

जमालपुर खड़िया गुजरात की इकलौती सीट है जहां मुस्लिम मतदाता 50 फीसदी से भी ज्यादा हैं। यहां कुल मतदाताओं में 61 फीसदी आबादी मुस्लिम मतदाताओं की है। इसके अलावा दाणिलिमड़ा में 48%, दरियापुर में 46%, वागरा में 44%, भरूच में 38%, वेजलपुर में 35%, भुज में 35%, जंबुसर में 31% बापूनगर में 28% और लिंबायत में 26 फीसदी मुस्लिम वोटर हैं। 2017 में इन दस सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाली सीटों में से पांच सीटें भाजपा और पांच सीटें कांग्रेस को मिलीं थीं। 2012 की बात करें तो इन दस में से आठ सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। वहीं, कांग्रेस को महज दो सीटों से संतोष करना पड़ा था।

अभी भी रहस्य बना है वीआईपी का नाम

पूर्व सीएम की ओर से दिए गए इस संकेत ने बढ़ाई हलचल

देहरादून, 18 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि अंकिता हत्यकांड में जिस वीआईपी का जिक्र किया गया है, वह कौन है ? उत्तराखंड की जनता उसके बारे में जानना चाहती है। उन्होंने कहा कि संज्ञान में आया है कि यह दरमियानी कद का व्यक्ति है, जिसके साथ पुलिस स्कॉट और कुछ बाउंसर थे। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि अंकिता को वीआईपी को खुश करने से इनकार करने का मूल्य अपनी जान देकर चुकानी पड़ी, लेकिन यह वीआईपी कौन था, अभी इससे पर्दा नहीं उठ पाया है। अंकिता के माता-पिता ही नहीं बल्कि, उत्तराखंड का हर व्यक्ति व देश का प्रबुद्ध जनमानस उस नाम को जानना चाहता है। प्रदेश की जनता यह भी जानना चाहती है कि सरकार ने इस मामले में क्या कार्रवाई की। पूर्व सीएम ने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि 16 तारीख को वनंतरा रिजॉर्ट में एक व्यक्ति आया था, जो दरमियानी कद का था। उसके साथ पुलिस स्कॉट और अपने कुछ बाउंसर थे। पूर्व सीएम ने कहा कि लोगों ने एसआईटी को इस संबंध में जानकारी दी है, लेकिन अब तक उसके नाम का खुलासा नहीं किया गया है। कोई तो उस व्यक्ति के बारे में बताए, जिस वीआईपी का जिक्र अंकिता ने अपने मैसेज में किया है।

फोरम ऑफ रेगुलेटर्स के कार्यक्रम में पहुंचे सीएम मनोहर लाल

चंडीगढ़, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल शुक्रवार को फोरम ऑफ रेगुलेटर्स के कार्यक्रम में शामिल हुए। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान सीएम ने कहा कि हरियाणा ने बिजली के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। आज हरियाणा बिजली के मामले में देशभर में अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गांवों को 24 घंटे बिजली देने के लिए म्हारा गांव-जगमग गांव योजना चलाई। आज हरियाणा में लगभग 80 प्रतिशत से अधिक गांवों को 24 घंटे बिजली मिल रही है। 2014 में मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश के लोगों से बिजली बिल भरने की अपील की थी, जिसमें लोगों ने हमारा सहयोग किया। सीएम ने कहा कि 2014 में राज्य में लाइन लॉस 29 प्रतिशत थे, जो आज घटकर 14 प्रतिशत हुए, लगभग 6000 करोड़ रुपये की बचत हुई। मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा के चारों बिजली निगम आज लाभांश की स्थिति में हैं। पिछले 2 साल में एनर्जी एफिशिएंसी रैंक में हरियाणा शीर्ष राज्यों में शामिल है। हमने 30 हज़ार सोलर कनेक्शन दिए, 50 हज़ार और सोलर कनेक्शन देने का काम चल रहा है। हमारी सरकार ने पिछले 8 सालों में बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की, बल्कि बिजली की दरों को घटाकर लोगों को राहत पहुंचाई।

दुष्कर्मियों को चौराहे पर टांग दो और अंतिम संस्कार मत होने दो, इस बयान को लेकर फंसी मंत्री उषा ठाकुर

भोपाल, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पर्यटन और संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर की मुश्किलें बढ़ सकती है। मानवाधिकार आयोग ने मंत्री के बयान पर संज्ञान लेकर मुख्य सचिव से 15 दिन में जवाब मांगा है। मंत्री ने दुष्कर्मियों को चौराहे पर फांसी देने और अंतिम संस्कार न होने देने की वकालत की थी। उन्होंने तो यह भी कहा था कि दुष्कर्मियों को फांसी पर लटकाकर छोड़ देना चाहिए ताकि चील-कौएं उन्हें नोंच-नोंचकर खाएं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने 13 नवंबर को इंदौर जिले के डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दुष्कर्मियों को बीच चौराहे पर लटकाकर फांसी देने की वकालत की थी। मंत्री ने कहा था कि उन्हें ऐसे लटके हुए छोड़कर उनका अंतिम संस्कार भी न किये जाने और उनके शव को चील-कौओं को नोंचकर खाने के लिए छोड़ने की वकालत की थी। मंत्री ने साथ ही यह भी कहा था कि ऐसे दुष्कर्मियों के कोई मानवाधिकार नहीं होते हैं और यदि मानवाधिकार आयोग हस्तक्षेप करे, तो उसकी कोई चिन्ता न करें।

आयोग ने 15 दिन में मांगा जवाब

मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग

के सदस्य मनोहर ममतानी ने पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री के कथन पर संज्ञान लेकर मुख्य सचिव से 15 दिन में जवाब मांगा है। आयोग के सदस्य ने यह भी कहा है कि प्रतिवेदन राज्य शासन के किसी जिम्मेदार अधिकारी के जरिये ही दें, जिससे शासन की गंभीरता पर भी विचार किया जा सके। आयोग ने यह पाया कि शासन में मंत्री स्तर के सम्मानजनक पद पर रहते हुये मंत्री ठाकुर द्वारा भारतीय संविधान की मूल भावना और मानव अधिकारों के संरक्षण हेतु गठित मानवाधिकार आयोग जैसी संस्था के विरुद्ध दिया गया बयान अनुचित एवं आपत्तिजनक है। मंत्री के ऐसे पद पर संवैधानिक शपथ लेकर ही कार्य किया जा रहा है और शपथ में स्पष्ट है कि वे विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची सत्यनिष्ठा रखेंगी और सभी प्रकार के लोगों के प्रति संविधान और विधि अनुसार न्याय करेंगी।

लोक सेवक से यह बयान अपेक्षित नहीं

आयोग ने मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए स्थापित वैधानिक संस्थाओं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राज्य मानवाधिकार आयोग के संबंध में उषा ठाकुर के बयान को अनुचित और अप्रासंगिक टिप्पणी माना है। उसने कहा कि एक लोकसेवक से ऐसा कथन अपेक्षित नहीं है। आयोग ने मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव को प्रकरण की जांच कराकर सार्वजनिक पद पर पदस्थ रहते शासन की मंत्री द्वारा दिए गए वक्तव्य के संदर्भ में मध्यप्रदेश शासन की ओर से स्थिति स्पष्ट करते हुए 15 दिन में प्रतिवेदन देने को कहा है,

आठ सौ किलो भुक्की की बडी खेप बरामद

जम्मू, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उधमपुर के जखैनी चौक पर लगाए नाके पर पुलिस ने एक तेल टैंकर (एचआर67बी-5452) में छिपाकर ले जाई जा रही करीब आठ क्विंटल भुक्की बरामद की। इसे 20-20 किलो की 40 बोरियों में भरकर टैंकर के निचले हिस्से में छिपाया गया था। यह टैंकर श्रीनगर से राजस्थान जा रहा था। पुलिस के मुताबिक पकड़ी गई भुक्की की कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में टैंकर चालक और सह चालक को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान कुलजीत सिंह और नसीब दोनों निवासी गोगाना, सोनीपत हरियाणा के रूप में हुई है।

पंजाब कैबिनेट ने पुरानी पेंशन स्कीम को दी मंजूरी

सीएम बोले-कर्मचारियों को होगा बड़ा लाभ

चंडीगढ़, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब कैबिनेट ने पुरानी पेंशन स्कीम को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार सुबह पंजाब सिविल सचिवालय में हुई बैठक में इस पर मुहर लगी। इसके अलावा गन्ने की कीमत सम्बन्धी नोटिफिकेशन मंजूर किया गया है। अब 380 रुपये प्रति क्विंटल दाम मिलेंगे। इसमें 305 केंद्र सरकार के, 50 रुपये पंजाब सरकार के और 25 रुपये गन्ना मिलों से मिलेंगे। कालेजों में लेक्चरर के 645 पद भरे जाएंगे। 16 सरकारी कॉलेजों में प्रिंसिपल के पद भरे जाएंगे। प्रिंसिपल भर्ती उम्र 45 से बढ़ाकर 53 साल करने का प्रस्ताव भी मंजूर कर दिया गया है। प्रिंसिपल का दर्जा पीपीएस अधिकारी का होगा। रजिस्टर्ड गौशालाओं के 31 अक्तूबर तक के बिजली बिल माफ कर दिए गए हैं। सीएम ने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए की गई सभी घोषणाएं पूरी कीं हैं।

पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने के आप सरकार के इस कदम को कर्मचारियों के हित में एक बड़ा निर्णय माना जा रहा हैं। अब सरकार को अधिसूचना के साथ ही इसके लिए कॉर्प्स फंड एकत्र करने पर माथापच्ची करनी होगी। हालांकि सरकार ने पिछले महीने ही पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की घोषणा की थी, लेकिन इस योजना को लागू करने के प्रस्ताव का खाका अब राज्य के वित्त विभाग द्वारा तैयार किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि राज्य सरकार ओपीएस की अदायगी के लिए पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण के पास जमा 17,000 करोड़ रुपये के कॉर्प्स फंड का प्रयोग कर सकती है, लेकिन इसे हासिल करना पंजाब सरकार के लिए बड़ी चुनौती होगी। इस कोष में कर्मचारियों के वेतन का 10 प्रतिशत और राज्य सरकार द्वारा पेंशन के लिए बेसिक सैलरी का 14 प्रतिशत हिस्से का योगदान रहता है। वित्त विभाग के सूत्रों का कहना है कि इसके लिए केंद्र से पैसे वापस करने का आग्रह करना होगा, लेकिन यह केंद्र के विवेक पर निर्भर है। इसके बाद ही पुरानी पेंशन योजना लागू हो सकती है। पंजाब 2004 में नई पेंशन योजना को लागू करने वाले पहले राज्यों में से एक था।

पानी की टंकी पर बैठी थी 'गर्लफ्रेंड'

ब्वॉयफ्रेंड ने दे दिया धक्का, मौके पर पहुंची पुलिस

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में श्रद्धा हत्याकांड के बाद से लोगों में जहां आक्रोश है वहीं अब मुंबई से भी एक मामला सामने आया है जहां एक शख्स ने अपनी बीपीओ कर्मचारी प्रेमिका से बहस के बाद उसे जान से मारने की कोशिश की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी शख्स ने अपनी प्रमेका को 15वें मंजिल पर स्थित पानी की टंकी से धक्का दे दिया।

हालांकि, गनीमत ये रही कि लड़की की जान बच गई लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गई। रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्टर भी हो गया है। पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक यह घटना रविवार की है। शख्स ने अपनी गर्लफ्रेंड को मिलने अपने दोस्त के यहां बुलाया था। यहां आने के बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई जिससे लड़की नाराज होकर 15वीं मंजिल पर स्थित 18 फीट ऊंची टंकी पर जाकर बैठ गई। फिर क्या था कुछ देर बाद उसका ब्वॉयफ्रेंड वहां भी पहुंच गया और उससे बहस करने लगा। अब बहस इतनी तेज हो गई कि लड़के को गुस्सा आ गया और उसने एक झटके में गर्लफ्रेंड को धक्का दे दिया।

हालांकि, गनीमत ये रही कि वह नीचे छत पर ही गिरी। लेकिन उसे गंभीर चोट आ गई। रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर भी आ गए। आरोपी शख्स बोरीवली पश्चिम का निवासी है और एक बीपीओ कर्मचारी भी है। जबकि पीड़िता अपने परिवार के साथ मलाड में रहती थी। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने आरोपी के दोस्त का बयान दर्ज करने के लिए उसे तलब किया है। उन्होंने कहा कि हम उस एग्रीगेटर कैब के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं,

पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल बनने के बाद सीवी आनंद बोस ने दिया ये बयान

कोलकाता, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ बनाम ममता बनर्जी की लड़ाई खूब चर्चा में रही. विधानसभा चुनाव से पहले और उसके बाद दोनों के बीच तल्खी लगातार देखी गई. इसी बीच अब पश्चिम बंगाल को सीवी आनंद बोस के तौर पर अपना नया राज्यपाल मिल गया है, जो केरल कैडर के 1977 बैच के (सेवानिवृत्त) भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं. बोस ने मोदी सरकार के कई अहम प्रोजेक्ट्स में काम किया है और उनकी कई सलाहों को सरकार ने लागू भी किया. पश्चिम बंगाल का इतिहास देखते हुए अब ममता से उनके रिश्तों को लेकर सवाल उठ रहे हैं. इसी बीच सीवी आनंद बोस ने राज्यपाल बनने के बाद अपना पहला बयान दिया है. पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने ये साफ कर दिया है कि वो किसी भी तरह के झगड़े में नहीं उलझने वाले हैं. उन्होंने राज्यपाल का पद संभालने के बाद इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा कि वो केंद्र और राज्य सरकार के बीच एक ब्रिज की तरह काम करेंगे. जिससे तमाम मुद्दों का हल आपसी सहयोग से निकाला जा सके. एक्सप्रेस से बातचीत में नए राज्यपाल बोस ने कहा कि "मैं चुनी हुई सरकार के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्तों की उम्मीद करता हूं. राज्यपाल की भूमिका राज्य के प्रमुख के तौर पर होती है. मैं संविधान के हिसाब से काम करने के लिए अपना पूरा सहयोग देना चाहूंगा.

राष्ट्रपति ने किया नियुक्त

सी. वी. आनंद बोस (71) को गुरुवार 17 नवंबर को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया. राष्ट्रपति भवन की तरफ से इसे लेकर एक रिलीज जारी हुई, जिसमें ये जानकारी दी गई. बोस ने 2011 में रिटायर होने से पहले राष्ट्रीय संग्रहालय में एक प्रशासक के रूप में काम किया था. मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन इस साल जुलाई में जगदीप धनखड़ को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने के बाद से पश्चिम बंगाल का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे. बोस ने अपने कैडर राज्य केरल और केंद्र दोनों में अलग-अलग पदों पर काम किया है. अब वो पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का पदभार संभालेंगे.

सीएम शिवराज का कांग्रेस और आप पर हमला

राहुल को बताया खरपतवार, केजरीवाल को बबूल का पेड़

भोपाल, 18 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक दिवसीय दौरे पर प्रचार के लिए गुजरात पहुंच गए है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर जमकर निशाना साधा। शिवराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उनको कल्पवृक्ष बताया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भुजपुरा में चुनावी सभा को संबोधित किया। यहां शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नरेंद्र मोदी कल्पवृक्ष हैं, जो जरूरत है वही मिलेगा। उन्होंने केजरीवाल को बबूल का पेड़ बताते हुए कहा कि वहा केवल कांटे ही मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल बाबा खरपतवार हैं ये फसल ही खराब कर देंगे।

ये कांग्रेस और आप देश से संतोष और चैन साफ कर देंगे। ये झूठे वादे करने वाले है। हालत यह है कि यहां भी अब कांग्रेस में

बचा क्या है। हमारे यहां के रिजेक्टेड माल को लड़ा रहे हैं। पुराने कांग्रेसी अंदर बैठे -बैठे कुसमुसा रहे हैं। कांग्रेस की हालत यह हो गई है। इस दिल के टुकड़े हजार हुए, कोई इधर गिरा कोई उधर गिरा। सीएम ने कहा कि कांग्रेस शहीदों का अपमान करती है। कांग्रेस की सरकार रही तो हमें यही पढ़ाया गया देश को आजादी नेहरू जी ने दिलाई और किसी को याद ही नहीं करते थे। सीएम ने कहा कि राहुल गांधी ने कल स्वतंत्र वीर सावरकर का अपमान किया है। जिन्हें काला पानी की 2 जन्म की सजा मिली थी, जिन्होंने काला पानी की सजा काटी, देश के लिए सब कुछ लुटा दिया। ऐसे स्वतंत्र वीर सावरकर का तुम अपमान करते हो राहुल गांधी, कांग्रेसियों, ये देश तुम्हें कभी माफ नहीं करेगा। वहीं, विधानसभा मांडवी, जिला कच्छ में आयोजित जनसभा मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आपने कच्छ की पगड़ी पहनाकर मेरा स्वागत किया है। अपने देश में पगड़ी से बड़ा सम्मान और कोई नहीं होता है। मैं आपको वचन देता हूं कि आपका सम्मान और गुजरात की शान बढ़ाने में मेरा जो भी योगदान हो सकेगा, मैं दूंगा। यहां का अनार, यहां का ड्रैगन फ्रूट प्रसिद्ध है।

कच्छ वाले जहाँ जाते हैं, वहाँ छा जाते हैं। नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से नर्मदा नदी का पानी कच्छ तक आया है। मैं रोज मध्यप्रदेश में एक पौधा लगाता हूं। पेड़ लगाने से बड़ा पुण्य और कोई नहीं है। पेड़ हमें ऑक्सीजन तो देते ही हैं, साथ ही नर्मदा जी में जल की धारा बनाए रखने में भी मदद करते हैं। पेड़ हैं, तो नर्मदा जी हैं। मैं वचन देता हूं, नरेंद्र भाई नर्मदा का पानी कच्छ तक लेकर गए, मैं मां नर्मदा में पानी की कमी नहीं आने दूंगा। ये कांग्रेसी और मेधा पाटकर जैसे लोग आंदोलन करते थे और मुझे गाली देते थे कि हमारा पानी गुजरात को क्यों दे रहे हो। नर्मदा जी का पानी यहां आया, तो इधर के खेत लहलहा उठे।

सीएम ने कहा कि हमें आजादी कोई चांदी की तश्तरी में नहीं मिली थी, हजारों क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तब जाकर हमें आजादी मिली। क्रांतिकारी हंसते हुए फांसी पर लटकते थे और प्रार्थना करते थे कि मैं फिर यहीं जन्म लूं और मरूँ और तब तक जन्म लेता रहूँ जब तक देश आजाद न हो जाए। कांग्रेस ने क्रांतिकारियों को भुला दिया। कांग्रेस ने केवल यही पढ़ाया कि आजादी केवल एक ही परिवार ने दिलाई। कल राहुल गांधी ने स्वतंत्र वीर सावरकर का अपमान किया। इनके स्वभाव में है अपमान करना!

भीमा कोरेगांव हिंसा : एल्गार परिषद केस में आरोपी आनंद तेलतुंबडे को हाईकोर्ट से ज़मानत

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले के आरोपी आनंद तेलतुंबडे की जमानत मंजूर कर दी है. उच्च न्यायालय से आनंद तेलतुंबडे को एक लाख के कैश बॉन्ड पर जमानत मिली है. हालांकि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी, ताकि अभियोजन एजेंसी, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटा सके. इसका मतलब यह है कि तेलतुंबडे तब तक जेल से बाहर नहीं निकल पाएंगे. दरअसल एनआईए ने अदालत से अपने आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगाने की मांग की ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपील कर सके.

खंडपीठ ने इसे स्वीकार करते हुए अपने आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी. तेलतुंबडे अप्रैल 2020 में इस मामले में गिरफ्तारी के बाद से जेल में हैं. आनंद तेलतुंबडे वर्तमान में नवी मुंबई की तलोजा जेल में बंद हैं. एक विशेष अदालत के जमानत देने से इनकार करने के बाद तेलतुंबडे ने पिछले साल उच्च न्यायालय का रुख किया था. अपनी याचिका में, तेलतुंबडे ने दावा किया था कि वह 31 दिसंबर, 2017 को पुणे में आयोजित एल्गार परिषद के कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे और न ही उन्होंने कोई भड़काऊ भाषण दिया था. तेलतुंबडे इस मामले में तीसरे आरोपी हैं जिन्हें जमानत मिली है. कवि वरवर राव मेडिकल जमानत पर बाहर हैं और वकील सुधा भारद्वाज नियमित जमानत पर बाहर हैं.

ओडिशा के कॉलेज में जूनियर छात्रा से रैगिंग

पांच छात्र गिरफ्तार, 12 को दिखाया बाहर का रास्ता

बेरहामपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजम जिले में एक सरकारी कॉलेज के अधिकारियों ने कथित तौर पर एक छात्रा की रैगिंग में शामिल 12 छात्रों को संस्थान से निष्कासित करने का फैसला किया है। एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पुलिस ने रैगिंग की घटना में शामिल होने के आरोप में दो किशोरों (प्लस) और तीन वयस्क प्लस (द्वितीय वर्ष) के छात्रों सहित पांच छात्रों को गिरफ्तार किया है। वहीं कॉलेज प्रिंसिपल प्रमिला खडांगा ने कहा कि हमने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के जरिए रैगिंग में शामिल छात्रों की पहचान कर ली है। इन सभी को अनिवार्य ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) देकर कॉलेज से निकाल दिया जाएगा। प्राचार्य ने कहा कि प्लस टू (द्वितीय वर्ष) के ऐसे छात्र जिन्होंने वार्षिक परीक्षा के फॉर्म भरे हैं और रैगिंग में शामिल हैं, उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हम घटना के बारे में उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद को लिखेंगे। खडंगा ने कहा कि 12 छात्रों को कॉलेज से निकालने का फैसला गुरुवार को हुई अनुशासन समिति और एंटी रैगिंग सेल की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि निष्कासन की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में छात्रों का एक समूह एक जूनियर छात्रा को परेशान करता नजर आ रहा है। पीड़िता ने बुधवार को बड़ा बाजार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। इस बीच, पुलिस अधीक्षक, बेरहामपुर, सरबन विवेक एम ने कॉलेज के प्राचार्य के साथ सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार संस्थान में रैगिंग-विरोधी तंत्र पर चर्चा की। पुलिस ने प्रवेश और अन्य औपचारिकताओं के समय घटना में शामिल छात्रों और उनके उपक्रमों की पहचान भी मांगी। एसपी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए पांच छात्रों में से तीन की उम्र 18 साल से अधिक है। एसपी ने कहा कि हम घटना में शामिल अन्य लोगों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल रैगिंग का मामला नहीं है, बल्कि पीड़िता के यौन उत्पीड़न का मामला है। एसपी ने कहा कि रैगिंग की धाराओं के अलावा पुलिस पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत भी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करेगी। एसपी ने कहा कि छात्र, शिक्षक और अभिभावक टोल फ्री नंबर 112 डायल कर किसी भी संस्थान में फोन पर रैगिंग की सूचना दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर संस्थान की एंटी रैगिंग सेल ठीक से काम नहीं कर रही है तो वे नजदीकी पुलिस स्टेशन को भी रिपोर्ट कर सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 19 नवंबर, 2022

धन-बल की राजनीति

आज की राजनीति धन और बल पर आधारित हो गई है। एक तरह से कहा जाए तो राजनीति अब धन और बल का खेल बन चुकी है। आज राजनीति में वही सफल हो सकता है जिसके पास ये दोनों चीजें हैं। वह आसानी से किसी भी राजनीतिक दल का चुनावी टिकट हथिया सकता है। राजनीति में वही लोग आ रहे हैं जो इसे भी धंधे के रूप में देखते हैं। छिपी बात नहीं है कि चुनाव जीतने के बाद ऐसे लोगों की कमाई दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगती है। कभी इसी चक्र को तोड़ने का संकल्प लेकर आम आदमी पार्टी भी अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में राजनीति के कीचड में उतरी थी। जब केजरीवाल आंदोलन के बाद राजनीति में उतरे तो वे एक वैकल्पिक राजनीति की धारा विकसित करने व भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाने के संकल्प के साथ आए थे। अब यही देख कर हैरानी होती है कि आज उनकी ही पार्टी के कई नेता उसी भ्रष्टाचार के कीचड़ में आकंठ डूबे दिखाई दे रहे हैं। सवाल है कि यदि यही सब करना था तो फिर दूसरे राजनीतिक दल कम थे क्या? हद तो तब हो गई जब दिल्ली नगर निगम चुनाव में टिकट दिलाने के लिए एक विधायक के साले ने नब्बे लाख रुपए की रिश्वत झटक ली। उससे भी मजेदार तो यह रहा कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा यानी एसीबी ने उस व्यक्ति को रंगे हाथों पैसे के साथ गिरफ्तार भी कर लिया। अब हमेशा की तरह इस बार भी आम आदमी पार्टी मुखर हो गई है कि उसकी विरोधी भाजपा उसे बदनाम करने की नीयत से ऐसे कुचक्र रच रही है। जिस व्यक्ति से रिश्वत मांगी गई थी, वह भी कई सालों से आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता रहा है और जब खुद उसी ने एसीबी के पास जाकर शिकायत दर्ज कराई तो फिर इसमें किसी कुचक्र का सवाल कहां उठता है। इसी भी मजेदार किस्सा गुजरात का है। जहां आम आदमी के एक प्रत्याशी के अचानक लापता हो जाने पर आप नेताओं ने खूब शोर-शराबा किया कि उसे भाजपा के लोगों ने अपहृत कर लिया है और उसका नामांकन वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। काफी हो-हल्ले के बाद वह प्रत्याशी अचानक प्रकट हुआ और उसने न सिर्फ अपना पर्चा वापस ले लिया, बल्कि सार्वजनिक रूप से बयान दिया कि उस पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं था। उसे लगने लगा था कि आम आदमी पार्टी राष्ट्र और गुजरात विरोधी है। इन दोनों घटनाओं ने आम आदमी पार्टी के सिद्धांतों को सवालों के घेरे में खडा कर दिया है। हालांकि यह भी सही है कि दिल्ली नगर निगम चुनाव में जिस व्यक्ति से टिकट के लिए रिश्वत मांगी गई थी, उसे पार्टी ने टिकट नहीं दिया। इससे वह अपने को बेदाग कह सकती है। लेकिन यह सवाल तो बना रहेगा कि कैसे उसके एक विधायक का नजदीकी रिश्तेदार ऐसी गतिविधियों में संलिप्त था और किस भरोसे पर उसने टिकट दिलाने का वादा किया था। क्या उस विधायक को उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी नहीं थी, या इस तरह के काम वह पहले से करता चला आ रहा था। बता दें कि चुनावों में पैसे का लेनदेन कोई नई बात नहीं है। हर पार्टी प्रचार में जिस तरह अकूत पैसा बहाने लगी है, बगैर उगाही के कई तरीके अपनाए ऐसा संभव नहीं हो सकता। अच्छे जनाधार वाले सामान्य कार्यकर्ताओं के बजाय धनबल और बाहुबल वाले प्रत्याशियों को टिकट देने का चलन इसीलिए अधिक है कि वे न सिर्फ अपने चुनाव का खर्च उठा लेते हैं, बल्कि पार्टी के कोष में भी पैसा डालने में सक्षम हैं। छिपे तौर पर ही सही, मगर पैसा लेकर टिकट देने की बातें आम जन तक में होने लगी हैं। इस तरह बहती गंगा में आम आदमी पार्टी ने भी हाथ धोना शुरू कर दिया है तो उसकी नैतिकता पर सवाल खडे करना लाजिमी है। हालांकि चुनाव के वक्त हर राजनीतिक दल अपने विरुद्ध खड़े ताकतवर प्रत्याशियों को कमजोर करने या रास्ते से हटाने का प्रयास करता रहता है, इसलिए रिश्वत मामले में हुई गिरफ्तारी और गुजरात में नामांकन वापस लेने वाले मामले की निष्पक्ष जांच होनी ताकि सच्चाई देश के सामने आ सके।

क्या सावरकर अंग्रेजों के गुलाम थे?

पिछले दिनों नेहरु परिवार के युवराज व होनहार कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने अपनी कथित भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वीरों के वीर वीर सावरकर पर अंग्रेजों की गुलामी करने के आरोप लगाए। हालाँकि अगर हम उस दौर में मोहन दास करमचंद गाँधी के पत्रों को देखें तो पता चलता है कि भारत के राष्ट्रपिता ने भी ठीक उसी शैली में अंग्रेजों को पत्र लिखे थे जिस शैली में सावरकर ने जमानत और जेल में सुधार के लिए अंग्रेजों के समक्ष आवेदन दिया था। उदाहरण के लिए 22 जून, 1922 को गांधीजी ने ब्रिटिश भारत के तत्कालीन वायसराय लार्ड चेम्सफोर्ड को एक पत्र लिखा था जिसके अंत में उन्होंने लिखा था कि मुझे गर्व महसूस हो रहा है कि मैं आपका जीवनभर आज्ञाकारी नौकर रहना चाहता हूँ. तो क्या गाँधी जी भी अंग्रेजों के नौकर थे? गाँधी जी के एक और पत्र की जो उन्होंने फरवरी 1920 में ड्यूक ऑफ़ कनाट को लिखा था उसकी भाषा पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

यहाँ गाँधी जी ने खुद को अंग्रेजों का विश्वास करने योग्य नौकर बताया है। इतना ही नहीं गाँधी जी अपने एक और पत्र में लिखते हैं कि उन्होंने चार बार ब्रिटिश साम्राज्य के लिए अपने जीवन को दांव पर लगाया है और किसी अन्य भारतीय ने ब्रिटिश साम्राज्य के लिए उतना नहीं किया होगा जितना उन्होंने वो पिछले 29 सालों से लगातार करते आ रहे हैं। तो क्या गाँधी जी अंग्रेजों के साथ गुपचुप मिलकर भारत की जनता को धोखा दे रहे थे? एक और पत्र है जिसके एक पैराग्राफ में गाँधी जी ने चार बार योर एक्सेलेंसी लिखा है। लेकिन पत्र का शीर्षक इस प्रकार रखा है- अर्थात अगर हम सिर्फ शाब्दिक अर्थ पर जाएंगे तो फिर गाँधी जी को अंगेजों का सबसे बड़ा गुलाम मानना चाहिए। इतना ही नहीं गाँधी ने तो इन्हीं शब्दों में 15 अगस्त 1910 को रुसी दार्शनिक लियो टोलस्टाय को भी पत्र लिखा था। मलतब गाँधी न सिर्फ अंग्रेजों के बल्कि रूस के भी नौकर थे। और अगर ऐसा है तो राहुल गाँधी के पूरे परिवार को गाँधी सरनेम का त्याग कर देना चाहिए और अपने दादा का सरनेम खान अपना लेना चाहिए। कुछ और विस्तार में जाएँ तो 6 अप्रैल 1869 को अमेरिका के महानतम राष्ट्रपति जिन्होंने अमेरिका को टूटने से बचाया अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी सांसद हेनरी एल्पियर्स को पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने अपना परिचय Your obedient servant लिखकर दिया था तो क्या लिंकन उक्त सांसद के गुलाम या नौकर हो गए?

कहने का तात्पर्य यह कि सावरकर ने जिस भाषा में आवेदन दिया था उस समय वही प्रचलित भाषा थी जिसका हर शालीन व्यक्ति प्रयोग करता था। अब इतनी-सी बात कांग्रेस के युवराज की समझ में नहीं आ रही तो इसमें सावरकर की क्या गलती? और अगर सावरकर अंग्रेजों के गुलाम थे तो फिर अंग्रेजों ने उनको दो जन्मों के लिए कठोर कारावास की सजा क्यों दी थी?

और सिर्फ सावरकर ही नहीं उनके बड़े भाई गणेश सावरकर को भी कालापानी की सजा क्यों दी थी? और अगर सावरकर की गिरफ्तारी का मामला अंतर्राष्ट्रीय न्यायलय हेग में नहीं जाता तो बहुत संभव है कि उनको 1910 में ही फांसी पर चढ़ा दिया गया होता। क्या तब भी महान भाषा विज्ञानी राहुल गाँधी उनको गुलाम बताते?

सियांग नदी को चीन से खतरा

पिछले एक हफ्ते से जैसे ही सियांग नदी का पानी मटमैला होना शुरू हुआ, उसके किनारे बसे लोगों में आशंका और भय समा गया है। पहले भी जब-जब नदी का पानी गंदला हुआ, इस तेज गति वाली नदीं में ऊंची-ऊंची लहरें उठीं और सैकड़ों लोगों के खेत-घर उजड़ गए। इससे पहले अक्तूबर-2017, दिसंबर-2018 और वर्ष 2020 में भी इस नदी का पानी पूरी तरह काला हो गया था और इसका खामियाजा यहां के लोगों को महीनों तक उठाना पड़ा था।

सियांग नदी का उद्भव पश्चिमी तिब्बत के कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील से दक्षिण-पूर्व में स्थित तमलुंग त्सो (झील) से हुआ है। तिब्बत में 1,600 किलोमीटर के रास्ते में इसे यरलुंग त्संगपो कहते हैं। भारत में दाखिल होने के बाद इसे सियांग नाम से जाना जाता है। आगे 230 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यह लोहित नदी से जुड़ती है। अरुणाचल के पासीघाट से 35 किलोमीटर नीचे उतरकर यह दिबांग नदी से जुड़ती है। फिर यह ब्रह्मपुत्र में परिवर्तित हो जाती है।

सियांग नदी में उठती रहस्यमयी लहरों के कारण लोगों में भय व्याप्त हो जाता है। आम लोग इसके पीछे चीन की साजिश मानते हैं। सभी जानते हैं कि चीन अरुणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से पर दावा करता है और यहां वह आए दिन कुछ-न-कुछ हरकतें करता रहता है। इसी साल एक नवंबर की रात सियांग से तेज आवाजें आने लगीं और देखते ही देखते नदी का पानी गहरा काला और गाढ़ा हो गया। नदी का पानी पीने के लायक भी नहीं रहा। वहां मछलियां भी मर रही हैं।

नदी के पानी में सीमेंट जैसा पतला पदार्थ होने की बात जिला प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में कही थी। सनद रहे, सियांग नदी के पानी से ही अरुणाचल प्रदेश की प्यास बुझती है, तब संसद में भी इस पर हल्ला हुआ था। चीन ने कहा था कि उसके इलाके में 6.4 तीव्रता वाला भूकंप आया था, संभवतया यह मिट्टी उसी के कारण नदी में आई होगी। हालांकि भूगर्भ वैज्ञानिकों के रिकॉर्ड में ऐसा कोई भूकंप उस दौरान चीन में महसूस नहीं किया गया था।

सियांग नदी में यदि कोई गड़बड़ होती है, तो अरुणाचल प्रदेश की बड़ी आबादी का जीवन संकट में आ जाता है। पीने का पानी, खेती, मछली-पालन सभी कुछ इसी पर निर्भर हैं। सबसे बड़ी बात सियांग में प्रदूषण का सीधा असर ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी और उसके किनारे बसे सात राज्यों के जनजीवन व अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। असम के लखीमपुर जिले में पिछले साल आई कीचड़ का असर आज भी देखा जा रहा है। वहां के पानी में आज भी आयरन की मात्रा सामान्य से अधिक पाई जा रही है।

तिब्बत में यारलुंग सांगपो (सियांग) नदी को शिनजियांग प्रांत के ताकलीमाकान की ओर मोड़ने के लिए चीन दुनिया की सबसे लंबी सुरंग के निर्माण की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि सार्वजनिक तौर पर चीन ऐसी किसी योजना से इनकार करता रहा है। पर यह बात किसी से छिपी नहीं है कि चीन ने इस नदी को जगह-जगह रोककर यूनान प्रांत में आठ जल-विद्युत परियोजनाएं शुरू की हैं, क्योंकि इस नदी का सारा प्रवाह नियंत्रण चीन के हाथ में है।

मई-2017 में चीन भारत के साथ सीमावर्ती नदियों की बाढ़ आदि के आंकड़े साझा करने से इनकार कर चुका है। वह जो आंकड़े हमें दे रहा है, वह किसी काम का नहीं है। वैसे यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर हिमालय के ऊपरी हिस्से सर्वाधिक संवेदनशील हैं और इसका असर वहां से निकलने वाली नदियों पर तेजी से पड़ रहा है। भले ही चीन के वादों के आधार पर केंद्र सरकार भी कहे कि चीन अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कोई खनन कार्य नहीं कर रहा है।

लेकिन हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइन मार्निंग पोस्ट की 2018 की रिपोर्ट बताती है कि अरुणाचल सीमा से सटे क्षेत्र में वह खनन कार्य कर रहा है, क्योंकि उसे स्वर्ण अयस्क के करीब 60 अरब डॉलर के भंडार मिले हैं।

इसलिए सियांग नदी के पानी के मटमैले होने या ऊंची होने के पीछे चीन की हरकतें हो सकती हैं। केंद्र सरकार को चीन की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए, वर्ना जल प्रलय का असर परमाणु बम से भी भयंकर होगा।

सहजीवन के संबंधों में असुरक्षा

आज की जीवन-शैली में अपनाए जा रहे मनचाहे रिश्तों ने नई तरह की असामाजिकता, असुरक्षा और अपराध के आंकड़े बढ़ाए हैं। राजधानी दिल्ली में मुंबई की एक लड़की के साथ हुआ वीभत्स अपराध इसी की बानगी है। दिल दहलाने वाली इस घटना में लंबे समय तक साथ रहने के बाद पीड़िता द्वारा शादी के लिए दबाव बनाने पर लिव-इन पार्टनर ने अपनी 26 वर्षीय साथी की न केवल बेरहमी से गला घोंटकर हत्या कर दी, बल्कि उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर जंगल में फेंक दिया। बेटी का फोन नंबर बंद रहने और उसकी कोई खबर न मिलने पर पिता ने एफआईआर दर्ज करवाई, तो हत्या के पांच महीने बाद इस हत्याकांड का खुलासा हुआ।

यह कटु सच है कि लिव-इन संबंधों में आए दिन घरेलू हिंसा, मौखिक दुर्व्यवहार और बर्बरता से हत्या के मामले सामने आते हैं। हाल ही में जोधपुर में भी लिव-इन में रह रहे साथी को नशा करने पर रोकने-टोकने के चलते पार्टनर ने गुस्से में गला दबाकर लड़की की जान ले ली थी। कुछ दिन पहले दिल्ली में ही एक और महिला की लिव-इन पार्टनर द्वारा हत्या कर लाश को हाइवे पर फेंकने की घटना सामने आई। पिछले महीने मध्य प्रदेश के शिवपुरी में लिव-इन रह रही महिला ने साथ रहने से मना किया, तो पार्टनर ने पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। ऐसी घटनाओं के समाचार देश के कोने-कोने से आते रहते हैं।

मौजूदा दौर में लिव-इन रिलेशनशिप से उपजी असुरक्षा इतनी बढ़ गई है कि कई बार न्यायालय द्वारा भी ऐसे रिश्तों पर तीखी टिप्पणी की गई है। बीते दिनों यौन उत्पीड़न के मामले की सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने लिव-इन संबंधों को अभिशाप बताते हुए उसे नागरिकों के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सांविधानिक गारंटी का बाई-प्रोडक्ट बताया था। दरअसल, लिव-इन रिश्तों में असुरक्षा और अपूर्णता हमेशा से बनी हुई है। एक-दूसरे का साथ पाकर भी सहजीवन के रिश्ते में भीतर के खालीपन और भय का माहौल हमेशा बना रहता है। ऐसे अधिकतर रिश्तों का कोई भविष्य नहीं होता। कुछ समय पहले ऑरमैक्स मीडिया द्वारा भारत के 40 शहरों में युवाओं को लेकर किए गए एक अध्ययन में 72 फीसदी युवाओं ने माना कि लिव-इन रिलेशनशिप विफल रहते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से भी सहजीवन के रिश्ते में भावनात्मक धरातल पर रिक्तता ही देखने को मिलती है। ऐसी बर्बर घटनाएं ऐसे ही रीतेपन का नतीजा हैं। यही वजह है कि कुछ समय पहले उच्चतम न्यायालय ने लिव-इन रिलेशनशिप को शादी का दर्जा देने की बात कही थी, ताकि सामाजिक और पारिवारिक ताने-बाने से दूर कानूनी नियमों के जरिये ही सही इन संबंधों को स्थिरता और सुरक्षा दी जा सके।

आज के युवा-युवतियों के लिए यह समझना जरूरी है कि बिना जवाबदेही वाले लिव-इन संबंधों में विवाह संस्था जैसी भावनात्मक, सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा मिल पाना मुश्किल ही है। ऐसा नहीं है कि शादी के रिश्ते में सब सहज ही रहता है, पर दायित्वबोध और पारिवारिक जुड़ाव का भाव एक मजबूत पृष्ठभूमि बनकर मन-जीवन को थामता है। वैवाहिक संबंधों से जुड़ी सामाजिक स्वीकार्यता सुरक्षा और संबल देती है।

सहजीवन के संबंधों में कोई बंधन नहीं होता, तो जिम्मेदारी का भाव भी नहीं होता है। कई मामलों में तो इन संबंधों की शुरुआत ही शोषण के इरादे से की जाती है। अफसोस कि सहजीवन के रिश्ते में भी लड़कियां ही ज्यादा ठगी जाती हैं।

वे अपने लिव-इन पार्टनर की अपेक्षा इन संबंधों को लेकर अधिक संवेदनशील होती हैं। एक समय के बाद अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर आशंकित होने पर वे शादी कर घर बसाने के बारे मे सोचने लगती हैं। इन संबंधों में कितनी ही महिलाएं लिव-इन साथी द्वारा यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का शिकार बनकर चुप्पी साध लेती हैं। यही नहीं, इन संबंधों में जन्मे बच्चों की जिम्मेदारी और सुरक्षा भी लंबे समय से बहस का मुद्दा बनी हुई है। इसलिए जरूरी है कि व्यक्तिगत पसंद के मुताबिक जीने की इच्छा रखने वाली लड़कियां न केवल प्रेम के सही मायने समझें, बल्कि अपने भविष्य और सुरक्षा के बारे में भी सोचें, अन्यथा कभी-कभी अपने ही निर्णय भारी पड़ जाते हैं।

फीफा कपः ब्राजील टीम ही क्यों भारतीयों की पसंद

आर.के. सिन्हा

क्रिकेट टी-20 वर्ल्ड कप के फौरन बाद अब फीफा विश्व कप आगामी 20 नवंबर से कतर में शुरू हो रहा है। लोकप्रियता के स्तर पर क्रिकेट कहीं नहीं ठहरती फुटबॉल के सामने। भारत के हर गाँव में फुटबाल प्रेमी भरे पड़े हैं। फीफा विश्व कप को सारी दुनिया के करोड़ों-अरबों लोगे देखेंगे। भारत में भी इसके मैच हर रोज देखे जाएंगे। दुनिया भर के 200 से अधिक देशों ने हर चार साल में होने वाली इस फुटबॉल स्पर्धा में क्वालिफाई करने का प्रयास किया, लेकिन मेजबान कतर सहित केवल 32 टीमें 2022 फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर सकीं। हालांकि उन 32 देशों में भारत भी नहीं है जो फीफा कप के लिए क्वालिफाई कर सके हैं। एक अरसे से भारतीय फुटबॉल प्रेमी ब्राजील की टीम को ही चीयर करते हैं और संतोष कर लेते हैं। हमारे फुटबॉल प्रेमियों की ब्राजील की टीम को लेकर निष्ठा कभी विचलित नहीं हुई। उन्हें ब्राजील की कलात्मक शैली की फुटबॉल पसंद आती है। लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील, भारत से हजारों किलोमीटर दूर है। भारतीय पसंद करते रहे हैं पेले, रोमोरियो से लेकर रोनोल्डो, सोकरट्स जैसे ब्राजील के खिलाड़ियों को। ब्राजील की टीम में गेरसन, जौरजिन्हो, रिवेलिनो और तोस्ताओ जैसे उम्दा खिलाड़ी भी रहे हैं। फुटबॉल भारत और ब्राजील को अद्भुत ढंग से जोड़ता भी है। इस बीच, ब्राजील के फिर से राष्ट्रपति बने लुइस इनासियो लूला डिसिल्वा भारत के मित्र हैं। लूला 2003 से लेकर 2011 तक ब्राजील के राष्ट्रपति के रूप में भारत की सरकारी यात्रा पर तीन बार आये। इस दौरान भारत में अटल बिहरी वाजपेयी तथा डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। वे 2004 की गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि थे। वे गांधीजी को ही अपना आदर्श मानते हैं। दोनों ही देश ब्रिक्स समूह के शक्तिशाली सदस्य हैं। ब्राजील की एक विशेषता यह भी है कि ब्राजील वासी भारतीय मूल के कंधे पर पुठ्ठे वाली और गले में झालर, लम्बी सींघों वाली भारतीय गायों को पालना और उनके दूध, दही, मक्खन, घी का सेवन करना कहीं ज्यादा पसंद करते हैं। ब्राज़ील में भारतीय गायों को "ब्राह्मण" भी कहा जाता है। हां, भारत विश्व फुटबॉल में शक्ति नहीं बन पाया है, पर भारत में इसे पसंद तो खूब किया जाता है। गाँव-गाँव में खेला जाता है फुटबाल। भारत ने 2017 में फीफा अंडर-17 चैंपियनशिप का सफल आयोजन भी किया था। उसके चलते भारत में फुटबॉल से जुड़े स्टेडियम और दूसरी सुविधाओं में गुणात्मक सुधार हुआ। एक दौर था जब भारत फुटबॉल में एक महान शक्ति था। वर्ष 1950 में भारत ने ब्राजील में खेले गए फीफा कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया था लेकिन वहां पर भारत को खेलने नहीं दिया गया था। इसका एक कारण यह भी बताया जाता है कि फीफा कप में खेलने के लिए फुटबॉल के विशेष तरह के बूट पहनने पड़ते हैं, जबकि भारतीय खिलाड़ियों को उस वक्त तक नंगे पांव खेलने की आदत थी। उनके पास कायदे के बूट थे भी नहीं। लेकिन, तब से दुनिया और भारत बहुत बदल चुका है। अब भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। भारत ने 1962 के जकार्ता एशियाई खेलों में फुटबॉल का गोल्ड मेडल भी जीता था। उसके बाद भारत को 'फुटबॉल का ब्राजील' तक कहा जाने लगा था। उस दौर में चुन्नी गोस्वामी, पीके बनर्जी, जरनैल सिंह, थंगराज जैसे बड़े खिलाड़ी भारत की फुटबॉल टीम की जान थे। पर, बाद के सालों में फुटबॉल कहीं पिछड़ गया। भारत में क्रिकेट जुनून और धर्म की शक्ल ले चुका है। पर कई राज्यों में फुटबॉल को क्रिकेट से ज्यादा पसंद किया जाता रहा है। इनमें पश्चिम बंगाल, केरल, गोवा और मणिपुर शामिल है। फुटबॉल बंगाल, गोवा, केरल वगैरह की संस्कृति का हिस्सा सदियों से है। गोवा में फुटबॉल की शुरुआत 1883 में हुई जब आइरिश पादरी फादर विलियम रॉबर्ट लियोंस ने इसे ईसाई शिक्षा और धर्म परिवर्तन का माध्यम बनाया। आज गोवा भारत में फुटबॉल का केंद्र बन चुका है। केरल में फुटबॉल की शुरुआत 1890 में हुई जब महाराजा महाविद्यालय तिरुअनंतपुरम के रसायनशास्त्र के प्रोफेसर बिशप बोएल ने युवाओं को फुटबॉल खेलने की प्रेरणा दी। 1930 के दशक में राज्य में कई फुटबॉल क्लब बने। केरल ने भी देश को कई सफल और मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी दिए हैं। इसी क्रम में मणिपुर का भी नाम लिया जाएगा। और फीफा वर्ल्ड कप से पहले एक बार फिर से फुटबॉल के चाहने वालों में फिर से बहस छिड़ चुकी है कि महानतम फुटबॉलर कौन था? बहस के केन्द्र में पेले और माराडोना हैं। हालांकि इस सवाल पर अभी तक कोई सर्वानुमति नहीं बन पाई है, शायद ही आगे कभी बन पाए। पेले के चाहने वाले कहते हैं कि वे ही महानतम हैं। वे तीन बार जीती फीफा वर्ल्ड कप विजेता ब्राजील टीम के सदस्य रहे है। उन्हें साल 2000 में फीफा प्लेयर आफ दि सैंचुरी का भी सम्मान मिला। इसके विपरीत माराडोना सिर्फ एक वर्ल्ड विजेता टीम में रहे। उन्होंने 1986 वर्ल्ड कप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने का गौरव भी मिला था। क्या पेले को मुख्य रूप से इसी आधार पर सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी माना जाए क्योंकि वे तीन बार जीती ब्राजील टीम में सदस्य थे। वे 1958 में ब्राजील की टीम में थे। वे तब 17 साल के थे। वे 1962 और 1966 के वर्ल्ड कपों में चोटिल होने के कारण कोई खास जौहर नहीं दिखा सके थे। हां, वे 1970 के वर्ल्ड कप में अपने पीक पर थे। पर उस टीम के बारे में कहा जाता है कि वो वर्ल्ड कप में खेली महानतम टीम थी। कहने वाले कहते हैं कि वो टीम पेले के बिना भी वर्ल्ड कप जीतने की कुव्वत रखती थी। उधर, माराडोना किसी भी टीम की रक्षा पंक्ति को भेद सकते थे। यहां पर माराडोना महान बनते हैं। उन्होंने 1986 में विश्वकप अपने दम पर दिलवाया था। एक बात समझी जाए कि फुटबॉल का मतलब बड़े शॉट खेलना कतई नहीं है। बड़ा खिलाड़ी वो ही होता है,जो ड्रिबलिंग में माहिर होता है। उसे ही दर्शक देखने जाते हैं।

देश में सट्टेबाजी ऐप का फैलता जाल

ऋषभ मिश्रा

देश में सरकारी व्यवस्थाओं के नाक के नीचे सट्टे का एक ऑनलाइन कारोबार चल रहा है, जिससे हर साल सरकारी खजाने को 3.50 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। देश के रेल, शिक्षा, और स्वास्थ बजट को जोड लें, तो भी ये 3.50 लाख करोड रुपये से कम बैठता है, और इतने की टैक्स चोरी रोकने के लिए अभी तक सरकार ने कोई भी कदम नहीं उठाया है। दरअसल सरकार को जानकारी ही नहीं है कि ये टैक्स चोरी कहाँ हो रही है, साथ ही साथ सरकारी तंत्र को इसकी कानोकान खबर तक नहीं है। ऐसे कई ऑनलाइन गेम्स अथवा खेल हैं, जिसमें आप अपनी पसंदीदा टीमें बनाते हैं। मैच में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर आपको पॉइंट्स अथवा अंक दिए जाते हैं, और इसी पॉइंट्स के आधार पर आप जीतते या हारते हैं। लेकिन देश में ऑनलाइन गेम्स अथवा खेलों के नाम पर सट्टा खिलवाने वाली विदेशी कंपनियां चोरी छिपे घुस चुकी हैं, और खेल में सट्टेबाजी करवाने वाली विदेशी कंपनियां वेबसाइट और सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर लोगों से ये बता रही हैं कि खेल में सट्टेबाजी वैध है अथवा लीगल है, और ये गेम ऑफ़ स्किल है।

जबकि हमारे देश में सट्टा खेलना और खिलवाना गैर क़ानूनी है, लेकिन इसके बावजूद सरकार को इस तरह की सट्टेबाजी के बारे में खबर तक नहीं है। देश में कोई भी खेल वैध है या अवैध है, ये दो पैमानों पर तय किया जाता है। पहला है, गेम ऑफ़ स्किल यानि कि ऐसा खेल जिसमें आपका टैलेंट दिखता हो, दूसरा पैमाना है गेम ऑफ़ चांस यानि कि ऐसा खेल जिसमें आपका टैलेंट नहीं बल्कि आपकी किस्मत खेलती है, और आपकी हार और जीत किस्मत पर टिकी होती है। गेम ऑफ़ स्किल को देश में वैध माना जाता है, और गेम ऑफ़ चांस को देश में अवैध माना गया है। यानि कि जिस खेल में आपको मेहनत करनी पड़ती है वो खेल वैध है, अब चाहें उसमें आपने दिमाग लगाया हो या फिर शारीरिक मेहनत की हो। ठीक इसी तरह से हर वो खेल अवैध है, जिसमें आपने कुछ नहीं किया बस आपकी किस्मत पर आपकी जीत या हार तय होती है। मोबाइल फ़ोन में हम कई तरह के ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं, इन गेम्स को देश में गेम ऑफ़ स्किल के तौर पर जाना जाता है। इस तरीके से ये वैध हैं। उदाहरण के तौर पर अगर हम वैध ऑनलाइन गेम्स ऐप में क्रिकेट को ही ले लें, तो इनमें किसी भी मैच से पहले आप मोबाइल गेम में अपनी एक टीम बनाते हैं, उस टीम में आप जो खिलाड़ी चुनते हैं, उसका सारा रिकॉर्ड आपको मालूम होता है। आपको पता होता है कि वो खिलाड़ी फॉर्म में है या नहीं, और इस जानकारी को आपका टैलेंट माना जाता है, और मैच में उतरने से पहले आप मोबाइल गेम के वॉलेट में कुछ रूपये डालते हैं। इन रुपयों की मदद से आप मोबाइल गेम खेलते हैं, अब अगर आपका चुना हुआ खिलाड़ी अच्छा परफॉर्म करता है, या आपकी बनायी टीम जीत जाती है तो इस आधार पर आपको पॉइंट्स मिलते हैं और फिर इन पॉइंट्स के आधार पर आपकी जीत या हार तय होती है। जिसमें आपको रैंकिंग के आधार पर रुपये मिलते हैं। इस फॉर्मेट अथवा प्रारूप को वैध माना गया है। वजह ये है कि जब आप अपनी समझ का इस्तेमाल करके टीम बनाने की कोशिश करते हैं, तो इसे भारतीय क़ानून गेम ऑफ़ स्किल कहता है, और भारतीय ऑनलाइन गेम्स कम्पनियाँ आपको वैध तरीके से गेम खिलाती हैं। लेकिन देश में कुछ ऐसी विदेशी कंपनियों का जाल फैला हुआ है, जो मोबाइल एप्लीकेशन के बहाने ऑनलाइन गेम्स खेलने वालों को सट्टेबाजी करवा रही हैं, जिनमें बेट ऑन क्रिकेट, यूनीबेट, बेटवे जैसी 24 विदेशी कंपनियां हैं। सट्टेबाजी करवाने वाली कंपनियां यूजर्स को ऑनलाइन गेम्स के जरिये फंसाती हैं, फिर उन्हें सट्टेबाजी की तरफ लेकर जाती हैं और ये अपने आप में बहुत गंभीर विषय है। खेलों में सट्टेबाजी करवाने वाली इन विदेशी कंपनियों का प्रचार प्रसार इंटरनेट स्मार्टफोन और सरकारी तंत्र की दूरदर्शिता की कमी की वजह से तेजी से बढ़ रहा है। उदाहरण के तौर पर सट्टेबाजी खिलवाने वाली विदेशी कंपनियां क्रिकेट फुटबॉल एवं टेनिस जैसे खेल खिलवाने का लालच देती हैं, और जैसे ही आप कंपनियों के मोबाइल गेम एप्लीकेशन पर जाते हैं, तो ये मैच खिलवाने के लिए आपसे टीम बनाने या प्लानिंग के बारे में नहीं कहते बल्कि सीधे रुपये मांगते हैं, फिर आपसे लाइव चल रहे मैच की भविष्यवाणी करने के लिए कहते हैं। अगर आपका तुक्का सही साबित हुआ तो आप जीतते हैं, नहीं तो आप हार जाते हैं।

बढ़ती जनसंख्याः क्या-क्या करें

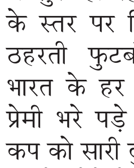

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ की ताजा रपट के मुताबिक दुनिया की आबादी 8 अरब से भी ज्यादा हो गई है। पिछले 50 साल में दुनिया की जनसंख्या जितनी तेजी से बढ़ी है, पहले कभी नहीं बढ़ी। अभी तक यही समझा जा रहा था कि चीन दुनिया का सबसे बड़ी आबादीवाला देश है लेकिन भारत उसको भी मात करनेवाला है। भारत में इधर बढ़े 17 करोड़ लोग उसे दुनिया का सबसे बड़ा देश बना देंगे। ऐसा नहीं है कि भारत जनसंख्या के हिसाब से ही बहुत आगे बढ़ गया है। इस देश ने कई मामलों में सारी दुनिया से बेहतर उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इस समय डिजिटल व्यवहार में वह दुनिया में सबसे आगे हैं। जहां तक प्रवासी भारतीयों का सवाल है, दुनिया के जितने अन्य देशों में भारतीय मूल के लोग शीर्ष स्थानों पर पहुंचे हैं, दुनिया के किसी मुल्क के लोग नहीं पहुंच सके हैं। भारतीय मूल के लोग जिस देश में भी जाकर बसते हैं, वे हर क्षेत्र में आगे निकल जाते हैं। वे अपने सभ्य और सुसंस्कृत आचरण के लिए सारे विश्व में जाने जाते हैं लेकिन दुनिया की बढ़ती हुई आबादी कई देशों के लिए तो खतरनाक सिद्ध हो ही रही है, वह भारत के लिए भी चिंता का विषय है। यदि आपके देश की या परिवार की आबादी बढ़ती चली जाए और उसकी जरूरतों की पूर्ति भी होती चली जाए तो कोई बात नहीं है लेकिन आबादी के साथ-साथ गरीबी और असमानता भी बढ़ती चली जाए तो वह समाज के लिए बोझ बन जाती है। यों तो भारत में जनसंख्या की रफ्तार पिछले दशकों के मुकाबले थोड़ी कम हुई है लेकिन हमारे देश में अभी भी लगभग 100 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनके लिए हम पर्याप्त भोजन, निवास, वस्त्र, शिक्षा, चिकित्सा और मनोरंजन की व्यवस्था नहीं कर पाए हैं। हमारी जनसंख्या-बढ़ोतरी का यह अच्छा पहलू है कि भारत में युवा लोगों का अनुपात वृद्धों के मुकाबले बेहतर है। दुनिया के मालदार देशों में दीर्घायु की सुविधाओं के कारण वृद्धों की संख्या कहीं ज्यादा है। जनसंख्या के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार को दो बच्चों वाले प्रतिबंध पर भी तुरंत विचार करना होगा। जनसंख्या की दृष्टि से भारत का फायदा उसके इस तेवर में भी है कि भारत से पढ़े-लिखे युवक बढ़िया आमदनी की तलाश में विदेशों में जाकर अपना ठिकाना बना लेते हैं। लेकिन भारत चाहे तो अपने दक्षिण और मध्य एशिया के देशों में विकास का इतना बड़ा अभियान चला सकता है कि देश के कई करोड़ लोगों को वहां रोजगार मिल सकता है और वे वहां बस भी सकते हैं। मध्य एशिया के पांचों देशों का क्षेत्रफल भारत से डेढ़ गुना है और उनकी आबादी मुश्किल से साढ़े सात करोड़ है। भारतीय लोगों को अगर उचित मार्गदर्शन और सुविधा मिले तो वे न केवल भारत की बढ़ती आबादी की समस्या हल कर सकते हैं बल्कि प्राचीन आर्यावर्त्त की अकूत संपदा का दोहन करके एशिया को यूरोप से भी आगे ले जा सकते हैं।

भगवान विष्णु को समर्पित एकादशी व्रत

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वैसे तो सभी एकादशी व्रत महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन उत्पन्ना एकादशी का खास महत्व है। मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष का यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है। मान्यता है कि जो भी इस व्रत को रखता है उसके वर्तमान के साथ पिछले जन्म के पाप भी मिट जाते हैं। शास्त्रों में उत्पन्ना एकादशी को पहला एकादशी व्रत माना गया है, यदि जो लोग एकादशी का व्रत शुरू करना चाहते हैं वे इस व्रत से शुरुआत कर सकते हैं। इस साल यह एकादशी व्रत 20 नवंबर 2022, रविवार को पड़ रहा है। कहा जाता है कि इसी दिन भगवान विष्णु से देवी एकादशी प्रकट हुई थी। इसलिए इसे व्रत को उत्पत्तिका, प्राकट्य और वैतरणी एकादशी भी कहते हैं। आइए जाने पूजा का शुभ मुहूर्त और इससे जुड़ी कथा।

उत्पन्ना एकादशी का शुभ मुहूर्त

मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 19 नवंबर 2022, शनिवार को प्रातःकाल 10:29 बजे से प्रारंभ होगी जो अगले दिन यानी 20 नवंबर सुबह 10 बजकर 41 बजे खत्म होगी। उदयातिथि के अनुसार एकादशी का व्रत 20 नवंबर रविवार को रखा जाएगा। उदयातिथि के अनुसार एकादशी का व्रत 20 नवंबर रविवार के दिन रखा जाएगा। इस व्रत का पारण अगले दिन 21 नवंबर 2022, सोमवार को प्रातःकाल 06:48 से 08:56 के बीच रखा जाएगा।

राम-सीता जैसी होगी जोड़ी अगर नवंबर महीने के इस दिन है आपका विवाह

मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को प्रभु श्री राम और माता सीता का विवाह हुआ था। इस दिन प्रभु राम नें मिथिला में आयोजित सीता स्वयंवर में भगवान शिव के धनुष को उठाकर उसपर प्रत्यंचा चढ़ाई थी और स्वयंवर जीत लिया था। इसके बाद राम-सिया का विवाह हुआ था। मान्यता है कि जिस किसी की शादी में बाधा आ रही है, यदि वह विवाह पंचमी की विधि विधान से पूजा करते हैं तो उनकी सारी बाधाएं दूर होती हैं। इस साल विवाह पंचमी 28 नवंबर 2022, सोमवार को पड़ रही है। विवाह के लिए ये दिन बेहद शुभ माना गया है। आइए जानें इस पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व।

पूजा मुहूर्त और तिथि

हिंदू पंचाग के अनुसार, मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी इस साल 27 नवंबर 2022 को शाम 4 बजकर 25 मिनट से शुरू होगी जो 28 नवंबर दोपहर 1 बजकर 35 मिनट पर समाप्त होगी। वहीं उदया तिथि के अनुसार विवाह पंचमी 28 नवंबर को मनाई जाएगी।

विवाह पंचमी का महत्व क्या है

धार्मिक तौर पर विवाह पंचमी का दिन बहुत शुभ माना जाता है। खासकर के उन लोगों के लिए जो इस दिन विवाह कर रहे हैं। इसके अलावा, जिनके विवाह में किसी तरह की अड़चनें आ रही हों, वह यदि विवाह पंचमी की पूजा करती है तो विवाह से संबंधित सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी। मान्यता है कि ये पूजा करने से आपको मनचाहा जीवनसाथी मिलता है और आप का वैवाहिक जीवन खुशहाल भरा रहता है। इस दिन संभव हो तो पूजा करने वाले व्यक्ति को व्रत रखना चाहिए।

पूजन विधि

सबसे पहले प्रातः काल उठकर प्रभु राम और माता सीता का मन में ध्यान करें और व्रत संकल्प लें। इसके बाद एक पाटा लें और उस पर पीला या लाल रंग का वस्त्र बिछाएं और उसपर राम-सिया की प्रतिमा स्थापित करें। पूजा के वक्त माता सीता को लाल रंग और श्री राम को पीले रंग के वस्त्र पहनाएं। इसके बाद उनके सामने दीप जलाएं और उन्हें रोली, अक्षत, पुष्प अर्पित करें। पूजा के बाद आरती करें और उनके भोग लगाएं।

गुस्सा करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान, नहीं बिगड़ेगी बात

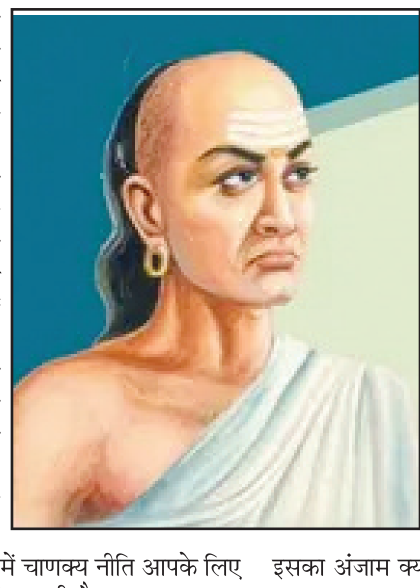

गुस्सा एक स्वाभाविक क्रिया है। लेकिन कई बार हमें न चाहते हुए भी गुस्सा कर बैठते हैं। जिससे ना सिर्फ हमारे बनते काम बिगड़ जाते हैं, बल्कि लोगों के बीच संबंध भी खराब हो जाते हैं। इसी लिए आचार्य चाणक्य ने कहा है कि हमें सोच-विचार करके ही बोलना चाहिए। आचार्य चाणक्य के मुताबिक, परिस्थिती के अनुसार ही खुद को ढाल लेना चाहिए। गुस्सा आने पर हमें कई बार समझ नहीं आता कि क्या करें, जिसकी वजह से दूसरों की भावनाएं आहत हो जाती हैं। ज्यादा गुस्सा आने की स्थिती में चाणक्य नीति आपके लिए बेहतरीन मार्गदर्शन साबित हो सकती है।

सोच-समझकर बोलें

आर्चय चाणक्य कहते हैं कि किसी भी व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए। कब, क्या और कैसे बोलना है इसकी समझ होना जरूरी है क्योंकि फिर बोले गए शब्द वापस नहीं लिए जा सकते हैं। चाणक्य के कहने का तात्पर्य है कि बोली की मदद से किसी के मन में अपने लिए सम्मान पैदा कराया जा सकता है। कई बार ऐसा होता है कि इंसान के जीवन में कई ऐसी परिस्थितियां आती हैं जब वे गुस्से में होते हैं।

वाणी पर रखें कंट्रोल

जब इंसान गुस्से में हो तब उसे पता नहीं चलता या यूं कहें उसे अपने बोले गए जहरीले शब्द का तनिक भी एहसास नहीं होता कि वो क्या बोले जा रहा है, जब उसी व्यक्ति का गुस्सा शांत हो जाता है और वो अपने कहे गए शब्दों को याद करता है तो उसे पछतावा होने लगता है। इसलिए कहा जाता है कि हमेशा बोलते समय अपनी वाणी पर कंट्रोल रखना चाहिए। बोलते समय यह जरूर ध्यान रखा जाना चाहिए कि वे क्या बोल रहे हैं और इसका अंजाम क्या होगा।

तुरंत न दें प्रतिक्रिया

आचार्य चाणक्य का ये भी कहना है कि किसी भी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। कोई भी अगर कुछ बोले, सबसे पहले हमें उसके बारे में सोचना चाहिए। तुरंत प्रतिक्रिया देने से हम कई बार उचित शब्दों का प्रयोग नहीं कर पाते हैं। जिससे सामने वाले पर गलत प्रभाव पड़ सकता है।

मृत्यु के बाद कहां जाती है आत्मा

मृत्यु इस संसार का सबसे कड़वा सच है पर इसे कोई भी झूठला नहीं सकता है आधात्मिक ज्ञान विज्ञान में संतो और योगियों ने जीवन के चौथे आयाम के बारे में बताया है इसे जानने और समझने के लिए पहले उन तीनों आयामों के बारे में जानना होगा। जिन्हें बुद्धि, विवेक और भौतिकी के नियम के हिसाब से लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई दायरे में समेटा गया है ऐसे बहुत से लोग है जे लोक परलोक की चर्चा करते हैं और इससे जुड़े सवाल जवाब जानने का प्रयास करते हैं अगर आप भी उनमें से एक है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा चौथे आयाम यानी मृत्यु के बाद मनुष्य की आत्मा कहा जाती है क्या होता है इस विषय पर चर्चा करेंगे।

अधिकतर लोग इस विषय पर जानने के लिए उत्सुक होते हैं की मृत्यु के बाद आत्मा का क्या होता है और ये चौथा आयाम क्या है ऐसी कई मुश्किलों का समाधान महान संतो के पास बड़ी आसानी से मिल जाता है विज्ञान ने भी इस रहस्य को सुलझाने का काम किया है ऐसा माना जाता है कि जो घटना एक बार हुई, वह अमर हो जाती है उसे कोई नष्ट नहीं कर सकता है

भूतकाल की घटना को हमेशा देखा जासकता है यह कुछ वैसा ही जिस तरह बड़ी बड़ी दूरबीनों की मदद से वैज्ञानिक तारों की गतिविधियों को देखा और समझ गया। जो हजारों साल पहले थी। योगी और संत जब चित्त की वृत्तियों को अपने काबू में कर लेते हैं तो वह चौथे आयाम वाले संसार में प्रवेश कर जाते हैं इस शक्ति के बल पर वह सांसारिक मानव दृष्टि से अदृश्य हो जाते हैं और चौथे आयाम में प्रवेश कर जाते हैं।

आध्यात्मिक तौर पर आत्मा संसार के तीन स्तरों को तोड़कर चौथे स्तार में विराजमान होती है वही तीसरे स्तर का चौथे स्तर से कोई न कोई संपक या संबंध जरूर होता है जैसे कि चक्के के अंदर चक्का, विज्ञान से हम यह जान लेते हैं कि मनुष्य का शरीर के अणुकोश लगाता सक्रिय रहते हैं मगर इस गति को महसूस नहीं किया जा सकता है

वही मन को जब इंद्रियों और सांसारिक चीजों से दूर कर दिया जाए और स्थिर भाव व अवस्था में बैठा जाए तो मनुष्य चतुर्थ स्तर की अचंचल अवस्था को भी महसूस कर सकता है माना जाता है कि अपने जीवन काल में मनुष्य एक बार में एक आयाम या फिर अधिक से अधिक दो आयाम ही देख सकता है लेकिन तीसरा आयाम वैसे ही लोगों की समझ से परे होता है ऐसी स्थिति में चौथे आयाम की कल्पना करना या फिर उसे महसूस करना अत्यधिक कठिन माना जाता है।

ब्रह्मांड का सबसे बड़ा आध्यात्मिक रहस्य है इसकी उत्पत्ति

ब्रह्मांड एक ऐसा विषय है जिसके बारे में हर कोई जानना चाहता है विज्ञान और आध्यात्मिक दोनों ही माध्यमों से मनुष्य इसकी उत्पत्ति का पता लगाने की कोशिश करता है आज के समय में सबसे खोजनिय विषय विज्ञान में अगर कोई है तो यही है जितना दृश्यमान ब्रह्मांड है करीब 93 बिलियन प्रकाश वर्ष तक दृश्यमान ब्रह्मांड है और कितना दृश्यमान नहीं है इसका अनुमान भी आज तक वैज्ञानिक नहीं लगा पाए है पर सभी के मन में यह प्रश्न उठता है कि ब्रह्मांड का जन्म कैसे हुआ इसकी उत्पत्ति का माध्यम क्या है अगर आप भी इस प्रश्न का उत्तर ढूढ रहे हैं तो आज हम इसी विषय पर चर्चा करने जा रहे हैं तो आइए जानते हैं।

आध्यात्मिक और विज्ञानिक तौर पर इस ब्रह्मांड को समझना सरल नहीं है परंतु इसे समझने का प्रयास किया जा सकता है अपना यह ब्रह्मांड इतना रहस्यमय और आश्चर्यचकित करने वाला है कि करीब 500 सालों की खोज के बाद भी विज्ञानियों ने अभी तक इसका आधा प्रतिशत भी रहस्य को सुलझा नहीं पाए है वैसे भौतिक शरीर या भौतिक आंखों से इस ब्रह्मांड को पूर्णतया समझना मूर्खता ही होगी। यह ब्रह्मांड केवल और केलव ध्यान के माध्यम से ही पूर्ण रूप से समझा और देखा जा सकता है आप इसे ऐसे समझे जैसे कि आपको जाना है मुंबई और आपने रास्ता लिया है दिल्ली का तो मुंबई कैसे पहुंच पाओगे। आपको जानना है मंगल को और अनुमान लगा रहे हो अपनी पृथ्वी का तो मंगल के विषय में कभी नहीं जान सकते हैं।

मंगल को जानने के लिए मंगल पर जान जरूरी है ठीक उसी तरह आपको पूरा ब्रह्मांड जानना है तो उसको उसी के मार्ग से ही देखना पड़ेगा। और यह मार्ग है अध्यात्म का, ध्यान का, समाधि का, ब्रह्मांड को समझने के लिए अपने शरीर को समझना जरूरी है जैसे समुद्र पूरी धरा पर 70 प्रतिशत पानी से भरा है वैसे ही शरीर भी 70 प्रतिशत पानी से निर्मित है जीव वैसी ही संरचना में ढलता है जैसा जिस ग्रह पर संभव हो। यह जरूरी नहीं कि हम बिना प्राणवायु के नहीं जी सकते तो अन्य ग्रहवाशी भी नहीं जी सकते।

हमारी पृथ्वी पर जैसे 21 प्रतिशत पवनवायु है ठीक वैसे ही शरीर को 21 प्रतिशत प्राणवायु की जरूरत रहती है तो क्या ये संभव नहीं है कि अन्य ग्रह पर नाइट्रोजन हो जिस मात्रा में या तो अन्य कोई वायु हो जिसके सहारे वहां के जीव रहते हो। हम अपने शरीर और अपनी धरा व अपने वायु मंडल से सोचते हैं पर वह लोग भी अपनी धरा और वायु मंडल से नहीं सोच सकते। इस बात पर मंथन किया जाए तो प्रश्नों के उत्तत अपने आप ही मिल जाएंगे। यह पूर्ण ब्रह्मांड भी एक बड़ा रहस्य है इसे तो कोई महा योगी ही बड़ी साधना के द्वारा जान सकता है।

कैसे होता है किसी को सच्चे प्रेम का अनुभव

प्रेम हर मनुष्य के लिए सबसे प्यारा अनुभव होता है ये ईश्वर द्वारा दिया गया वरदान है जो मनुष्य को प्रेमी या जीवनसाथी के तौर पर मिलता है प्रेम एक अद्भुत एहसास माना जाता है जिन्होंने सच्चा प्रेम किया है वही इस भावना को सही तरीके से व्यक्त कर सकते हैं वरना कोई दूसरा नहीं।

इस दौर में सच्चा प्रेम ही नहीं होता है, अगर होती है तो केवल वासना और स्वार्थ युक्त प्यार जो प्रेम से बहुत ही निम्नस्तर का है प्रेम और प्यार के मध्य का अंतर समझने के लिए इसकी गहराई में जाना होगा। तो आज हम अपने इस लेख में सच्चे प्रेम के अनुभव के बारे में चर्चा करने जा रहे हैं तो आइए जानते हैं।

सच्चे प्रेम की भावना को समझने के लिए प्रेमी होना बहुत जरूरी है किसी के प्रति प्रेम का सत्यापन के लिए उनकी भावनाए समझने के लिए उसका अनुभव बहुत जरूरी होता है प्रेम एक अलौकि भावना होती है हम यहां निस्वार्थ प्रेम की बात कर रहे हैं स्वार्थ युक्त जो होता है वह प्रेम नहीं है। अगर हम प्रेम की भावनाओं की बात करें तो इसमें शून्य अहंकार, शून्य स्वार्थ, शून्य काम और शून्य वासना होती है इसमें ना कोई अहंकार होता है न किसी तरह क भय। प्रेम ही एक मात्र ऐसी भावना है जिसमें भय और अहंकार होता ही नहीं है जब श्रीकृष्ण के कारण मीरा को विष का प्याला दिया गया था तब उन्होंने इसे सहर्ष स्वीकार कर लिया था प्रेम में तो स्वीकार के अतिरिक्त कोई और मार्ग हो ही नहीं सकता है।

तभी तो जब मीरा द्वारिका पहुंची तो श्रीकृष्ण के अदंर समा गई पूरा जीवन मीरा ने कृष्ण के प्रति प्रेम रखा स्वीकार भाव से अहंकार और भय मुक्त भावना रखी तो कृष्ण ने भी सब स्वीकार कर लिया और मीरा को अपने अंदर समा लिया। इसे एक प्रतीक के रूप में देखा जाता है जब आप अहंकार से मुक्त, भय से मुक्त प्रेम से भर जाते हैं तो परमात्मा में सम जते हैं यह प्रेम का अंतिम लक्ष्य या कह सकते हैं यही मंजिल होती है जो सभी को प्राप्त करना ही है इस जन्म व अगले जन्म ना सही लेकिन अनेको जन्म के बाद पर सभी का यही लक्ष्य होता है कि वह एक परमात्मा में समा जाए या आप ये भी कह सकते हैं कि ईश्वर में लीन हो जाए। यही सभी का लक्ष्य होता है सच्चे प्रेम का अनुभव करना बड़ा सरल होता है इसे हर कोई अनुभव कर सकता है मगर इसके लिए क्रोध, स्वार्थ,काम और वासना को शून्य करना होगा।

क्या बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहीं न्यासा देवगन? पापा अजय देवगन ने बताया सच

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन अपनी फिल्म 'दृश्यम 2' को लेकर चर्चाओं में हैं. फिल्म में तब्बू और अक्षय खन्ना की काफी तारीफ हो रही है. फिल्म का सभी ने जोरदार प्रमोशन किया है. इस दौरान अजय देवगन से पूछा गया कि क्या उनकी बेटी न्यासा देवगन, फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं. या फिर वह अपनी बेटी के लिए कोई फिल्म डायरेक्ट करेंगे.

क्या न्यासा करेंगी बॉलीवुड डेब्यू?

अजय देवगन ने कहा, मेरी बेटी ने अबतक तो एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर नहीं की है. सबकुछ अभी हायपोथेटिकल है. बता दें कि न्यासा देवगन ने कुछ समय पहले ही सिंगापुर के कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की है. वह मुंबई लौटी हैं. दोस्तों संग पार्टी करते हुए इन्हें कई बार स्पॉट किया गया है. ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब अजय देवगन ने बेटी न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू पर बात की हो.

एक्टिंग में नहीं न्यासा की दिलचस्पी

इससे पहले भी अजय ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए कहा था, न्यासा अभी टीनेजर हैं. उन्होंने अभी तक तो काजोल या मुझे अपने करियर च्वॉइस के बारे में नहीं बताया है. अगर वह फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर देखती हैं तो वह हमें जरूर बताएंगी. यह पूरी तरह उनकी च्वॉइस होगी. हमारा उनपर कोई भी प्रेशर नहीं है. बतौर पेरेंट्स हम उन्हें उनके हर निर्णय में सपोर्ट करेंगे. इसके अलावा फिल्म कंपैनियन को दिए इंटरव्यू में अजय देवगन ने कहा था कि अबतक तो न्यासा देवगन ने फिल्मों को लेकर अपना कोई इंट्रस्ट नहीं दिखाया है. न ही एक्टिंग में उनकी दिलचस्पी है, इसके बारे में जिक्र किया है.

द कपिल शर्मा शो के सेट पर आईं नजर, गोल्डन साड़ी में दिखीं बेहद खूबसूरत

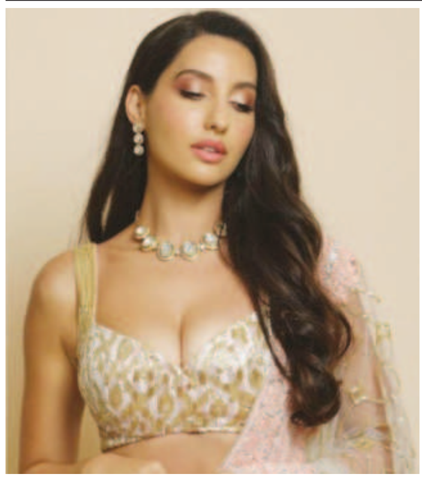

डांसिंग क्वीन नोरा फतेही इस हफ्ते द कपिल शर्मा शो में नजर आने वाली हैं। दरअसल, नोरा आयुष्मान खुराना के साथ उनकी अपकमिंग फिल्म 'एन एक्शन हीरो' के प्रमोशन के लिए पहुंचेगी, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में नोरा ट्रेडिशनल लुक में दिखाई दीं। नोरा ने गोल्डन लहंगा साड़ी पहनी हुई है और इस लुक को ओपन स्ट्रैट हेयर, मैचिंग ईयरिंग्स के साथ कम्पलीट किया है। इस दौरान उन्होंने पैपराजी को पोज भी दिए। बता दें, नोरा 'एन एक्शन हीरो' के जेड़ा नशा सॉन्ग में नजर आएंगी।

हर मर्द को भाई क्यों कहती है ये पाकिस्तानी एक्ट्रेस?

पाकिस्तानी सिनेमा की फेमस और खूबसूरत एक्ट्रेस में शुमार उशना शाह अपने एक बयान को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. उशना ने पाकिस्तान की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री और वहां के मर्दों को लेकर जो कहा है वो वाकई में हैरान करने वाला है. पाकिस्तान के वर्क कल्चर को लेकर उशना का ट्वीट वायरल हो रहा है. उशना ने कहा कि जो भी मर्द उनके साथ काम करते हैं वो उन्हें भाई कहकर बुलाती हैं. एक्ट्रेस उशना ने कहा कि पाकिस्तान में ज्यादातर महिलाएं जिन मर्दों के साथ भी काम करती हैं, या फिर उनसे दिनभर में मिलती हैं वो उन्हें भाई ही कहती हैं, ताकि बाद में कोई परेशानी न क्रिएट हो जाए.

उशना ने ये भी बताया कि कई लोगों को भाई कहलाने से दिक्कत होती है और वो उन्हें भाई बोलने से मना करते हैं. लेकिन उशना ने बताया कि उन्हें या बाकी महिलाओं को आदमी या लड़कों को काम की जगह में भाई कहने का कोई शौक नहीं है. लेकिन वर्क कल्चर में लोग कई तरह की बातें बनाने लगते हैं, जिस वजह कामकाजी महिलाओं को कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ता है. यही वजह है कि वो उन्हें भाई कहकर बुलाती हैं. उशना ने अपने ट्वीट में लिखा- 'यार भाई क्यों कहती हो.' प्रोफेशनल इनवायरमेंट में हमें भाई कहने का कोई शौक नहीं, बल्कि जरूरत है. अगर भाई न कहें तो काफी हजरात का दिमाग खराब हो जाता है. आप लड़की/औरत को अगर तमीज के साथ ट्रीट करेंगे तो भाई कहने की जरूरत नहीं होगी.

कौन हैं उशना शाह?

उशना शाह पाकिस्तानी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं. वे अपनी खूबसूरती के साथ अपने बेबाकपन और बिंदास एटीट्यूड के लिए भी जानी जाती हैं. उन्होंने साल 2013 में छोटे पर्दे से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था. उन्होंने थोड़ा सा आसमान, नीले किनारे, रूबरू इश्क जैसे शोज में शानदार काम किया है. उशना को उनकी एक्टिंग के लिए कई अवॉर्ड्स भी मिल चुके हैं. अब उशना शाह मर्दों को भाई कहने वाले अपने बयान को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. आपकी क्या राय है एक्ट्रेस के बारे में बताइगा जरूर.

उशना शाह

शादी से पहले इंटीमेट होना कितना सही? रिपोर्टर का सवाल सुन अर्जुन कपूर बोले-लाइफ है, वीडियो गेम नहीं

अर्जुन कपूर ने प्री मैरिटल सेक्स पर अपनी राय रखते हुए कहा, ₹यह आयडेंटिटी किसने बनाई?₹ रिपोर्टर कहता है शाहरुख खान ने. अर्जुन ने इसपर कहा- शाहरुख खान इंडिया की आयडेंटिटी नहीं हैं. साथ ही एक्टर इस जवाब को देते हुए हल्की स्माइल भी पास करते हैं. रिपोर्टर का कहना रहा कि शाहरुख खान ही इंडिया में इस आयडेंटिटी को प्रमोट करते हैं. अर्जुन ने उनकी यह बात मानने से इनकार कर दिया. और कहा कि शाहरुख खान ऐसा कुछ नहीं करते हैं.

अर्जुन ने रिपोर्टर के सवाल को सही ढंग से जवाब देते हुए कहा कि एक व्यक्ति की लाइफ में काफी उतार-चढ़ाव होते हैं. आप कई सारे लोगों से मिलते हैं. कई सारे रिलेशनशिप्स को एक्स्प्लोर करते हैं. जब आप तय करते हैं शादी करने की, तो यह उस व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी बात होती है. शादी करने से भी बड़ी बात होती है किसी के साथ रिलेशनशिप में रहना. शादी तक पहुंचने के लिए भी तो कई सारी स्टेज पार करनी पड़ती हैं. आप उस पहले इंसान से मिलकर यह तय नहीं कर सकते कि इसी इंसान से शादी होगी. आपको कैसे पता होगा कि यह व्यक्ति आपके लिए सही है, कम्पैटिबल है या नहीं. 18-20 साल की उम्र में आप प्यार के बारे में क्या जानते हो? कई बार आपके मन में आता भी है कि यही सच्चा प्यार है, लेकिन बाद में आपको महसूस होता है कि आपको अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए. आप शायद इस रिलेशनशिप को और नहीं निभा पाओगे, क्योंकि कई चीजें होती हैं जो समय के साथ शायद वर्कआउट न कर पाएं दो लोगों के बीच. आप मेरे से पूछ रहे हैं मल्टीपल पार्टनर्स के बारे में. अरे ये लाइफ है कोई वीडियो गेम नहीं तो मुझे लगता है कि आपको अपना सवाल बदलना चाहिए, क्योंकि इसका जवाब काफी लॉजिकल है. वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर फिल्म 'कुत्ते' में दिखेंगे. इस फिल्म का निर्देशन आसमान भारद्वाज संभालने वाले हैं. इसके अलावा अर्जुन कपूर के पास 'द लेडी किलर' और 'मेरी पत्नी' का रीमेक भी है।

ऑर्गन डोनेट करेंगे एक्टर विजय देवरकोंडा

डोनेशन के लिए करा चुके हैं रजिस्ट्रेशन, फैंस ने की फैसले की तारीफ

साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा अपने सोशल वेलफेयर एक्टिविटीज के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं। हाल ही में एक्टर ने लोगों के बीच एक ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिससे कई युवाओं को इंस्पिरेशन मिलेगी। दरअसल कुछ समय पहले एक विजय हॉस्पिटल के एक इवेंट में पहुंचे थे। जहां एक्टर ने खुलासा किया वो आगे चलकर अपने बॉडी ऑर्गन्स डोनेट करेंगे। इवेंट के दौरान विजय ने कहा कि ऑर्गन्स को इस तरह वेस्ट करने का कोई भी फायदा नहीं है। इसलिए वो कोशिश करेंगे कि उनके जाने के बाद ये बॉडी ऑर्गन्स किसी दूसरे के काम आ सकें। सोशल मीडिया पर विजय का यह वीडियो बेहद सुर्खियों में है। फैंस उनके इस कदम की खूब तारीफ कर रहे हैं।

बता दें कि हाल ही में विजय पेस हॉस्पिटल के इवेंट में पहुंचे थे। जहां विजय ने ऑर्गन डोनेशन के लिए युवाओं को मोटिवेट करते हुए कहा- 'डॉक्टर ने मुझे बताया है कि ऑर्गन डोनर्स की वजह से ही सर्जरी मुमकिन हो पाती है। मैं भी उन लोगों में से एक हूं, जो अपने ऑर्गन्स डोनेट करना चाहता है। इसलिए मैं खुद को हमेशा हेल्दी और फिट रखना चाहता हूं, ताकि मेरे ऑर्गन्स किसी के काम आ सकें। ये एक अच्छा काम है, मैं चाहता हूं कि लोग ऑर्गन डोनेट करें।'

आगे एक्टर ने कहा- 'मुझे लगता है कि मैं अपने सारे अंग दान कर दूंगा। मुझे बहुत अच्छा लगेगा कि अगर मेरे जाने के बाद मेरे ऑर्गन दूसरों के काम आ सकें। मैं और मेरी मां अपने ऑर्गन डोनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। ये बहुत खूबसूरत चीज है कि आप वजह से किसी और को जिंदगी मिलती है। मैं अपने सभी अंग दान करने के बारे में सोचता हूं।'

सोशल मीडिया पर यह वीडियो सामने आने के बाद फैंस विजय की खूब तारीफ कर रहे हैं। विजय देवरकोंडा का दिल बहुत बड़ा है। अंग दान करना कोई छोटी बात नहीं है भाई।' वीडियो पर यूजर्स ने इस तरह के कई कमेंट्स किए हैं।

मूविंग विद मलाइका के नये प्रोमो में ट्रोलर्स को दिया मुंहतोड़ जवाब, कहा -अब किसी नई बात के लिए मजाक बनाइए

मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्हें अक्सर किसी न किसी कारण ट्रोल किया जाता है। उनकी वॉकिंग स्टाइल से लेकर रिलेशनशिप तक, कई चीजों के लिए मलाइका का बुरी तरह से मजाक बना है। हाल ही में मलाइका ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने अपकमिंग शो का प्रोमो शेयर किया है। यह वीडियो खास उनके हेटर्स और ट्रोलर्स के लिए है, जिसमें वो उन्हें ट्रोल करती दिख रही हैं। इतना ही नहीं मलाइका अपने ट्रोलर्स से रिक्वेस्ट कर रही हैं कि अब वो किसी नई बात पर उनका मजाक उड़ाएं।

वीडियो में मलाइका ट्रोलर्स से कहती हैं- एक ऐसी महिला जिसके बारे में बात सभी करना चाहते हैं। कुछ भी करो, लोग बात करते हैं। मैं ब्रेकअप करती हूं, तो ब्रेकिंग न्यूज बन जाती है। मैं आगे बढ़ती हूं, अपने पार्टनर के साथ हूं, मुझे ट्रोल किया जाता है। मैं फिर बिकिनी पहनूं या गाउन। लोग कहते हैं कि मैं घर पर रहूं, इन सभी चीजों की उम्र नहीं है। जी हां, मैं यंग नहीं रही, क्या आप जानते हैं कि क्या पुराना हो रहा है, ये सभी पुराने कमेंट्स। अब मैं आपको मलाइका की रियल लाइफ को और भी करीब से दिखाउंगी। मलाइका ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- अगर आपको लगता है कि मैंने खबरों में रहना छोड़ दिया है, तो ये रहा। मेरी उम्र, आउटफिट्स, लव लाइफ और सभी खबरें। मैं आप सभी के लिए 5 दिसंबर को अपना नया शो मूविंग विद मलाइका लेकर आ रही हूं।' बता दें कि यह एक चैट शो होगा, जिसमें मलाइका के साथ उनकी दोस्त फराह खान भी नजर आएंगी। यह शो डिज्नी प्लस हॉट स्टार पर स्ट्रीम होगा।

प्रियंका ने एक्टर्स को लेकर दिया बयान

अच्छी फिल्म का क्रेडिट सिर्फ एक्टर्स को ही मिलता है क्यों

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड की सबसे दमदार एक्ट्रेस में से एक है। केवल इंडियन ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल फिल्म इंडस्ट्री में भी प्रियंका की एक्टिंग को बेहद पसंद किया जाता है। हाल ही में देसी गर्ल प्रियंका ने एक्टर्स की मेहनत और काम को लेकर बेहद शॉकिंग बयान दिया है, जो खूब चर्चा में है। दरअसल, प्रियंका ने कहा कि उनका मानना है कि एक्टर्स को उनके काम से ज्यादा क्रेडिट दिया जाता है। वो किसी दूसरे की स्क्रिप्ट पर काम करते हैं, दूसरे लोग उन्हें तैयार करते हैं। उनका काम सिर्फ किसी भी रोल को निभाना होता है।

बता दें कि कि कुछ दिनों पहले प्रियंका वेकेशन मनाने के लिए इंडिया आईं थी। तब उन्होंने अपने हेयर केयर ब्रांड को लॉन्च किया था। लॉन्च के दौरान एक्ट्रेस से पूछा गया कि उन्हें देश-विदेश के बड़े डायरेक्टर के साथ काम करके कैसा लगा? इस पर प्रियंका ने कहा- मैंने बड़े-बड़े डायरेक्टर के साथ काम जरूर किया है, लेकिन सभी ने मुझे बस यही सिखाया है कि बेस्ट एक्टर कैसे बनना चाहिए? जब भी कोई फिल्म या वेब सीरीज रिलीज होती है और परफॉर्म करती है, तो इसका सारा क्रेडिट एक्टर्स को ही मिलता है। लेकिन एक्टर का काम सिर्फ स्क्रिप्ट पढ़कर किरदार में जान डालना होता है। अपने रोल को पर्दे पर अच्छी तरह से निभा सके। इसके अलावा एक्टर कुछ भी नहीं करता है। सारा काम राइटर्स, डायरेक्टर, कोरियोग्राफर, मेकअप आर्टिस्ट और हेयर स्टाइलिस्ट का होता है।

प्रियंका आगे कहती हैं कि मैंने बड़े-बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम किया है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। जब मैं बॉलीवुड का हिस्सा थी, तब भी डायरेक्टर्स मुझे हमेशा एक अच्छा एक्टर बनाना चाहा। हम एक्टर्स को बहुत क्रेडिट देते हैं, जो कि नहीं देना चाहिए। एक्टर्स कुछ भी नहीं करते हैं, वो सिर्फ दिया हुआ रोल निभाते हैं। एक्टर्स जो स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उसे कोई राइटर लिखता है। उन स्टेप्स पर डांस करते हैं, जिसे कोई दूसरा कोरियोग्राफ करता है। हम किसी और की लिखे शब्द बोलते हैं, किसी दूसरे की स्क्रिप्ट पर काम करते हैं। लिप सिंक करके गाने गाते हैं, जो किसी और की आवाज होती है। हम फिल्म की मार्केटिंग भी करते हैं, तो वहां पर भी कोई दूसरा हमसे सवाल करता है। हम कपड़े भी किसी के द्वारा डिजाइन किए पहनते हैं, मेकअप कोई दूसरा करता, हेयर कोई और करता है। तो मैं क्या कर रही हूं? कुछ भी तो नहीं।'

प्रियंका ने आगे कहा-' मेरा काम सिर्फ इतना है कि स्क्रिप्ट में जो लिखा है, उस किरदार को पढ़कर पर्दे पर सही ढंग से निभाऊं। तो मेरा काम एक्शन और कट के बीच का है, बस। उस 30 सेकंड के सीन में मैं आती हूं।' इंटरव्यू के टाइम में पूरी फिल्म के बारे में बात करती हूं। देखा जाए तो फिल्म में रोल निभाने का प्रेशर बहुत ज्यादा होता है। आप बतौर एक्टर क्या है, इसे एक्सेप्ट करने के लिए बहुत मेहनत लगती है। हर एक्टर एक्टिंग नहीं कर सकता है और अगर वह नहीं कर पा रहा है तो उसे वह एक्सेप्ट करना चाहिए।'

प्रियंका वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा के जल्द ही लव अगेन में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा हॉलीवुड फिल्म ऑल कमिंग बैक टू मी में भी प्रियंका मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं प्रियंका बॉलीवुड में भी लंबे समय बाद वापसी कर रही हैं। वो कटरीना कैफ और आलिया भट्ट स्टारर जी ले जरा में नजर आएंगी।

कभी फिल्म देखकर आतंकवादियों ने किया बम ब्लास्ट तो कोई केजीएफ देखकर बना हत्यारा

डेक्स्टर देखकर की थी आफताब ने श्रद्धा की हत्या

श्रद्धा वॉकर मर्डर केस इन दिनों सुर्खियों में हैं। श्रद्धा के लिव इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने ही बढ़ते झगड़ों के चलते उसकी हत्या कर शव के 35 टुकड़े किए और जंगल में ठिकाने लगा दिए। पुलिस पूछताछ में आरोपी आफताब ने बताया है कि उसने इंग्लिश टीवी सीरीज डेक्स्टर देखकर ये जुर्म किया है।

ये पहली बार नहीं है जब किसी फिल्म को देखकर दिल दहला देने वाले अपराध को अंजाम दिया गया है। इससे पहले भी कभी किसी सिरफिरे आशिक ने शाहरुख खान की फिल्म डर देखकर एक तरफा आशिकी में लड़की को अगवा कर लिया तो कभी कोई फिल्म आतंकवादियों के लिए भी प्रेरणा बनी। आइए नजर डालते हैं ऐसी ही फिल्मों पर-

केजीएफ

चंद महीनों पहले एक 19 साल के लड़के ने 4 सिक्योरिटी गार्ड्स की हत्या कर दी। पूछताछ में उस लड़के ने बताया कि उसने ऐसा कन्नड़ फिल्म केजीएफ देखकर किया था। वो भी रॉकी भाई बने एक्टर यश की तरह मशहूर होना चाहता था।

कॉन्ट्रैक्ट

साल 2008 में रिलीज हुई राम गोपाल वर्मा की फिल्म कॉन्ट्रैक्ट खूब विवादों में रही। फिल्म रिलीज के चंद दिनों बाद ही अहमदाबाद ब्लास्ट में 47 लोगों की जान गई। आतंकवादियों ने पहले अस्पताल के पास ब्लास्ट किया और फिर अस्पताल में। ठीक यही कहानी उन दिनों रिलीज हुई फिल्म कॉन्ट्रैक्ट में दिखाई गई थी। राम गोपाल वर्मा के इस हमले से ताल्लुक जोड़े गए और उनकी फिल्म भी विवादों में रही।

ए वेंसडे

सितंबर 2011 में एक 14 साल के बच्चे ने डायल 100 में कॉल कर खबर दी कि सीएसटी से थाणे जाने वाली एक ट्रेन में बम रखा गया है। अफरा तफरी में पूरी ट्रेन खाली करवाई गई और पुलिस, बम स्क्वॉड को हर संदिग्ध स्टेशन में तैनात किया गया। जब पुलिस कॉलर की पहचान कर उस बच्चे तक पहुंची तो पाया कि उस बच्चे ने नसीरुद्दीन शाह की फिल्म ए वेंसडे देखकर पुलिस को प्रैंक कॉल किया था। वो भी नसीरुद्दीन की तरह पुलिस को परेशान करना चाहता था।

स्पेशल 26

दो महिलाओं और 7 आदमियों को दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। इन लोगों ने नकली मुंबई पुलिस अधिकारियों का हुलिया बनाकर दिल्ली के एक स्वास्थ्य केंद्र को लूटने की कोशिश की थी। पकड़े जाने पर उन लोगों ने पुलिस को बताया कि ये जुर्म उन्होंने अक्षय कुमार की स्पेशल 26 फिल्म देखकर किया है। इस गिरोह के पास से करोड़ों रुपए बरामद किए गए जो इन्होंने नकली ऑफिसर बनकर लूटे थे।

बंटी और बबली

अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी जिस अंदाज में बंटी और बबली फिल्म में ठगी करते हैं, ठीक वैसे ही जगजीत नाम के एक शख्स ने अपनी साथी के साथ मिलकर किया। पकड़े जाने में उस ठग ने बताया कि उसको ये आइडिया बंटी और बबली देखकर आया था।

ओए लक्की लक्की ओए

अभय देओल की फिल्म ओए लक्की लक्की ओए देखकर एक शख्स ने कार की चोरी शुरू की। पकड़े जाने पर उसके पास 180 चोरी की कार मिली थीं।

डर

2016 में देवेंद्र नाम के एक शख्स ने स्नेपडील में काम करने वाली दीप्ति सरना नाम की एक लड़की का पहले एक साल तक पीछा किया और फिर उसे किडनैप कर लिया। पुलिस पूछताछ में उस शख्स ने कबूला कि वो डर देखकर इतना प्रेरित हुआ कि वो शाहरुख खान की तरह ही एक तरफा प्यार में उस लड़की का पीछा करने लगा और उसे अगवा कर लिया।

राहुल द्रविड़ को आराम दिए जाने से नाराज हुए पूर्व कोच रवि शास्त्री, बोले- उन्हें क्यों ब्रेक चाहिए?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 और वनडे सीरीज में भारत के कई अहम खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। खिलाड़ियों के साथ ही मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और उनके सहयोगियों को भी आराम दिया गया है। इस भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने नाराजगी जताई है। उन्होंने टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ को लगातार ब्रेक दिए जाने के फैसले पर सवाल उठाया है। यह पहली बार नहीं है जब द्रविड़ और उनके सहयोगियों को आराम दिया गया है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में भारत के जिम्बाब्वे और आयरलैंड के दौरे पर लक्ष्मण ही भारत के कोच थे।

भारत के आयरलैंड दौरे के समय राहुल द्रविड़ मुख्य टीम के साथ इंग्लैंड में थे, लेकिन अगस्त में भारत के जिम्बाब्वे दौरे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घेरलू सीरीज में द्रविड़ टीम के साथ नहीं थे। उन्हें आराम दिया गया था। शास्त्री भारतीय टीम के कोच के रूप में लगातार सक्रिय थे। चाहे भारत की मुख्य टीम खेले या बी टीम वह अपने खिलाड़ियों के साथ रहते थे। ऐसे में उन्होंने द्रविड़ के ब्रेक लेने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अगर कोच लगातार ब्रेक लेंगे तो खिलाड़ियों के साथ उनके संबंध और सामंजस्य खराब हो सकते हैं।

रवि शास्त्री ने भारतीय टीम का कोच पद इसी वजह से छोड़ा था। उनका कहना था कि कोच के रूप में उन्हें लगातार भारतीय टीम के साथ रहना पड़ता है और सात साल तक ऐसा करने के बाद अपने जीवन में बदलाव चाहते हैं।

हालांकि, खिलाड़ियों को तरोताजा रखने के लिए आराम दिया जाता है, लेकिन शास्त्री का मानना है कि कोच के लिए यह तरीका कामयाब नहीं होगा।

शास्त्री ने वेलिंगटन में भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज के पहले कहा, " मैं ब्रेक लेने में यकीन नहीं करता। क्योंकि मैं अपनी टीम को समझना चाहता हूं, मैं अपने खिलाड़ियों को समझना चाहता हूं और फिर अपनी टीम को नियंत्रण में रखना चाहता हूं। ये ब्रेक ... ईमानदार से कहूं तो आपको इतने ब्रेक की क्या आवश्यकता है? आपको आईपीएल के दौरान दो से तीन महीने मिलते हैं, एक कोच के रूप में आराम करने के लिए यह पर्याप्त होते हैं। लेकिन बाकी समय मुझे लगता है कि एक कोच को हमेशा टीम के साथ रहना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो। विक्रम राठौर की जगह ऋषिकेश कानिटकर बल्लेबाजी कोच होंगे। वहीं, पारस म्हाम्ब्रे की जगह साईराज बहुतुले गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे। राहुल द्रविड़, विक्रम राठौर और पारस म्हाम्ब्रे चार दिसंबर से बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे।

न्यूजीलैंड में पांच मैचों से नहीं हारा भारत, दो सीरीज में मिली है हार

भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप के बाद नई शुरुआत के लिए तैयार है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ हारकर बाहर होने वाली टीम इंडिया हार्दिक पांड्या की कप्तानी में न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज खेलेगी। उसके बाद शिखर धवन वनडे सीरीज में टीम की कमान संभालेंगे। भारतीय टीम दो साल बाद न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज खेलेगी। पिछली बार उसने 5-0 से सीरीज को अपने नाम किया था।

भारत के पास न्यूजीलैंड में लगातार दूसरी टी20 सीरीज जीतने का मौका होगा। उसने दो साल पहले 2022 में कीवी टीम को पांच टी20 मैचों की सीरीज में 5-0 से रौंदा था। तब भारत ने पहला मैच छह और दूसरा मैच सात विकेट से अपने नाम किया था। तीसरा और चौथा मुकाबला सुपर ओवर में पहुंचा था। दोनों मैचों में भारत ने जीत हासिल की थी। अंतिम मुकाबले को सात विकेट से जीतकर भारत ने सीरीज में न्यूजीलैंड का सफाया किया था।

भारत 2020 से पहले 2009 और 2019 में दो बार न्यूजीलैंड में द्विपक्षीय टी20 सीरीज खेला है। 2009 में कीवी टीम ने उसे पहले मैच में सात और दूसरे मैच में पांच विकेट से हराया था। वहीं, 2019 में न्यूजीलैंड ने तीन टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 80 रनों से जीता था। भारत दूसरा मैच सात ऑकलैंड में सात विकेट से जीता था। वह उसकी न्यूजीलैंड में पहली जीत थी। तीसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए चार रन से जीत हासिल की और सीरीज को 2-1 से अपने नाम कर लिया था। इस तरह न्यूजीलैंड में अब तक तीन सीरीज में भारत दो हारा है और एक जीता है।

भारत ने न्यूजीलैंड में अब तक 10 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान टीम इंडिया छह मैचों जीती है। उसे चार मुकाबलों में हार मिली थी। भारत बनाम न्यूजीलैंड हेड टू हेड: दोनों टीमें टी20 इंटरनेशनल में 20 बार आमने-सामने हुई हैं। भारत 11 और न्यूजीलैंड नौ मैचों में जीता है। न्यूजीलैंड में 10, भारत में आठ और न्यूट्रल वेन्यू पर दो मैच खेले गए हैं। भारत में हुए आठ मैचों में टीम पांच जीती और तीन हारी है। वहीं, न्यूट्रल वेन्यू पर न्यूजीलैंड दोनों मैचों में जीता है।

रेप के आरोपी गुणतिलका को जमानत

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान पकड़े गए थे, 1.2 करोड़ रुपए चुकाने पड़े

गुणतिलका ने वर्ल्ड कप में श्रीलंका के लिए एक ही मैच खेला है। नामीबिया के खिलाफ खेले इस मुकाबले में यह बल्लेबाज शून्य पर आउट हो गया था। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान रेप केस में पकड़े गए श्रीलंकाई क्रिकेटर दनुष्का गुणतिलका को कुछ शर्तों के साथ जमानत मिल गई है। मजिस्ट्रेट जेनेट वहलक्विस्ट की अदालत ने उन्हें करीब 1 करोड़ 20 रुपए की राशि के भुगतान पर जमानत दी है। अदालत ने कहा- 'गुणतिलका को श्रीलंकाई बोर्ड और सरकार का समर्थन है। हम जमानत दे रहे हैं लेकिन उन्हें कुछ शर्तें माननी होंगी।'

31 साल के क्रिकेटर गुणतिलका पर एक ऑस्ट्रेलियाई महिला ने रेप के आरोप लगाए हैं और मामले की जांच चल रही है। जब तक जांच चलेगी, वे ऑस्ट्रेलिया नहीं छोड़ सकेंगे।

ये हैं अदालत की शर्तें...

हर रोज पुलिस थाने में हाजिरी देनी होगी।

रात 9 से सुबह 5 बजे तक निगरानी में रहेंगे।

शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं करेंगे।

सोशल मीडिया से दूर रहेंगे।

(दनुष्का सिडनी की पीड़ित महिला से 2 नवंबर को डेटिंग ऐप के जरिए ही मिले थे। दोनों खाना खाने और ड्रिंक करने के बाद महिला के घर चले गए। महिला ने आरोप लगाया कि वहीं क्रिकेटर ने उनके साथ अपराध किए।)

गुणतिलका 6 नवंबर से पुलिस हिरासत में थे। उन्हें सिडनी पुलिस ने 5 नवंबर को इंग्लैंड-श्रीलंका के बीच सुपर-12 का मैच के बाद टीम होटल से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उन पर 4 धाराओं में केस दर्ज किए हैं। 6 नवंबर को उन्हें ऑस्ट्रेलिया की कोर्ट में पेश किया गया। लेकिन, कोर्ट ने उन्हें जमानत नहीं दी थी।

क्रिकेट से बैन हैं दनुष्का

गुणतिलका को क्रिकेट से सस्पेंड कर दिया गया है। गिरफ्तारी के बाद श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा था कि नेशनल क्रिकेट टीम में अब उनके सिलेक्शन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

टी20 सीरीज में चार विकेट लेते ही बड़ा रिकॉर्ड बना देंगे भुवनेश्वर

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज में भारत के कई सीनियर खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं, लेकिन तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार इस सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा हैं। भुवनेश्वर के पास इस सीरीज में एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम करने का मौका है। अगर भुवनेश्वर तीन मैचों की इस सीरीज में चार विकेट ले पाते हैं तो वह टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। भुवनेश्वर ने इस साल भारत के लिए 30 टी20 मैच में 36 विकेट लिए हैं। वहीं, इस मामले में आयरलैंड के जोशुआ लिटिल सबसे आगे हैं, जिन्होंने 26 मैच में 39 विकेट लिए हैं। अगर भुवनेश्वर कुमार को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में चार विकेट मिलते हैं तो उनके नाम 40 विकेट हो जाएंगे और वह दुनिया के पहले गेंदबाज होंगे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में एक साल में 40 विकेट लिए हैं।

भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट भुवनेश्वर के नाम

भुवनेश्वर कुमार टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 85 टी20 मैच में 89 विकेट अपने नाम किए हैं। भुवनेश्वर इस साल टी20 विश्व कप के दौरान ही टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने।

अगर भुवनेश्वर अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हैं और भारत की टी20 टीम में जगह बनाए रखते हैं तो जल्द ही अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे। एक साल के अंदर टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में नेपाल के संदीप लामिछाने दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 38 विकेट लिए हैं। वहीं, श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी और भारत के भुवनेश्वर कुमार इस मामले पर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 36 विकेट लिए हैं।

टी20 विश्व कप में कुछ खास नहीं कर पाए भुवनेश्वर

टी20 विश्व कप 2022 में भुवनेश्वर कुमार अच्छी लय में नहीं थे। उन्होंने छह मैचों में सिर्फ चार विकेट लिए। भारत के पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने एक विकेट लिया था और अगले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ दो विकेट झटके थे, लेकिन इसके बाद अगले चार मैचों में वह सिर्फ एक विकेट ले पाए। यह एकमात्र विकेट भी जिम्बाब्वे के खिलाफ था। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ भवी लय में लौटना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड में इन खिलाड़ियों पर रहेगी पैनी नजर

हार्दिक से लेकर 150 किमी की गति वाले उमरान मलिक तक

पहला मैच पानी से धुलने के बाद भारतीय टीम रविवार 20 नवंबर को अपना दूसरा व तीसरा 22 नवंबर को खेलेगी। इस सीरीज में हार्दिक पांड्या टीम इंडिया की कप्तान हैं। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और उपकप्तान केएल राहुल को आराम दिया गया है। उनके अलावा विराट कोहली समेत कई सीनियर खिलाड़ी सीरीज में नहीं दिखाई देंगे। ऐसे में कप्तान हार्दिक सहित कई युवा खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का मौका होगा।

हार्दिक पांड्या: टी20 वर्ल्ड कप हार्दिक के लिए मिला-जुला रहा। पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 40 रन बनाने के साथ-साथ उन्होंने तीन विकेट भी लिए थे। उसके बाद सीधे सेमीफाइनल में उनका बल्ला चला। हार्दिक ने 63 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। हार्दिक को इस सीरीज में कप्तानी भी सौंपी गई है। वह इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में कप्तानी कर चुके हैं तब टीम इंडिया 2-0 से जीती थी। हार्दिक पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर किसी बड़ी टीम के खिलाफ कप्तानी करेंगे। उन्हें भविष्य में टीम का टी20 कप्तान बनाया जा सकता है। उससे पहले हार्दिक के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है। उन्हें अपनी बल्लेबाजी-गेंदबाजी के साथ-साथ कप्तानी में भी प्रभावशाली प्रदर्शन करना होगा।

श्रेयस अय्यर: कभी कप्तानी के दावेदार रहे श्रेयस अय्यर खराब फॉर्म के कारण टी20 टीम से बाहर हो गए थे। वनडे में उनका प्रदर्शन लगातार बेहतर होता गया और टी20 में लगातार गिरता गया। अब सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में उन्हें एक बार फिर से मौका दिया गया है। अब देखना है कि वह कैसे इस मौके का फायदा उठाते हैं। वह पिछला टी20 अक्तूबर 2022 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले थे। श्रेयस अय्यर ने पिछली 12 पारियों में सिर्फ दो अर्धशतक लगाए हैं।

ऋषभ पंत: टेस्ट और एकदिवसीय मैचों में बड़ी सफलता के बावजूद यह स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज टी20 प्रारूप में एक हार्ड-हिटिंग बल्लेबाज की अपनी छवि पर खरा उतरने में विफल रहा है। 64 मैचों में तीन अर्द्धशतकों की मदद से उन्होंने सिर्फ 940 रन बनाए हैं। इस दौरान पंत का स्ट्राइक रेट 127.12 का रहा है। इस सीरीज में वह एक या दो अर्धशतक लगाकर वापसी कर सकते हैं।

शुभमन गिल: वनडे में शुभमन गिल का प्रदर्शन शानदार रहा है।

उन्होंने वेस्टइंडीज के बाद जिम्बाब्वे में अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया। इसके अलावा घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने छह मैचों में 260 रन बना डाले। इस दौरान एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। अब यह देखना रोमांचक होगा कि शुभमन किस तरह टी20 प्रारूप में अपना खेल दिखाते हैं।

उमरान मलिक: आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले उमरान मलिक को भारत के लिए खेलने का मौका है। उमरान ने तीन टी20 मैचों में दो विकेट लिए हैं। इस दौरान वह काफी महंगे रहे हैं। उनकी इकोनॉमी रेट 12.44 की है। उमरान को तेजी के साथ-साथ सही लाइन पर भी गेंदबाजी करनी होगी। उन्हें दूसरा मौका मिला है। करीब 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने वाले उमरान अगर इसे भुना लेते हैं तो आगे का रास्ता आसान हो जाएगा।

कांस्टेबल के बेटे कुमार कार्तिकेय का मुंबई आईपीएल में फिर सिलेक्शन

10 रुपए बचाने के लिए पैदल चलते थे

कुमार कार्तिकेय का आईपीएल में फिर से स्पिन का जादू

उत्तर प्रदेश के कुमार कार्तिकेय का आईपीएल में फिर से स्पिन का जादू देखने को मिलेगा। आईपीएल-2023 के लिए खिलाड़ियों की रिटेंशन लिस्ट जारी हुई है। इसमें मुंबई इंडियन ने कुमार कार्तिकेय को टीम का हिस्सा बनाया है। पिछले आईपीएल में उनको खरीदा नहीं गया था। बीच आईपीएल में अरशद खान के चोटिल होने से उनको टीम में जगह मिली।

तब उन्होंने पहले ही मैच में किफायती गेंदबाजी की और अपनी टीम को पहली जीत दिलाई थी। आईपीएल के 4 मैच में 5 विकेट लिए थे। वे लेफ्ट आर्म्स स्पिन गेंदबाज हैं। उनके पिता श्याम नाथ सिंह यूपी पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल हैं। वह फिलहाल झांसी में पोस्टेड हैं। दोनों बार कार्तिकेय को बेस प्राइस पर खरीदा गया। यानी इस बार भी उनको 20 लाख रुपए मिलेंगे।

कुमार कार्तिकेय ने बताया कि आईपीएल के बाद काफी निखार आया। कॉन्फिडेंस लेवल बढ़ गया। अब अगले आईपीएल में और अच्छा प्रदर्शन करूंगा। मेरा सपना है कि टीम इंडिया के लिए खेलूं। 2022 के आईपीएल में कुमार कार्तिकेय सिंह का नाम सुर्खियों में रहा। उन्होंने मुंबई इंडियंस की ओर से राजस्थान रॉयल के खिलाफ डेब्यू किया।

सिर्फ 19 रन देकर 4 ओवर्स की गेंदबाजी में संजू सैमसन का कीमती विकेट हासिल किया था। कार्तिकेय ने 9 साल तक घर से दूर रहकर छोटी-मोटी नौकरियां कीं और आखिर में अपना सपना पूरा कर दिखाया।

किस्मत से मिला मौका

कार्तिकेय सिंह 28 अप्रैल को मुंबई इंडियंस में रिप्लेसमेंट प्लेयर के तौर पर जुड़े थे। उन्हें बाएं हाथ के पेसर मोहम्मद अरशद खान के चोटिल होने की वजह से टीम में मौका मिला। कार्तिक को 20 लाख रुपए के बेस प्राइस पर जोड़ा गया। इस युवा खिलाड़ी ने अब तक 9 फर्स्ट क्लास, 19 लिस्ट-ए और 9 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें क्रमशः 35, 18 और 10 विकेट चटकाए हैं।

इसके बाद कार्तिकेय ने मध्य प्रदेश का रुख कर लिया। यहां उन्हें शहडोल संभाग की अंडर-23 टीम से खेलने का मौका मिला। धीरे-धीरे उन्होंने मध्य प्रदेश की रणजी टीम में जगह बनाई। ऑक्शन से पहले मुंबई इंडियंस ने उन्हें ट्रायल्स के लिए बुलाया था, लेकिन मुख्य स्क्वॉड में शामिल नहीं किया। अरशद खान के चोटिल होने के बाद उन्हें मुंबई ने मौका दिया।

पिछले आईपीएल में अपनी छाप छोड़ने के बाद कुमार कार्तिकेय मध्य प्रदेश की टीम से रणजी खेले। कार्तिकेय की बदौलत मध्य प्रदेश पहली बार रणजी चैंपियन बनी। 6 मैच में 32 विकेट लेकर अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे। पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने में वे दूसरे नंबर पर थे।

कार्तिकेय ने बताया, "मैंने मुस्तफा अली ट्रॉफी भी खेली है। इसमें 5 मैच में 5 या 6 विकेट लिए थे। यह ट्रॉफी वैसी नहीं गई, जैसा मैं चाहता था। मगर ठीक था। फिर दिलीप ट्रॉफी खेली। एक मैच में 8 विकेट लिए। अब तक 13 रणजी मैच में 63 विकेट लिए हैं।"

कुमार कार्तिकेय बताते हैं, "अच्छे लेवल पर खेलने के बाद थोड़ी चेंज आ जाता। बड़े प्लेयरों के साथ खेला तो कॉन्फिडेंस बढ़ गया। उसी का परिणाम है कि मध्यप्रदेश को रणजी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभा पाया। सचिन तेंदुलकर, जहीर खान, महेला जयवर्धने ने मेरी तारीफ की। इससे कॉन्फिडेंस आया। बड़े प्लेयरों के साथ खेलने पर मुझे एक्सपीरिएंस मिला। कैसे गेम में अप्रोच करते हैं और क्या एटीट्यूड रहना चाहिए।"

कार्तिकेय की मां सुनीता और छोटा भाई कुमार विनायक सिंह कानपुर में रहते हैं। कार्तिकेय को कानपुर में प्रैक्टिस करते हुए 3 साल हो गए थे। 2014 में वह दिल्ली चले गए। तब उसकी उम्र 16 साल थी। एकेडमी कोच एसएन भारद्वाज ने ट्रायल लेने के बाद दाखिला दे दिया। तब पैसे नहीं थे। 10 रुपए बचाने के लिए वह पैदल चलता था।

2018 में पहली बार एमपी टीम में जगह मिली। सबसे पहले अपने पिता को कॉल लगाकर बताया। तो वे रोने लगे। मैं उनसे 6 साल बाद बात कर रहा था। इसके बाद गेंदबाजी में लगातार निखार आता गया।

पिता ने कहा कि मुंबई इंडियन मेरी सबसे फेवरेट टीम है। मुंबई ने दोबारा बेटे को लिया है। मुझे बहुत खुशी है। मैं चाहता हूं कि वो हमेशा मुंबई के लिए खेले। आईपीएल खेलने के बाद बेटे की गेंदबाजी में काफी निखार आया।

बल्लेबाज तो उनको टारगेट करने की कोशिश नहीं करते हैं बस बचने की कोशिश करते हैं। चूंकि सचिन, जहीर और महेला जयवर्धने के संरक्षण में बेटे ने बहुत कुछ सीखा है। आईपीएल खेल ही रहे हैं, मैं चाहता हूं कि वो इंडिया टीम में पहुंचे।

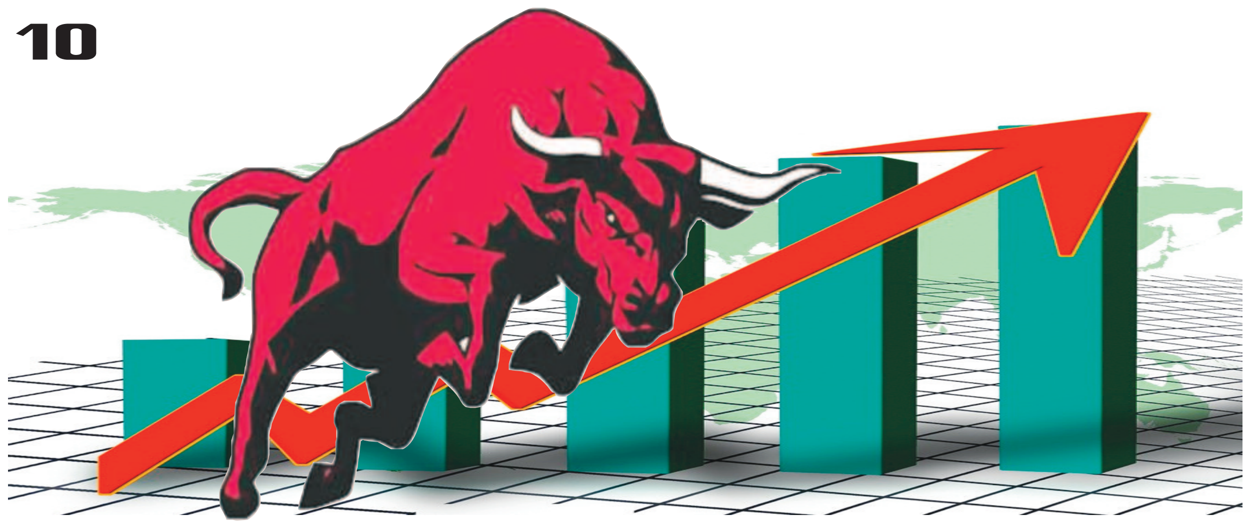

पीएसयू बैंकों के सीईओ व एमडी का अधिकतम कार्यकाल अब 10 वर्ष होगा, सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तथा प्रबंध निदेशक (एमडी) के लिए अधिकतम कार्यकाल बढ़ाकर 10 वर्ष कर दिया है। सरकार के इस कदम से बैंकिंग क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को लंबे समय तक साथ बनाए रखने में मदद मिलेगी। सरकार ने 17 नवंबर 2022 को अधिसूचना जारी की है जिसके अनुसार बैंकों के सीईओ और प्रबंध निदेशकों का कार्यकाल पहले के पांच वर्ष से बढ़ाकर अब

दस वर्ष कर दी गई है। पूर्व में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशक या कार्यकारी निदेशक को अधिकतम पांच वर्ष या 60 वर्ष की आयु पूरी होने तक (जो भी पहले हो) का ही कार्यकाल मिलता था। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के पूर्णकालिक निदेशकों के लिए भी यही मापदंड होता था। अधिसूचना में कहा गया गया कि प्रबंध निदेशक समेत पूर्णकालिक निदेशक का आरंभिक कार्यकाल पांच वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए, इसमें विस्तार दिया जा सकता है लेकिन यह भी आरंभिक कार्यकाल को मिलाकर दस वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। सरकार के इस फैसले से बैंकों को ऐसी प्रतिभाओं को अपने साथ बनाए रखने में मदद मिलेगी जो 45-50 वर्ष की आयु में ही पूर्णकालिक निदेशक के पद पर पहुंच गए।

बैंक घोटालों में भारतीय रिजर्व बैंक अधिकारियों की भूमिका मामले में निर्देश

सीबीआई से चार हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए जवाब देने के लिए सीबीआई को और चार हफ्ते का वक्त दिया है। यह मामला विभिन्न बैंकों में हुई धोखाधड़ी में भारती रिजर्व बैंक के अधिकारियों की संलिप्तता से जुड़ा है। इस मामले में आरबीआई से भी जवाब मांगा गया है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा है कि वह छह हफ्ते बाद इस मामले में फिर सुनवाई करेगी। इस मामले में कोर्ट ने बीते 17 अक्तूबर को सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया था। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो और भारतीय रिजर्व बैंक को जवाब दाखिल करने के लि, शुक्रवार को चार सप्ताह का और समय दिया है। कोर्ट ने यह निर्देश विभिन्न बैंकिंग घोटालों में केंद्रीय बैंक के अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग

करने वाली भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए दी है। जस्टिस बी आर गवई और विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद करेगी। शीर्ष अदालत ने 17 अक्टूबर को सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया था। सुब्रमण्यम स्वामी ने आरोप लगाया है कि किंगफिशर, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और यस बैंक जैसी विभिन्न संस्थाओं से जुड़े घोटालों में आरबीआई अधिकारियों की संलिप्तता की जांच नहीं की गई है।

उन्होंने तर्क दिया कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए धन के आवंटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद वर्ष 2000 से आज तक सीबीआई की ओर से आरबीआई के नामित अधिकारियों को जांच के दायरे में नहीं लाया गया है। याचिका में कहा गया है, 'आरबीआई के अधिकारियों के पास भारत में सभी बैंकिंग कंपनियों के कामकाज की निगरानी, विनियमन, पर्यवेक्षण, ऑडिट और निर्देश देने की शक्ति होने के बावजूद उन्हें हमेशा जांच से बाहर रखा गया है।'

अमेजन के सीईओ ने 2023 की शुरुआत में और छंटनी की पुष्टि की

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सैन फ्रांसिस्को । अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि 2023 की शुरुआत में कंपनी में और अधिक छंटनी होगी। ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी ने बुधवार को सार्वजनिक रूप से कुछ छंटनी की पुष्टि की और अब, जेसी ने कहा है कि अधिक छंटनी आ रही है क्योंकि अमेजन की वार्षिक योजना प्रक्रिया नए साल में फैली हुई है। गुरुवार देर रात एक बयान में उन्होंने कहा, उन फैसलों को 2023 की शुरुआत में प्रभावित कर्मचारियों और संगठनों के साथ साझा किया जाएगा। जेसी ने कहा, हमने अभी तक यह निष्कर्ष नहीं निकाला है कि वास्तव में कितनी अन्य भूमिकाएं प्रभावित होंगी (हम जानते हैं कि हमारे स्टोर और पीएक्सटी संगठनों में कटौती होगी), लेकिन प्रत्येक लीडर अपनी संबंधित टीमों को सूचित

करेगा जब हमारे पास विवरण होगा। अमेजन व्यापक सार्वजनिक या आंतरिक घोषणाएं करने से पहले प्रभावित कर्मचारियों से सीधे संवाद करने को प्राथमिकता देगा। जेसी ने कहा, इस साल की समीक्षा इस तथ्य के कारण अधिक कठिन है कि अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण स्थिति में है और हमने पिछले कई वर्षों में लोगों को काम पर रखा है। कंपनी ने निकाले जाने वाले कर्मचारियों की सही संख्या का खुलासा नहीं किया, हालांकि पहले की रिपोर्ट में यह संख्या 10,000 कर्मचारियों या कुल कर्मचारियों की संख्या का 3 प्रतिशत बताई गई थी। बड़े पैमाने पर नौकरी में कटौती ने कई डिवीजनों विशेष रूप से एलेक्सा वर्चुअल असिस्टेंट बिजनेस और लूना क्लाउड गेमिंग यूनिट को प्रभावित किया है।

अमेजन के सीईओ ने कहा, मैं लगभग डेढ़ साल से इस भूमिका में हूं और बिना किसी संदेह के, यह अब तक का सबसे कठिन निर्णय है। डिवाइसेस एंड सर्विसेज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डेव लिम्प ने भी एक आंतरिक पोस्ट लिखा, जिसमें कहा गया है कि समीक्षा के बाद, हमने हाल ही में कुछ टीमों और कार्यक्रमों को समेकित करने का फैसला किया है। लिम्प ने कहा, इन निर्णयों में से एक परिणाम यह है कि अब कुछ भूमिकाओं की आवश्यकता नहीं होगी।

केंद्र सरकार का दावा: रबी सीजन में नहीं आएगी दिक्कत

किसानों के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि रबी सीजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं और सरकार सभी राज्यों की जरूरत के हिसाब से उर्वरक भेज रही है। सरकार ने कहा कि किसानों को रबी सीजन में किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होने देंगे। रबी की फसलें ज्यादातर अक्तूबर और नवंबर के दौरान बोई जाती हैं और उपज की परिपक्वता के आधार पर जनवरी से मार्च तक फसल काटी जाती है। मंत्रालय का बयान तमिलनाडु और राजस्थान में उर्वरकों की कमी का दावा करने वाली खबरों की पृष्ठभूमि में आया है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी खबरें तथ्यों से परे हैं।

मंत्रालय ने उर्वरकों के स्टॉक की उपलब्धता को भी सार्वजनिक किया

मंत्रालय ने उर्वरकों के स्टॉक की उपलब्धता को भी सार्वजनिक किया है। वे इस प्रकार हैं: रबी सीजन 2022-23 के दौरान पूरे देश में यूरिया की आवश्यकता 180.18 लाख टन होने का अनुमान है। दिनांक 16.11.2022 तक यथानुपात आवश्यकता 57.40 लाख टन है, जिसके विरुद्ध विभाग ने 92.54 लाख टन की उपलब्धता सुनिश्चित की है। इस दौरान यूरिया की बिक्री 38.43 लाख टन रही है। इसके अलावा, राज्यों के पास 54.11 लाख टन का क्लोजिंग स्टॉक पड़ा हुआ है। इसके अलावा, यूरिया संयंत्रों में 1.05 लाख टन और बंदरगाहों पर 5.03 लाख टन का स्टॉक उपलब्ध है, ताकि यूरिया की मांग को पूरा किया जा सके।

सोना 45 रुपये मजबूत हुआ, चांदी में 316 रुपये की तेजी आई

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी से राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 45 रुपये की तेजी के साथ 53,220 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबार में सोना 53,175 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 316 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ 61,732 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हरे निशान पर 1,766 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार करता दिखा, जबकि चांदी 21.22 डॉलर प्रति औंस की कीमत पर बनी रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट दिलीप परमार के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मजबूत कीमत ने आज स्थानीय बाजार में भी सोने के भाव को ऊपर की ओर धकेल दिया। परमार ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोना (24 कैरेट) 45 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 53,220 रुपये प्रति 10

ग्राम हो गया। वहीं, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सीनियर वीपी कमोडिटी रिसर्च नवनीत दमानी ने कहा, पिछले सत्र में गिरावट के बाद सोने में तेजी आई। दमानी ने कहा कि कई अमेरिकी फेड अधिकारियों ने सुझाव दिया कि ब्याज दरों में वृद्धि जारी रहेगी। इससे सोने का भाव नरम पड़ा है। कोटक सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रविंद्र राव के अनुसार कॉमेक्स पर सोना 1766 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा है। कल के सत्र में इसमें 0.72% की गिरावट दर्ज की गई थी। सप्ताह के मध्य में सोने की रैली थम गई है। सोने में हालिया तेजी इस उम्मीद में आई थी कि फेड अपनी ब्याज दरों में नरमी लाएगा। सोने में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि फेड की ओर से ब्याज दर में मामूली बढ़ोतरी की उम्मीद है।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार हरे निशान पर हुआ बंद

सेंसेक्स 87 अंक लुढ़का

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 87 अंक टूटकर 61663 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, वृहद इंडेक्स निफ्टी भी 36 अंक की गिरावट के साथ 18307 अंकों के स्तर पर क्लोज हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में दस तेजी के साथ जबकि 20 लाल निशान पर बंद हुए। वहीं, निफ्टी के 50 स्टॉक्स में 14 तेजी जबकि 36 लाल निशान पर पर बंद हुए। शुक्रवार के दिन पीएसयू बैंक इंडेक्स और रियल एस्टेट के अलावा सभी सेक्टर गिरावट के साथ बंद हुए। बैंकिंग, आईटी, ऑटो फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी और इंफ्रा सेक्टर में कमजोरी के साथ कारोबार होता दिखा। मिडकैप और स्मॉल कैप शेयर भी टूटे। इस दौरान बाजार में कुल 3626

शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें 1443 शेयर मजबूत होकर व 2054 शेयर नीचे लुढ़क कर बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी से राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 45 रुपये की तेजी के साथ 53,220 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबार में सोना 53,175 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 316 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ 61,732 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

टाटा अपनी चार एयरलाइन एयर इंडिया में मर्ज करेगी

रिपोर्ट्स में दावा- नहीं रहेगा विस्तारा ब्रांड

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप अपने चार अलग-अलग विमान सेवा प्रदाता ब्रान्ड्स को एयर इंडिया लिमिटेड की छतरी के नीचे लाना चाहता है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा है विशाल टाटा ग्रुप अपने लड़खड़ाते विमानन कारोबार को फिर से मजबूती देने की कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार भारत का सबसे बड़ा समूह विस्तारा ब्रांड को खत्म करने पर भी विचार कर रहा है, जो भारत में सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड की स्थानीय इकाई है और टाटा ग्रुप की सहयोगी है। सूत्रों के अनुसार नाम ना सार्वजनिक करने की शर्त पर कहा गया है कि यह प्लान बहुत निजी है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों में से

एक ने कहा है कि सिंगापुर एयरलाइंस संयुक्त इकाई में हिस्सेदारी के आकार का मूल्यांकन कर रही है। हालांकि टाटा ग्रुप, एयर इंडिया और विस्तारा के प्रतिनिधियों ने इस बारे में किए गए सवालों का अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। वहीं, सिंगापुर एयरलाइंस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि टाटा और एसआईए के बीच बातचीत जारी है। बयान में वही कहा गया है जो 13 अक्तूबर को एक एक्सचेंज फाइलिंग के दौरान कहा गया था। उसके अनुसार, एसआईए और टाटा ग्रुप अपनी साझेदारी को और मजबूत करने पर काम कर रहा है। इसके तहत एयर इंडिया और विस्तारा का विलय हो सकता है। एयर इंडिया अपने नए मालिक टाटा ग्रुप की अगुवाई में बदलाव की ओर बढ़ रहा है। फुल सर्विस विमान सेवा प्रदाता कंपनी 300 छोटे बॉडी वाले विमानों की खरीदारी पर विचार कर रहा है। अगर इन विमानों की खरीदारी का ऑर्डर दिया जाता है तो यह विमानन उद्योग का अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर होगा। एयर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव कैंपबेल विल्सन ने पिछले महीने ही कहा था कि विमानन कंपनी अपने 113 विमानों के काफिले को बढ़ाकर अगले पांच वर्षों में तीन गुना करना चाहता है। उनके विमान काफिले में पतली बॉडी वाले और चौड़ी बॉडी वाले दोनों तरह के एयरक्रॉफ्ट्स होंगे।

एयर इंडिया एक फंडिंग राउंड में कम से कम एक अरब डॉलर जुटाने की तैयारी में भी लगा है। ऐसा हुआ तो कंपनी की वैल्युएशन करीब पांच अरब डॉलर की हो जाएगी। इस मामले के जानकारों ने बीते सितंबर महीने में इस बात की जानकारी दी थी। एयर इंडिया 25 एयरबस एसई और पांच बोइंग कंपनी के विमानों को अपने बेड़े में दिसंबर तक जोड़ने की योजना पर भी काम कर रही है।

म्यूचुअल फंड यूनिटधारकों को तय अवधि में लाभांश नहीं देने पर भरना होगा ब्याज

सेबी ने बनाए नए नियम

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड यूनिटधारकों के लाभांश और यूनिट बेचने से प्राप्त राशि के भुगतान मामले में संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) के लिए नए नियमों को अधिसूचित किया है। नए नियम 15 जनवरी से लागू होंगे। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को एक अधिसूचना में कहा कि नए नियम के तहत प्रत्येक म्यूचुअल फंड व एएमसी को यूनिटधारकों को लाभांश भुगतान और यूनिट भुनाने या पुनर्खरीद राशि सेबी की तरफ से

तय अवधि के भीतर हस्तांतरित करनी होगी। इसमें देरी पर संबंधित एएमसी को विलंब के अनुसार ब्याज भुगतान करना होगा। ब्याज भुगतान के बावजूद एएमसी के खिलाफ इस देरी के लिए कार्रवाई की जा सकती है।सेबी ने चरणबद्ध तरीके से खुले बाजार सौदों के जरिये शेयर पुनर्खरीद व्यवस्था समाप्त करने के साथ समय अवधि घटाने का प्रस्ताव किया है। मौजूदा शेयर पुनर्खरीद प्रणाली की खामियां दूर करने के लिए यह कदम उठाया गया है। ये प्रस्ताव सेबी के परामर्श पत्र का हिस्सा है। इस पर एक दिसंबर तक सुझाव मांगे गए हैं। पुनर्खरीद प्रक्रिया के लिए अवधि को अप्रैल, 2023 से कम कर 66 दिन किया जा सकता है। फिर से अप्रैल, 2024 से 22 कामकाजी दिवस किया जा सकता है। बैंकों, वित्तीय संस्थानों और दबाव वाली कंपनियों के अन्य लेनदारों ने सितंबर तक दिवालिया समाधान प्रक्रियाओं के जरिये 2.43 लाख करोड़ रुपये की वसूली की है। भारतीय दिवालिया एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड के अनुसार, कंपनियों के पास उपलब्ध परिसंपत्तियों का उचित मूल्य अनुमानित 2.14 लाख करोड़ रुपये था। ऋणदाताओं के 7.91 लाख करोड़ के कुल दावों के मुकाबले 1.37 लाख करोड़ का परिसमापन मूल्य हासिल हुआ था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) से राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन (एनआईपी), पीएम गतिशक्ति और राष्ट्रीय अवसंरचना गलियारे में निवेश अवसर तलाशने को कहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	वृश्चिक	में
चंद्र-	कन्या	में
मंगल	वृष	में
बुध-	वृश्चिक	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	वृश्चिक	में
शनि-	मकर	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
वृश्चिक.	06-16	बजे
धनु---	08-29	बजे
मकर-	10-34	बजे
कुंभ -	12-25	बजे
मीन....	14-03	बजे
मेष--	15-39	बजे
वृष--	17-24	बजे
मिथुन..	19-25	बजे
कर्क....	21-36	बजे
सिंह....	23-49	बजे
कन्या..	01-59	बजे
तुला	04-05	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 10 -29 तक उपरान्त एकादशी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , शनिवार Nov 19
नक्षत्र -उ.फाल्गुनी - 00 - 14 - तक उपरान्त हस्त
योग - विष्कुंभ- 00 - 24 - तक उप- प्रीति
करण- विष्टि - 10 - 29 - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री महावीर स्वामी दीक्षा कल्याणक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:13 से 10:37 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:26 - 07:48	अशुभ	लाभ.	17:39 - 19:14	शुभ
शुभ.	07:48 - 09:13	शुभ	उत्पात	19:14 - 20:50	अशुभ
रोग	09:13 - 10:37	अशुभ	शुभ	20:50 - 22:26	शुभ
उत्पात	10:37 - 12:01	अशुभ	अमृत	22:26 - 00:02	शुभ
चंचल	12:01 - 13:26	शुभ	चंचल	00:02 - 01:37	शुभ
लाभ	13:26 - 14:50	शुभ	रोग	01:37 - 03:13	अशुभ
अमृत	14:50 - 16:14	शुभ	काल	03:13 - 04:49	अशुभ
काल	16:14 - 17:36	अशुभ	लाभ	04:49 - 30:26	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं। फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी। आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी। समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है।अपने माता पिता बहन भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं।अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें।अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): एकरसता आपको अच्छी न लगती।इससे आप बोर अनुभव करते हैं।आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे।अपनी दिनचर्या बदलें। इसमें फिटनेस को जगह दें। किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं। आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें। ऑफिस में नयी पहचान बनेगी।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें। अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज पैसे को संभलकर खर्च करें।सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं।अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है।आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा।स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है। आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं। आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे। अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते। हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। कुल मिलाकर दिन उत्तम है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं।आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं। आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा। हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है।छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें।एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा।अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी। घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें।बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें।जब तक आपको जवाब नही मिल जाते अपना नजरिया दृढ ही रखें।दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा। अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे।आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी।लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे। शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें। आपको सफलता मिलेगी।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

पाक के चप्पे-चप्पे पर भारतीय सैटेलाइट्स की नजर

अब भारत की जासूसी के लिए पाक हासिल कर रहा पावरफुल चीनी रडार

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सैटेलाइट्स पाकिस्तान के 87% इलाके पर नजर रख सकते हैं। यानी कराची की किसी गली से पेशावर के किसी जंगल तक की हलचल भारत देख सकता है। स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत की इस बादशाहत को अब चीन अपनी एक चाल से चुनौती देने में लगा है। भारतीय सैटेलाइट्स पर नजर रखने के लिए चीन अब पाकिस्तान को अपना सबसे ताकतवर और एडवांस रडार एसएलसी-18 देने जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने पाकिस्तान को अपना ताकतवर स्पेस सर्विलांस रडार एसएलसी-18 देने का फैसला किया है। इन रडार को चीन की सरकारी कंपनी चाइना इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी ग्रुप कॉर्पोरेशन यानी सीईटीसी ने बनाया है। सीईटीसी इससे पहले भी चीनी सेना के लिए कई मिसाइलें, रडार और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज बना चुकी है। सीईटीसी के डिप्टी जनरल सुन लेई का कहना है, 'इस रडार से मित्र देशों को स्पेस में रॉकेट को लोकेट करने में मदद मिलेगी। मित्र देशों की मदद के लिए ये (रडार) स्पेस टारगेट्स की अपेक्षाकृत सस्ते में निगरानी की सुविधा देता है... इससे लो-ऑर्बिटिंग सैटेलाइट्स की स्थिति की जानकारी मिलती है। ये युद्ध के दौरान पावर बैलेंस में अहम भूमिका निभाएगा।' लो अर्थ ऑर्बिट यानी लियो सैटेलाइट्स धरती से 200 किलोमीटर से 2000 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित होते हैं। लियो सैटेलाइट्स का इस्तेमाल मुख्य रूप से डेटा कलेक्शन और मिलिट्री निगरानी में किया जाता है। लियो सैटेलाइट्स अपने छोटे साइज और फ्लेक्सिबल ऑर्बिट की वजह से सभी अहम ठिकानों की 360-डिग्री निगरानी कर सकते हैं।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान की मदद कैसे करेगा एसएलसी-18?

डिफेंस एक्सपर्ट और भारतीय सेना के रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल जसिंदर सिंह सोढ़ी के मुताबिक, 'चीन का पाकिस्तान को एसएलसी-18 खुफिया रडार बेचना भारत के लिए बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि ये रडार मिलिट्री और खुफिया डेटा कलेक्शन में इस्तेमाल होते हैं। ये रडार धरती की सतह से 2 हजार किलोमीटर ऊपर यानी लो अर्थ ऑर्बिट में स्थित सैटेलाइट्स को ट्रैक करने में सक्षम है। इसका मतलब है कि इस रडार की मदद से पाकिस्तान भारत की मिलिट्री उद्देश्यों समेत सभी सैटेलाइट्स को ट्रैक कर पाएगा।' आधुनिक युग में दुश्मन देश की सेना और हथियारों की लोकेशन को ट्रैक करने में खुफिया सैटेलाइट्स अहम भूमिका निभाती हैं। सोढ़ी का कहना है, 'ये चीनी रडार इतना एडवांस है कि ये सैटेलाइट का डेटा धरती पर स्थित कमांड सेंटर को भेजता है, जिससे वो तुरंत फैसला ले सके, जोकि युद्ध की स्थिति में निर्णायक साबित हो सकता है।' अब तक पाकिस्तान जैसे विकासशील देश सैटेलाइट डेटा हासिल करने के लिए चीन जैसे देश का सहारा लेते रहे हैं। लेकिन ये डेटा कई बार सटीक नहीं होता और बहुत महंगा भी होता है। ऐसे में सोढ़ी ने कहा, 'पाकिस्तान की अब तक कोई स्पेस रिसर्च नहीं है और इस मामले में वह पूरी तरह चीन पर निर्भर है। चीन स्पेस रिसर्च के मामले में दुनिया का लीडर बनकर उभरा है और 2045 तक इस सेक्टर में उसके अमेरिका से भी आगे निकल जाने की संभावना है।'

क्या भारत इससे निपटने में सक्षम है? जसिंदर सिंह सोढ़ी ने कहा, 'भारत स्पेस प्रोग्राम और हथियारों के मामले में पाकिस्तान से आगे है। लेकिन इस रडार के मिलने के बाद इसे काउंटर करने के लिए भारत को प्रभावशाली जरूरी कदम उठाने होंगे।'

अभी भारत के सैटेलाइट्स पाकिस्तान के हर कदम पर नजर रख सकते हैं। लेकिन पाकिस्तान के पास अभी ऐसी क्षमता नहीं है। चीन का एसएलसी-18 रडार मिलने पर अब पाकिस्तान भारत की खुफिया सैटेलाइट्स पर नजर रखने में सक्षम हो जाएगा। एक्सपर्ट का मानना है कि चीनी रडार मिलने पर पाकिस्तान उन्हें अलग-अलग जगहों पर तैनात करके भारतीय सैटेलाइट्स की मूवमेंट पर नजर रख पाएगा और भारतीय सैटेलाइट्स को अपनी खुफिया जानकारी लेने से भी रोक पाएगा। रडार से सैटेलाइट्स को लेकर मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तान अपनी सेना के मूवमेंट यानी योजना में बदलाव कर पाएगा। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय सैटेलाइट्स से निपटने के लिए चीन आने वाले समय में पाकिस्तान को एंटी-सैटेलाइट वेपंस भी दे सकता है।

पाकिस्तान को रडार देकर भारत की निगरानी है चीन का मकसद

एयरोस्पेस एंड डिफेंस एनालिस्ट गिरीश लिंगन्ना ने एक इंटरव्यू में कहा, 'एसएलसी-18 रडार की कई टारगेट को ट्रैक करने, बड़ी सर्च रेंच और हर मौसम और 24 घंटे काम करने की क्षमता इसे खास बनाती है। एसएलसी-18 रडार खुफिया सैटेलाइट्स को ट्रैक करने के साथ ही ड्रोन, जहाज और मिसाइलों के डेटा भी दे सकता है।' लिंगन्ना का कहना है कि इस चीनी रडार को एलन मस्क के स्टारलिंक खुफिया सैटेलाइट्स का काउंटर भी माना जा रहा है। मस्क के खुफिया सैटेलाइट्स ने रूस के खिलाफ यूक्रेन को जानकारी और इंटरनेट उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई है। लिंगन्ना का कहना है, 'अगर पाकिस्तान को ये रडार मिलता है, तो उसके लिए भारतीय सैटेलाइट्स को ट्रैक करना बहुत आसान हो जाएगा।

ये पावरफुल रडार लगभग पूरा भारत कवर कर सकता है। इस रडार के जरिए पाकिस्तान के जरिए चीन भारत से जुड़े डेटा हासिल कर सकता है। इससे चीन को महंगी मिसाइल ट्रैकिंग शिप की टेक्नीक से छुटकारा मिल जाएगा, जिसका इस्तेमाल वो भारतीय सेना की संपत्तियों के आसपास की निगरानी के लिए करता है।' एक्सपर्ट के मुताबिक, सैटेलाइट्स और मिसाइलों के लिए एक और खतरा बनकर उभरे हैं डायरेक्टर एनर्जी वेपंस यानी डीईडब्ल्यू, जिन्हें एंटी-सैटेलाइट या एंटी-मिसाइल वेपन भी कहा जाता है। अगर इन हथियारों को इस रडार सिस्टम में लगाया गया तो इससे न केवल सैटेलाइट्स की ट्रैकिंग बल्कि उन्हें नष्ट भी किया जा सकता है।

पाकिस्तान को मिसाइलें, फाइटर प्लेन देता रहा है चीन

चीन पाकिस्तान को एसएलसी-18 रडार ही नहीं दे रहा है, बल्कि वह सालों से पाकिस्तान का सबसे बड़ा वेपन सप्लायर रहा है। स्वीडिश थिंकटैंक सिप्री की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017 से 2021 के दौरान पाकिस्तान ने अपने कुल हथियारों में से करीब 72% हथियार चीन से खरीदे हैं। इस दौरान चीन के कुल हथियारों में से करीब 47% हथियार पाकिस्तान ने खरीदे। पिछले साल चीन ने पाकिस्तान को एचक्यू 9/पी हिमादास यानी हाई टु मीडियम एयर डिफेंस सिस्टम दिया था, जिसे अक्टूबर 2021 में पाकिस्तान आर्मी ने अुने एयर डिफेंस सिस्टम में शामिल किया था। एचक्यू 9 ऐसा एयर डिफेंस सिस्टम है, जो 100 किलोमीटर की रेंज में आने वाले फाइटर प्लेन, क्रूज मिसाइलों और हथियारों समेत कई एयर टारगेट को इंटरसेप्ट कर सकता है।

SLC-18 रडार

चीन पाक को देता रहा है घातक हथियार

बाइडन प्रशासन ने कहा

पत्रकार खशोगी की हत्या मामले में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को इम्यूनिटी

वाशिंगटन, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में हाथ होने का आरोप है। अमेरिकी न्याय विभाग ने अदालत में कहा कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के पास 2018 में सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या को लेकर दायर एक मुकदमे से कानूनी प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी) है। बता दें कि खशोगी ने वाशिंगटन पोस्ट के कॉलम में युवराज की नीतियों की आलोचना की थी।

सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में हुई थी खशोगी की हत्या

बता दें कि खशोगी की अक्टूबर 2018 में इस्तांबुल में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास के भीतर हत्या कर दी गई थी। खगोशी के शव को भी दूतावास के अंदर ही ठिकाने लगा दिया गया था। तुर्की ने भी खशोगी की हत्या को लेकर सऊदी के कई नागरिकों को आरोपी बनाया था। तुर्की सरकार ने आरोप लगाया था कि पत्रकार खशोगी की हत्या सऊदी सरकार के इशारे पर की गई थी। इस हत्याकांड के बाद पूरी दुनिया में सऊदी अरब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ था।

सऊदी क्राउन प्रिंस ने माना था- 'मेरी निगरानी में...'

हालांकि, पहले क्राउन प्रिंस ने खशोगी की हत्या में हाथ होने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में स्वीकार किया कि यह 'मेरी निगरानी में' हुआ था। ऐसे में अमेरिकी कोर्ट में खशोगी की हत्या के मामले में सऊदी क्राउन को आरोपी बनाया गया है, लेकिन राष्ट्राध्यक्ष होने के कारण उनके खिलाफ कोई कदम उठाना संभव नहीं। बाइडन प्रशासन ने कोर्ट में यही कहा कि सऊदी क्राउन को इम्यूनिटी हासिल है।

नेपाल में कल होने वाले चुनाव के लिए तैयारियां पूरी

नेपाल की 3 प्रमुख पार्टियां...

नेपाली कांग्रेस
कम्युनिस्ट यूनिफाइड मार्क्सवादी-लेनिनिस्ट (यूएमएल) पार्टी
माओइस्ट सेंटर

नेपाल की राजनीतिक पार्टियां और उनके प्रमुख
नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी यानि यूएमल... जिसके नेता हैं खड्ग प्रसाद शर्मा ओलिक
नेपाली कांग्रेस.... जिसके नेता हैं शेर बहादुर देउब
नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी-केंद्र)...जिसके नेता हैं पुष्प कमल दहाली
पीपुल्स सोशलिस्ट पार्टी (जनता पार्टी)...जिसके नेता मंहत ठाकुर और उपेंद्र यादव

काठमांडू, 18 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल में संघीय संसद के 275 सदस्यों और सात प्रांतीय विधानसभाओं की 550 सीटों के लिए 20 नवंबर को चुनाव होना है. इससे पहले नेपाल के निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा कड़ी करने, हवाई गश्त करने और नेपाल-भारत सीमा को बंद करने समेत कई उपायों की घोषणा की है ताकि रविवार को आम चुनाव के लिए ''स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण'' मतदान हो सके. नेपाल में संसदीय और प्रांतीय विधानसभाओं के लिए 20 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा. देश के सात प्रांतों में 1 करोड़ 79 लाख से अधिक लोग मतदान करने के पात्र हैं. संसद के कुल 275 सदस्यों में से 165 प्रत्यक्ष मतदान के माध्यम से चुने जाएंगे, जबकि शेष 110 आनुपातिक पद्धति के माध्यम से निर्वाचित होंगे.इसी तरह प्रांतीय विधानसभा के कुल 550 सदस्यों में से 330 प्रत्यक्ष मतदान जबकि 220 आनुपातिक पद्धति से चुने जाएंग.

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) दिनेश कुमार थपलिया ने मीडिया को बताया, "20 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. मतदान अधिकारी, कनिष्ठ कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी सभी मतदान केंद्रों पर पहुंच चुके हैं. जरूरत के मुताबिक सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय किया जाएगा और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षाकर्मियों को तैनात रखा गया है. सीईसी ने कहा, अब हम 20 नवंबर को मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए मतदाताओं के आने का इंतजार कर रहे हैं. चुनाव की प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न की जाएगी.

उत्तर कोरिया ने लगातार दूसरे दिन दागी बैलिस्टिक मिसाइल

दक्षिण कोरिया ने जताई चिंता

क्यों नाराज हैं किम जोंग उन?

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस हफ्ते के शुरू में चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के साथ उत्तर कोरिया के हालिया मिसाइल परीक्षणों पर चर्चा की और टोक्यो और सियोल के नेताओं के साथ भी बात की. बैंकॉक में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) फोरम में 17 नवंबर को, जब चीन और जापान के नेताओं ने तीन साल में पहली बार आमने-सामने बातचीत की तो उत्तर कोरिया भी एजेंडे में शीर्ष पर था. विशेषज्ञों ने कहा कि उत्तर कोरिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों में से एक का लॉन्च एक स्पष्ट संकेत था कि नेता किम जोंग उन हाल की वार्ता से नाराज थे.

सियोल, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की धमकी के बावजूद उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को दूसरे दिन लगातार दूसरी बैलिस्टिक मिसाइल दाग कर कोरियाई द्वीप में सनसनी फैला दी है. दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में एक और अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी है. दो दिनों में प्योंगयांग की तरफ से यह दूसरी बार मिसाइल को लॉन्च किया गया है. उत्तर कोरिया ने हाल के दिनों में एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग लॉन्चिंग जारी रखी है, जिसने परमाणु परीक्षण के डर को बढ़ा दिया है. सियोल के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उसने प्योंगयांग के सुनान क्षेत्र से पूर्वी सागर की ओर दागी गई लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का पता लगाया है. हालांकि, मिसाइल के प्रकार या रेंज के बारे में तुरंत विस्तार से नहीं बताया गया है. जापान ने भी उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की पुष्टि की है. जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि माना जाता है कि यह होक्काइडो के उत्तरी क्षेत्र से देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के भीतर पानी में गिर गया था.

विमानों और जहाजों को नुकसान नहीं

जापानी प्रधानमंत्री किशिदा ने बैंकाक शिखर सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से कहा कि ऐसा माना जाता है कि उत्तर कोरिया की ओर लॉन्च की गई बैलिस्टिक मिसाइल होक्काइडो के हमारे ईईजेड पश्चिम में गिराई गई है. उन्होंने कहा कि जहाजों या विमानों को नुकसान की कोई प्रारंभिक रिपोर्ट नहीं मिली थी.

उत्तर कोरिया ने दी चेतावनी

उत्तर कोरिया ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के एक दिन बाद इसे लॉन्च किया है. उत्तर कोरिया के विदेश मामलों के मंत्री चो सोन हुई ने चेतावनी दी थी कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपने साथियों को जितनी मदद करेगा, इसके जवाब में उत्तर कोरिया उनती ही कड़ी कार्रवाई करेगा. वाशिंगटन परमाणु-सशस्त्र उत्तर से बढ़ते उकसावे के जवाब में क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने और संयुक्त सैन्य अभ्यास को तेज करने की मांग कर रहा है, जो इस तरह के सभी कदमों को अमेरिकी आक्रामकता के सबूत के रूप में देखता है.

गाजा पट्टी : इमारत में लगी भीषण आग, 9 बच्चों सहित 21 की मौत

जाबालिया, फिलिस्तीन, 18 नवंबर (एजेंसियां)। गाजा शहर के उत्तर में एक घर में भीषण आग लगने से सात बच्चों सहित कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई है. हमास इस्लामवादी, जो इजरायल-नाकाबंदी वाले फिलिस्तीनी एन्क्लेव को नियंत्रित करते हैं. उन्होंने कहा कि अग्निशामकों ने जाबालिया में आग पर काबू पाने में कामयाबी हासिल की है. गाजा की नागरिक सुरक्षा इकाई ने एक बयान में 21 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है. जाबालिया में इंडोनेशियाई अस्पताल के प्रमुख सालेह अबू लैला ने एएफपी को बताया कि अस्पताल में कम से कम सात बच्चों के शव आए हैं. हालांकि आग लगने के कारणों का पता

नहीं चल पाया है. नागरिक सुरक्षा इकाई के एक प्रवक्ता ने एएफपी को बताया कि घर में ईंधन जमा था. फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के प्रवक्ता ने कहा कि इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में स्थित - एक अलग फिलिस्तीनी क्षेत्र - ने आग को एक राष्ट्रीय त्रासदी माना है.

अमेरिकी सांसद ने सिख दंगों के पीड़ितों के प्रति जताई एकजुटता

कहा- भारत को अपना दोस्त कहने में गर्व

वाशिंगटन, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के दक्षिण जर्सी में रह रहे सिख परिवारों के प्रति अमेरिकी सांसद ने एकजुटता व्यक्त की है। अमेरिकी संसद को संबोधित करते हुए सांसद डोनाल्ड नॉरक्रॉस ने कहा कि दक्षिण जर्सी में सिख समुदाय के प्रति मैं अपनी एकजुटता व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, इन सिख भाई व बहनों ने अमेरिका की सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक और धार्मिक समृद्धि में योगदान दिया है। अमेरिकी सांसद ने कहा, भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद नवंबर में भारत में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। इसमें सिख परिवारों को निशाना बनाया गया। सामूहिक हत्याएं व बलात्कार की घटनाएं हुईं। इसके बाद कई सिख परिवारों ने भारत से भागने का फैसला किया और वे अमेरिका के दक्षिण जर्सी में आकर बस गए। उन्होंने कहा, आज से परिवार दक्षिण जर्सी को अपना परिवार मानते हैं। मैं इस समुदाय के साथ खड़ा हूं।

भारत के लोगों को दोस्त कहते हुए महसूस होता है गर्व

वहीं, अमेरिकी कांग्रेसी जॉन कार्टर ने सीनेट में भारत-अमेरिका संबंधों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, वह भारत के साथ अमेरिका के संबंधों के संबंधों को मजबूत बनाने को लेकर उत्साहित हैं। लोकतंत्र के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पिछले कई दशकों से अटूट रही है और आज भारत का भविष्य पहले से कहीं अधिक उज्जवल है। कार्टर ने आगे कहा, 15 अगस्त, 1947 को भारतीय संसद ने भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया और भारत आधिकारिक तौर पर एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। संसद के इस अधिनियम ने इतिहास के सबसे बड़े लोकतंत्र का निर्माण किया। उन्होंने कहा, पहली नजर में ऐसा लग सकता है कि भारत और अमेरिका में बहुत कुछ समान नहीं है। हालांकि, दोनों देश स्वायत्तता, स्वतंत्रता को पहचानते हें।

रामगोपाल यादव ने दिया बड़ा बयान

बोले-मैनपुरी नेताजी की है, डिंपल यादव की बड़ी जीत होगी

इटावा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी उपचुनाव को लेकर जिले में भी हलचल मची हुई है। सपा से पूर्व सांसद डिंपल यादव के बाद भाजपा की ओर से पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य को टिकट देने के बाद हलचल और तेज हो गई है। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं मैनपुरी से प्रत्याशी डिंपल यादव ने शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात की।

इस बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव राज्यसभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मैनपुरी नेताजी की है। हमें जनता का भरपूर अशीर्वाद मिल रहा है और डिंपल यादव की बड़ी जीत होगी।

भाजपा के मंत्रियों के पास कोई काम नहीं

रामगोपाल यादव ने भाजपा सरकार को भी आड़ें हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के मंत्रियों के पास कोई काम ही नहीं है। सब काम मुख्यमंत्री के पास हैं। इसलिए भाजपा सरकार के मंत्री घूम रहे हैं।

शिवपाल से मुलाकात के बाद डिंपल यादव एवं अखिलेश यादव ने फोटो ट्वीट करते हुए लिखा कि नेताजी के और घर के बड़ों के साथ-साथ मैनपुरी की जनता का भी आशीर्वाद साथ है। दोपहर बाद शिवपाल सिंह यादव ने ट्वीट किया। इसमें लिखा कि जिस बाग को सींचा हो खुद नेताजी ने, उस बाग को अब हम सीचेंगे अपने खून, पसीने से।

वहीं, शिवपाल ने समर्थकों से बुधवार की बैठक में परिवार की एकजुटता के लिए डिंपल के पक्ष में मतदान करने की बात कही। सियासी गलियारे में नजर रखने वालों का कहना है कि शिवपाल को इसी वक्त का इंतजार था। नामांकन के दिन भी डिंपल समर्थन मांगतीं तो वह साथ नजर आते, लेकिन सपा से यह चूक हुई।

बता दें कि सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी संसदीय सीट खाली हुई थी। यहां उपचुनाव पांच दिसंबर को होंगे और परिणामों की घोषणा आठ दिसंबर को होगी। इस सीट को लेकर सियासी गलियारों में सरगर्मी तेज है।

मैनपुरी में भाजपा और बसपा ने कई बार शाक्य प्रत्याशी के हाथ चुनावी पतवार सौंपी, लेकिन फिर भी भंवर से उनकी नैया पार नहीं हो सकी। हर बार सपा और मुलायम की सुनामी में भाजपा और बसपा की नैया डूबती रही। इस बार भी भाजपा की ओर से शाक्य प्रत्याशी ही मैदान में है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर सूटकेस में युवती की लाश मिलने से सनसनी, बेरहमी से की गई है हत्या

मथुरा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। एक तरफ जहां श्रद्धा हत्याकांड को लेकर देशभर में उबाल है, वहीं दूसरी तरफ मथुरा से एक युवती की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। राया थाना क्षेत्र में कृषि अनुसंधान केंद्र के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार दोपहर को सूटकेस में युवती की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। युवती की बेरहमी से हत्या की गई है। मृतका की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे थाना राया पुलिस को यमुना एक्सप्रेसवे पर लाल रंग का सूटकेस पड़ा होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब सूटकेस को खोलकर देखा तो सन्न रह गई। सूटेकस में युवती की लाश थी। लाश को पॉलिथीन में लपेट कर सूटकेस में रखा गया था। युवती के चेहरे पर खून लगा हुआ था। पुलिस के अनुसार युवती की उम्र करीब 22 वर्ष है। उसका कद पांच फीट दो इंच है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्राया पटना

बदमाशों ने युवक पर झोंका फायर

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में आपराधिक घटनाओं को लेकर जमीनी हकीकत क्या है। यह किसी से छिपी हुई नहीं है। ताजा मामला पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के करबिगहिया इलाके में बिस्कुट फैक्ट्री के पास बदमाशों ने एक युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि चार लोग घायल हो गए।

घटना शुक्रवार की दोपहर की है। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। गोलीबारी की इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि चार लोग घायल हो गए। जिसको स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए पारस अस्पताल में दाखिल करवाया है। स्थानीय लोगों की माने तो दो गुटों के बीच विवाद के चलते फायरिंग हुई है।

लोगों ने बदमाश को पकड़कर जमकर पीटा

घटना को बुलेट सवार अपराधियों ने अंजाम दिया है। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से भाग रहे थे। जिसे लोगों ने पकड़ कर जमकर पिटाई कर दी। घटना से नाराज लोगों ने बुलेट बाइक में आग भी लगा दी। इस वजह से मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। हालांकि, मामले कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने लोगों की भीड़ से बदमाश को बचाकर अपने कब्जे में ले लिया।

जानकारी के मुताबिक युवक बिस्कुट फैक्ट्री के पास गली से गुजर रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। युवक को चार गोली लगी है। कांड को अंजाम बुलेट सवार बदमाशों ने दिया है। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया है।

मामले की सूचना मिलने के बाद जक्कनपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भेजा। मामले को लेकर पुलिस ने स्थानीय लोगों से पूछताछ भी की है। पुलिस ने बताया कि घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों को पकड़ लिया गया है। फिलहाल मामले कि जांच-पड़ताल जारी है।

धर्मांतरण पर योगी सरकार में जबरदस्त एक्शन

दो सालों में दर्ज हुए 291 केस, 507 की हुई गिरफ्तारी

लखनऊ, 18 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पिछले 2 सालों में 291 केस दर्ज किए गए और 507 की गिरफ्तारी हुई है। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि दो साल पहले अवैध धर्मांतरण निषेध अधिनियम लागू होने के बाद से राज्य में जबरन धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवंबर 2020 से अब तक धर्मांतरण के 291 मामले दर्ज किए गए और 507 से अधिक को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस अधिनियम के तहत पंजीकृत 291 एफआईआर में गिरफ्तार किए गए 507 में से अभी तक किसी को भी दोषी नहीं ठहराया गया है। इन सभी मामलों में मुकदमे अदालतों में लंबित हैं।

कुल केस में से 59 मामले ऐसे हैं, जिनमें नाबालिगों का धर्मांतरण करवाया गया और 291 में से 150 ने इस बात की पुष्टि की कि उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया था। अधिकारी ने बताया कि इस अधिनियम के तहत सबसे ज्यादा मामले बरेली जिले में दर्ज किए गए हैं। हालांकि, यहां दर्ज मामलों की संख्या फिलहाल मौजूद नहीं है।

इसके अलावा, राज्य में विकलांग बच्चों का धर्मांतरण कराने वाले रैकेट का भी पर्दाफाश हुआ है। अधिकारी ने बताया कि कानून के अन्य प्रावधानों के तहत पहले भी जबरन धर्मांतरण के मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन 27 नवंबर, 2020 को इस अधिनियम के लागू होने के बाद जबरन धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कार्रवाई तेज कर दी गई है।

इस कानून के तहत दोषी पाए गए लोगों के लिए 10 साल तक के कारावास का प्रावधान है। इसके अलावा, जबरन धर्मांतरण के दोषी पर 15 हजार से 50 हजार तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। अधिनियम में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय की नाबालिगों और महिलाओं का धर्मांतरण कराने पर तीन से 10 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। कानून के मुताबिक, अगर कोई कपल इंटर-रिलिजन मैरिज की ख्वाहिश रखता है, तो उसे शादी करने से दो महीने पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होगा। कानून के अनुसार, यदि विवाह का एकमात्र उद्देश्य महिला का धर्म परिवर्तन करना हो तो ऐसी शादियों को अवैध माना जाएगा।

चप्पल में कटिंग कर मंगाया मोबाइल, जेल ले जाते हुए पकड़ाया

सीतामढ़ी जेल में दो मोबइल के साथ पकड़ाया कैदी, पेशी के दौरान कोर्ट में मंगवाया था

सीतामढ़ी, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सीतामढ़ी में एक कैदी फिल्मी स्टाइल में जेल के अंदर मोबाइल ले जाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन इससे पहले वह पकड़ा गया। दरअसल, गुरुवार को सीतामढ़ी कोर्ट में पेशी के बाद एक कैदी अपने चप्पल में मोबाइल सेट कर जेल के अंदर ले जा रहा था। लेकिन मेटल डिडेक्टर से जांच के दौरान पकड़ा गया। इसके बाद जेल अधीक्षक मनोज कुमार सिन्हा ने डुमरा थाना में उक्त कैदी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

पेशी के दौरान चप्पल में कटिंग कर मंगवाया था दो मोबाइल

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को सीतामढ़ी कोर्ट में तारीख पर जेल से कैदी को जज के सामने पेश करने के लिए लाया गया था। कोर्ट में हाजिर होने के दौरान अपने सहयोगी से चप्पल में कटिंग करवा उसके अंदर मोबाइल रखवाकर मंगाया था। इसके बाद वहीं चप्पल पहनकर वह कैदी जेल के लिए निकला। कोर्ट में पेशी के बाद जब कैदी को जेल लाया गया और जेल सुरक्षाकर्मियों के द्वारा मेटल डिटेक्टर से उसकी जांच की गई। जांच के दौरान उसके चप्पल से दो बटन वाला मोबाइल बरामद किए गए।

जेल अधीक्षक ने दर्ज कराई प्राथमिकी

मोबाइल मिलने के बाद जेल अधीक्षक मनोज कुमार सिन्हा के बयान पर गुरुवार की शाम डुमरा थाना में उक्त कैदी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इसमें बताया गया कि, कैदी बेला थाना कांड संख्या 116/ 22 का विचाराधीन कैदी है। इसको पहचान बथनाहा थाना क्षेत्र के बलहीन गांव निवासी हास्य मंसूरी के पुत्र मोहम्मद सादिक मंसूरी के रूप में की गई है।

बता दें कि कोर्ट में पेशी के दौरान कैदियों के द्वारा अपने परिवार और सहयोगी से मिलते हैं। इस दौरान लोग उनसे तरह-तरह की सामग्री मंगाते हैं। इसका कुछ कैदियों के द्वारा नाजायज फायदा उठाते हैं।

बिहार के सरकारी स्कूलों में गुरुजी ठोक रहे खैनी

हावर्ड यूनिवर्सिटी के सर्वे में बड़ा खुलासा तंबाकू मुक्त शिक्षा के लिए मॉडल तैयार

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के सरकारी स्कूलों में गुरुजी खैनी ठोक रहें हैं। टीचर के साथ मैट्रिक और इंटर में पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को भी खैनी की लत लग रही है। यह खुलासा हावर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मुंबई की हिलिस सेखसरिया इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ और स्कूल ऑफ प्रिवेंटिव ओंकोलॉजी पटना की तरफ से चलाए गए एक सर्वे में हुआ है। इतना ही नहीं प्रयास के बाद भी 20 प्रतिशत टीचर ऐसे हैं, जो तंबाकू की लत नहीं छोड़ पा रहे हैं। अब गुरुजी की लत छुड़ाने के लिए एक मॉडल तैयार किया गया है। बिहार में मुंह का कैंसर सबसे अधिक है, इसके बाद भी समाज को जगाने वाले टीचरों से ही खैनी की लत नहीं छूट पा रही है। हावर्ड यूनिवर्सिटी ने एक मॉडल तैयार किया है जिसके आधार पर बिहार में गुरुजी की खैनी की लत छुड़ाई जाएगी।

'तम्बाकू मुक्त शिक्षक-तम्बाकू मुक्त समाज' अभियान

बिहार में 'तम्बाकू मुक्त शिक्षक-तम्बाकू मुक्त समाज' के मकसद से 10 साल से बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। हावर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए, हिलिस सेखसरिया इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ, मुंबई और स्कूल ऑफ प्रिवेंटिव ओंकोलॉजी पटना की ओर से चलाए जा रहे इस अभियान में की रिपोर्ट गुरुवार को प्रस्तुत की गई। सर्वे करने वाली संस्था का दावा है कि उसके तैयार किए गए मॉडल पर काम किया जाए तो बिहार 'तम्बाकू मुक्त शिक्षक-तम्बाकू मुक्त समाज' का उदाहरण बन सकता है।

टीचरों को तंबाकू छुड़ाने का प्रयास

मुंबई के हिलिस सेखसरिया इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ के डॉ. धीरेंद्र नारायण सिन्हा ने बताया कि यह सिर्फ रिसर्च नहीं था, बल्कि बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के सहयोग से रिसर्च कर तंबाकू छुड़वाने का प्रयोग किया गया है। हालांकि उन्होंने बताया कि जो मॉडल लाया गया है, वह सफल रहा है। अब एक मार्गदर्शिका तैयार की गई, जिसे पुनः स्कूलों में इंप्लीमेंट कराया जा रहा है। तंबाकू निषेध की नीति का शत प्रतिशत पालन नहीं हो रहा है, इसके लिए स्कूलों में मार्गदर्शिका काफी काम आएगी।

बिहार के 10 जिलों में किया सर्वे

मुंबई के हिलिस सेखसरिया इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ के निदेशक डॉ. प्रकाश सी गुप्ता और डॉ. मंगेश पेडनेकर का कहना है कि वर्ष 2008 -2014 तक बिहार के दस जिलों गया, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पटना, भागलपुर, पूर्वी और पश्चिम चंपारण हाजीपुर, सारण और समस्तीपुर के 72 स्कूलों के 600 शिक्षकों को दो भागों में बांटा गया।

अब बिहार में बड़े अभियान की जरुरत

सर्वे में देखा गया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले शिक्षकों में 20 प्रतिशत शिक्षक तंबाकू का सेवन नहीं कर रहे हैं। वहीं अप्रशिक्षित शिक्षकों में अब पांच प्रतिशत शिक्षक तंबाकू का सेवन नहीं कर रहे थे।

संस्था का दावा है कि बिहार में सरकारी स्कूलों में तंबाकू छुड़ाने के लिए बड़े पैमाने पर काम करने की जरुरत है। टोबैको छुड़ाने के लिए यह हावर्ड यूनिवर्सिटी, हिलिस सेखसरिया इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ, मुंबई और स्कूल ऑफ प्रिवेंटिव ओंकोलॉजी पटना द्वारा तैयार कार्यक्रम तंबाकू निषेध नीति को लागू कराने में कारगर है। बस जो मॉडल हावर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा तैयार किया गया है उसका बिहार के सभी सरकारी स्कूलों में अच्छे क्रियान्यवन कराना होगा।

देर रात लगी भीषण आग

अवैध तरीके से बनायी गयी 100 झोपड़ियां रातों रात जलकर खाक

अररिया, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अररिया में एक भीषण अगलगी की घटना घटी है। अररिया प्रखंड के रामपुर मोहनपुर पश्चिमी पंचायत की ये घटना है जहां गुरुवार की मध्य रात्री अचानक आग ने तांडव मचा दिया। देखते ही देखते आग ने भयावह रूप ले लिया और करीब एक सौ झोपड़ी जलकर राख हो गयी। हालाकि आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है। दमकल की गाड़ियों के साथ पहुंचे अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अररिया प्रखंड के रामपुर मोहनपुर पश्चिमी पंचायत स्थित सरकारी खेल मैदान रामपुर में अगलगी की बड़ी घटना घटी। यहां अवैध तरीके से बनाए गये करीब 100 झोपड़ियों को आग ने अपनी जद में ले लिया और देखते ही देखते ये झोपड़ियां जलकर खाक हो गयी। आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही आस-पास के लोगों में भी अफरा-तफरी मच गयी। झोपड़ियों में लगी आग की इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इस भीषण अगलगी की सूचना ने अग्निशमन विभाग के भी नींद उड़ा दिये। दमकल की दो बड़ी व तीन छोटी वाहन लेकर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ की छह करोड़ की संपत्ति कुर्क, देवघाट झलवा में हुई कार्रवाई

प्रयागराज, 18 नवंबर (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ की देवघाट झलवा में स्थित करीब छह करोड़ की प्रॉपर्टी को बृहस्पतिवार को कुर्क कर दिया गया। मुनादी कराने के बाद पुलिस ने संपत्ति को सीज कर दिया और वहां प्रशासन का बोर्ड लगा दिया। कुछ दिन पहले ही उसकी प्रॉपर्टी को चिन्हित किया गया था। बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ पहुंची अधिकारियों की टीम ने उसकी संपत्ति को अटैच कर दिया। देवघाट झलवा में अशरफ और उसके गुर्गों ने 14 बिस्वा जमीन पर अवैध रूप से प्लाटिंग की थी।

राजद विधायक के होटल पर छापेमारी जारी

विधायक के कमरे को अधिकारियों ने किया सील, एक कमरे का ताला तोड़ा

सासाराम, 18 नवंबर (एजेंसियां)। रोहतास जिले के डेहरी के राजद विधायक फतेह बहादुर सिंह के होटल पर गुरुवार रात से शुरू हुई छापेमारी शुक्रवार सुबह तक जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक के पटना के मौर्य पथ स्थित फ्लैट और बारून निवासी उनके एक नजदीकी के आवास पर भी छापेमारी चल रही है। ज्ञात हो कि विधायक के डेहरी स्थित होटल बुद्धा बिहार होटल पर गुरुवार की शाम होटल में सब कुछ सामान्य चल रहा था कि अचानक तीन लग्जरी वाहनों में इनकम टैक्स के अधिकारी होटल के अंदर प्रवेश किए। होटल में तैनात सुरक्षा गार्ड ने जैसे ही सादे लिबास में आए, इनकम टैक्स के अधिकारियों से उनका परिचय पूछा तो अधिकारियों ने कहा कि हम इनकम टैक्स पटना से आए हैं। इतना सुनने के बाद होटल कर्मी भी सकते में आ गए और इनकम टैक्स अधिकारियों ने ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी।

शुक्रवार सुबह भी छापेमारी जारी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार छापेमारी टीम ने होटल के एक कमरे का ताला तोड़ा है। वहीं होटल में विधायक के आवासीस कमरे को सिल कर दिया है। पटना में छापेमारी के दौरान विधायक एवं उनके परिजनों के मोबाइल भी जब्त कर लिए गए हैं। वहीं बताते हैं कि विधायक के नजदीकी एक चावल व्यवसायी के बारून स्थित आवास पर भी छापेमारी की जा रही है। यद्यपि अभी छापेमारी को लेकर कोई अधिकारिक जानकारी विभाग द्वारा नहीं दी गई है। यद्यपि घटनाक्रम को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। विधायक के समर्थकों में आक्रोश है।

उल्लेखनीय है कि फतेह बहादुर सिंह पहली बार विधायक बने हैं। यह चुनाव से पहले राजद में शामिल हुए और टिकट मिलने के बाद चुनाव जीतने में सफल रहे थे। उन्होंने भाजपा से यी सीट छीनी थी। बताते हैं कि विधायक का होटल के अलावे अन्य व्यवसाय भी है।

बुलेट ट्रेन का काम अब धरातल पर शुरू

बिहार में तीन जगह ठहराव

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मेट्रो के बाद अब पटना में बुलेट ट्रेन को लेकर भी जमीन पर काम शुरू होता दिख रहा है। बुलेट ट्रेन के लिए तय एलाइनमेंट के अनुसार दिल्ली से कोलकाता जानेवाली बुलेट ट्रेन बिहार के गया होकर गुजरेगी। बिहार में बुलेट ट्रेन के लिए अब तक तीन ठहराव तय हुए हैं। बक्सर, पटना और गया। इन तीनों जगहों पर स्टेशन बनाने का काम शुरू होना है। जानकारी के अनुसार पटना के फुलबाड़ी या फिर बिहटा इलाके में एक स्टेशन का निर्माण कराया जायेगा।

पटना एम्स के पास स्टेशन बनने की संभावना

जगह को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हो सका है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि फुलबाड़ीशरीफ में अगर बुलेट ट्रेन के लिए स्टेशन का निर्माण होता है तो पटना के लोगों को करीब 15 किमी और बिहटा में बनने पर करीब 25 किमी का सफर तय करना होगा। ऐसे में पटना शहर के विस्तार और भविष्य की योजनाओं को देखते हुए स्थान का निर्धारण किया जायेगा। वैसे उम्मीद जतायी जा रही है कि बुलेट ट्रेन का स्टेशन पटना एम्स के आसपास बनाने पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत बनने जा रहे दिल्ली-हाबड़ा कोरिडोर पूरी तरह ये एलिवेटेड होगा। एलिवेटेड रेलखंड की ऊंचाई करीब दो मंजिला मकान के लगभग होगी। यह रेलखंड दिल्ली से वाराणसी, लखनऊ, बक्सर, पटना होते हुए हावड़ा तक बनेगा। पटना और दिल्ली के बीच केवल तीन जगहों पर बुलेट ट्रेन का ठहराव होगा। इधर, पटना के बाद गया होते हुए ट्रेन हावड़ा तक जायेगी।

दुल्हन देखने बरेली पहुंचा फर्जी दरोगा अरेस्ट

महिला वकील ने कॉफी के बहाने बुलाया, बेढंगी वर्दी देख शक हुआ, थाने में बोला- मुझसे गलती हुई

बरेली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली में एक फर्जी दरोगा पकड़ा गया है। वो खुद को दरोगा बताकर शादी के लिए दुल्हन देखने पहुंचा था। युवक 2 महीने से युवती से बातचीत कर रहा था। युवती पेशे से वकील है। उसने ट्रेनिंग सेंटर और थाने से जांच कराई, तो युवक का झूठ सामने आ गया।

इसके बाद युवती ने कहा कि तुम बरेली मुझसे मिलने आना। एक साथ काफी पियेंगे। युवती ने पुलिस बुलाकर युवक को वर्दी में ही अरेस्ट करा दिया।

इस केस को खोलने वाली लड़की पेशे से वकील है। बरेली कचहरी में प्रैक्टिस करती है। उसकी दोस्ती 2 महीने पहले सत्यम तिवारी से हुई। उसने खुद को दरोगा बताया। युवती ने बताया कि मैं ब्राहमण हूं, जिसके बाद आरोपी सत्यम ने कहा कि मैं भी पंडित हूं। दोनों की मैसेंजर में बातचीत होने लगी। आरोपी शादी करने के लिए बात करने लगा, इस पर युवती भी सहमत हो गई। सत्यम ने खुद को बताया कि मैं 2019 बैच का दरोगा हूं और इस समय लखनऊ के हजरतगंज थाने में तैनात हूं। मैं सुपर कॉप है। कई केस सॉल्व किए हैं। लाइम लाइट से दूर रहता है। दरोगा ने अपने वर्दी के फोटो भी युवती को भेजे।

लड़की ने पूछा तुम वर्दी में क्यों आए ?

युवती ने कहा कि मेरे परिवार वाले आपका घर बार देखने आएंगे। उसके बाद आगे बातचीत बढ़ाई जाएगी। युवक ने कहा कि मेरे पिता की मौत हो चुकी है, मम्मी गांव में बनारस में रहती हैं। मैं ही बरेली आ जाता हूं। इसी बीच युवती ने पता कराया तो पता चला कि इस नाम का हजरतगंज थाने में कोई दरोगा नहीं है।

गुरुवार को दरोगा वर्दी पहनकर बरेली पहुंचा। युवती ने कहा कि तुम दरोगा हो तो फिर वर्दी में आने की क्या जरूरत है, क्या कोई लड़की देखने वर्दी में जाता है। इस पर दरोगा हिचकने लगा।

3 बटा 25 की फर्द ने खोली सच्चाई

युवती ने दरोगा से पूछा कि अच्छा मुझे आप पसंद हैं, लेकिन घर परिवार को भी मेरे परिवार वाले देखेंगे। जिसके बाद युवती ने पूछा कि अब तो ट्रेनिंग हो गई। थाने में भी एक साल का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है यह बताओ 3 बटा 25 की फर्द कैसे बनती है। इस पर दरोगा भागने लगा। जिसके बाद युवती ने शोर मचाकर पकड़ लिया। सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद पुलिस फर्जी दरोगा को कोतवाली थाने लेकर पहुंची। यहां दरोगा अपनी पूरी डिटेल तक नहीं दे सका। बोला- मुझसे गलती हो गई।

एक महीने पहले आरोपी बरेली होकर गुजर रहा था। वकील लड़की उससे मिलने पहुंची। युवती ने जब ट्रेनिंग सेंटर के बारे में पूछा तो आरोपी टाल गया।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर हमला

हाजीपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। हाजीपुर के गर्दनिया चौक पर वाहन चेकिंग के दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। हमले में एक दरोगा सहित चार सिपाही घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपी को दबोच लिया। मामला नगर थाना क्षेत्र गर्दनिया चौक की घटना है। हमले में दरोगा घायल हो गए और उनकी हाथ की उंगलियां टूट गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिहार के वाटरफॉल और पैलेस बने प्री वेंडिग शूट के न्यू डेस्टिनेशन

पांच मिनट के लिए खर्च हो रहे 75 हजार

पटना, 18 नवंबर (एजेंसियां)। शादी हर किसी की जिंदगी का सबसे खास लम्हा होता है। पहले शादी की रस्मों पर अधिक ध्यान देते थे, लेकिन आजकल कपल्स का ध्यान प्री-वेडिंग शूट पर होता है। प्री-वेडिंग शूट का क्रेज आजकल बहुत ज्यादा हो गया है। प्री वेडिंग शूट से दूल्हा-दुल्हन पोज देने में काफी फ्रेंडली हो जाते हैं। कपल्स अपनी शादी को यादगार बनाने के लिए विभिन्न जगहों पर फोटोशूट कराते हैं। जिनसे उनकी स्वीट मेमोरी जुड़ी रहती है। पटना शहर के विभिन्न फोटोग्राफरों की मानें तो लोगों को विभिन्न तरह के एक्सपेरिमेंट करना चाहते हैं। बिहार में पहले पटना ही एक लोकेशन था, जहां सबसे ज्यादा प्री वेडिंग शूट होते थे। लेकिन आज के दौर में बिहार के विभिन्न टूरिस्ट स्पॉट, कैमूर की पहाड़ियों, डैम और वाटरफॉल, बिहार के ऐतिहासिक स्थल पर भी फोटो शूट के लिए जा रहे है। प्री-वेडिंग शूट का क्रेज आजकल बहुत ज्यादा हो गया है। बिहार के विभिन्न टूरिस्ट स्पॉट, कैमूर की पहाड़ियों, डैम और वाटरफॉल पहुंच कर अपनी पसंदीदा गानों पर वीडियो और फोटोशूट करवाते हैं। दुल्हा-दुल्हन की पहली पसंद बिहार के विभिन्न स्पॉट बने हैं। कोरोना के बाद लग्न में प्री-वेडिंग की डिमांड बढ़ी है। मधुबनी के राजनगर, कैमूर के करमचट डैम, तेलहर वाटर फॉल, जगदहवा वाटर फॉल के साथ बांका के केम चंदन डैम, विलासी डैम, राजगीर और डुमरांव के राजगढ़ डुमरांव पैलेस के साथ रोहतास व राजगीर के स्पॉट पर प्री वेडिंग शूट के लिए जा रहे है।

उदयपुर रेलवे ब्रिज ब्लास्ट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

सामने आई घटना के पीछे की वजह

उदयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर रेलवे ब्रिज ब्लास्ट मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी का नाम धूलचंद मीणा बताया जा रहा है। पुलिस ने उसे ओढ़ा रेलवे ट्रैक के पास मौजूद एक गांव से पकड़ा है। राजस्थान पुलिस की शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मीणा की जमीन रेलवे ट्रैक और पुल बनाने के लिए अधिग्रहित हुई थी। जिसका उसे मुआवजा नहीं मिला था। इसी बात को लेकर वह नाराज था। जिसके चलते उसने इस घटना को अंजाम दिया था। उदयपुर से अहमदाबाद के बीच नई रेलवे लाइन बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर को इस लाइन का लोकार्पण किया था। बीते शनिवार को उदयपुर से 35 किलोमीटर दूर सलूम्बर मार्ग पर बने ओढ़ा रेलवे ब्रिज पर रात करीब 10 बजे धमाके की आवाज आई। इससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

कुछ लोग रेलवे ब्रिज पर पहुंचे तो पटरी कई जगह से टूटी हुई मिली। रेलवे लाइन पर बारूद मिला। पुल के नट-बोल्ट भी गायब मिले। ट्रैक पर लोहे की चादर भी उखड़ी मिली। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद रेलवे ने इस ट्रैक से गुजरने वाली सभी ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया। आतंकी घटना की आशंका को देखते हुए रविवार सुबह एटीएस की टीम भी पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

11 साल बाद डीएसपी समेत 30 को उम्र कैद

सीआई फूल मोहम्मद हत्याकांड मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला

सवाई माधोपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सवाईमाधोपुर के मानटाउन थाने के सीआई फूल मोहम्मद हत्याकांड मामले में 11 साल बाद आज दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। कोर्ट ने तत्कालीन डीएसपी महेंद्र सिंह समेत 30 को दोषी माना था। पुलिस कस्टडी में सभी आरोपियों को कोर्ट लाया गया था।

सवाईमाधोपुर के लिए यह एक बहुत बड़ा मामला है। 11 साल पहले भीड़ ने फूल मोहम्मद को जिंदा जला दिया था। मामले में कोर्ट ने बुधवार को 89 आरोपियों के खिलाफ अंतिम सुनवाई की थी। कोर्ट ट्रायल के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई थी। जबकि दो बाल अपचारी थे। वहीं तीन लोग फरार थे। कोर्ट ने 30 आरोपियों को दोषी माना था। जिसमें तत्कालीन डीएसपी महेन्द्र सिंह भी शामिल है। जबकि 49 लोगों को बरी किया गया था।

डूंगरपुर में नदी में मिले जिलेटिन की छड़ों से भरे बोरे

बीते बुधवार को उदयपुर से करीब 70 किमी दूर डूंगरपुर जिले के आसपुर में जिलेटिन से भरे 10 बोरे नदी के पास पड़े मिले थे। भबराना गांव में स्थित सोम नदी पर बने पुल के पास ग्रामीणों ने नदी में 10 बोरे पड़े देखे तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और नदी से बोरों को बाहर निकाला गया। जब उन्हें खोलकर देखा गया तो उसमें से भारी मात्रा में जिलेटिन की छड़ें बरामद की गईं। जिलेटिन के बोरों पर राजस्थान का पता लिखा हुआ था, लेकिन भीग जाने के कारण कुछ स्पष्ट नहीं था। यह जिलेटिन की छड़ें इतनी पावरफुल थी कि करीब 200 वर्ग फीट से अधिक क्षेत्र को बर्बाद कर सकती हैं।

मदेरणा फिर मुखर

भारत जोड़ो यात्रा में जिम्मेदारी संभाल रहे नेताओं पर उठाए सवाल

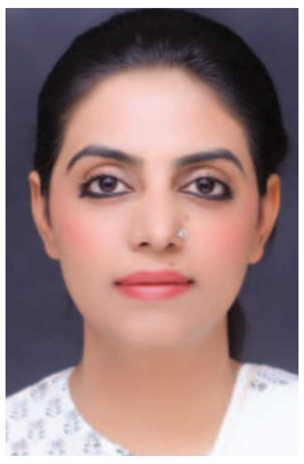

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा ने प्रदेश प्रभारी अजय माकन के इस्तीफा मुद्दे के बहाने 25 सितम्बर की घटना में नोटिस मिलने वाले नेताओं पर हमला बोला है। मदेरणा ने अंग्रेजी में लिखे ट्वीट में कहा है, कि खड़गे को अजय माकन का इस्तीफा स्वीकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि बागी यही चाहते हैं। वो चाहते हैं कि जो लोग गांधी परिवार के प्रति निष्ठा करने वाले और पार्टी के प्रति वफादार हैं, उनकी ब्लैकमेलिंग के आगे झुक जाएं।

उन्होंने कहा कि माकन ने इस्तीफा दिया है, लेकिन होना इसका उल्टा चाहिए था। जिन बागियों को अनुशासनहीनता का नोटिस जारी किया गया, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी। ऐसा नहीं हुआ तो स्वाभिमानी व्यक्ति के पास पद छोड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। आलाकमान ने उन्हें एक लाइन का प्रस्ताव पारित करने के लिए विधायक दल बैठक लेने जयपुर भेजा था और उसके बाद जो कुछ हुआ, वह इतिहास है, लेकिन हम इस तरह के इतिहास के साथ जनता में सकारात्मक संदेश नहीं दे सकते। मदेरणा ने इस बात पर भी नाराजगी जताई है कि भारत जोड़ो यात्रा की जिम्मेदारी जिन लोगों को दी गई है, वो जांच के घेरे में हैं।

कुख्यात मोग्या गैंग के 5 बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

लालसोट, 18 नवंबर (एजेंसियां)। दौसा पुलिस की स्पेशल टीम ने मंडावरी में हुई डकैती व फायरिंग की घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय नकबजनी व डकैती गैंग के 5 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। एसपी संजीव नैन ने वारदात का खुलासा करते बताया कि 30 अक्टूबर की रात को वारदात को अंजाम देने में 7-8 बदमाश शामिल थे। जिनमें से मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के निवासी सागर मोग्या, सोनू आदिवासी, मोहन सिंह, आकाश मोग्या व वीरपाल मोग्या को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं फरार चल रहे अन्य बदमाशों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी बदमाश मोग्या गैंग के सदस्य हैं, जो यहां से पहले टोंक, महुवा व कोलवा समेत कई अन्य जगहों पर वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। ऐसे में वारदात में शामिल अन्य बदमाशों का पता लगाने के लिए पुलिस इनसे गहन पूछताछ में जुटी है। एसपी ने बताया कि गिरोह के सदस्य बेहद शातिर तरीके से वारदातों को अंजाम देते हैं। पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह के कुछ बदमाश जहां वारदात करनी होती है वहां जाकर रेकी करते हैं। इसके बाद बाइक से वारदात स्थल से कुछ दूरी पर रुकते हैं, इनमें से कई बदमाश पैदल चलकर आबादी क्षेत्र में चिन्हित की गई जगह पर वारदातों को अंजाम देने घरों में घुसते हैं। इस दौरान जाग होने या विरोध करने पर धमकाते हैं तथा ज्यादा विरोध करने पर फायरिंग भी कर देते हैं। इनकी टीम में 15 से 20 बदमाश है जो अलग.अलग जगहों पर वारदातों को अंजाम देते हैं।

अजमेर में पत्नी और सास को चाकू से गोदा

पिता की हैवानियत देख सहमी बेटी कमरे में हो गई बंद

अजमेर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर में ससुराल आए एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और सास को चाकू से बेरहमी से गोद दिया। वहीं आरोपी की हैवानियत देखकर उसकी 13 साल की बेटी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। आरोपी खून से सना चाकू लेकर करीब आधे घंटे तक खड़ा रहा। घायल मां-बेटी को जेएलएन अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मलूसर रोड शांतिनगर तालाब के पास निवासी ईश्वरदास के यहां गुरुवार अपराह्न साढ़े 3 बजे दामाद दिनेश दोड़िया चाकू लेकर घुस गया। उसने बेटी एकता को ले जाने से रोकने वाले को मारने की धमकी दी। जैसे ही पत्नी कमरे से बाहर आई, उसने चाकू से कमर और पेट के पास ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बेटी को बचाने के लिए 71 वर्षीय चम्पा देवी दौड़ी। आरोपी ने वृद्धा पर भी हमला कर दिया और चाकू घोंपते हुए उसने बेरहमी से गला रेत दिया।

मां और नानी को लहूलुहान देख बेटी एकता ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर बड़ी संख्या में पड़ोसी जुट गए, लेकिन आरोपी चाकू लहराता रहा। सूचना पर क्लॉक टावर थाने के दो सिपाही मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी को खून से सने चाकू के साथ दबोच लिया, जबकि जख्मी मां-बेटी को एम्बुलेंस से जेएलएन अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

गेपरनाथ कुंड में डूबने से एलन कोचिंग छात्र सहित दो छात्रों की मौत

कोटा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। आरके पुरम थाना क्षेत्र में शुक्रवार को नगर निगम गोताखोर टीम ने गेपरनाथ कुंड से दो कोचिंग छात्रों के शवों को निकालकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है । दोनों छात्र गुरुवार देर रात को गेपरनाथ कुंड में नहाते समय डूब गए थे जिससे दोनों की मौत हो गई । जानकारी के अनुसार गेपरनाथ महादेव मंदिर के नजदीक तीन दोस्त गुरुवार को गेपरनाथ झरने व कुंड में नहाने के लिए गए थे, जहां पर दो दोस्त गहरे पानी में चले गए और डूब गए। इसकी जानकारी तीसरे छात्र ने स्थानीय लोगों और हॉस्टल संचालक के जरिए पुलिस तक पहुंचाई।

गोताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद देर रात को ही नगर निगम की गोताखोर टीम ने रेस्क्यू शुरू किया था, लेकिन अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू नहीं हो पाया। शुक्रवार सुबह से ही ऑपरेशन को शुरू कर दिया गया, जिसके बाद स्कूबा डाइविंग कर करीब 30 फीट नीचे से दोनों के शवों को बाहर निकाला गया। उप अधीक्षक प्रथम अमर सिंह राठौड़ ने बताया कि मृतक छात्रों में बिहार के बुंदेलखंड निवासी रवि मेहरान (20) और मध्य प्रदेश के सागर जिला निवासी नैतिक (17) है। वहीं सूचना देने वाला छात्र मयंक मिश्रा है। तीनों इंद्रा विहार स्थित एक हॉस्टल में रहते थे। मृतक दोनों छात्र इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कोटा के अलग-अलग कोचिंग संस्थानों में कर रहे थे। गोताखोरों ने दोनों के शव बाहर निकाल कर पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। मृतक छात्रों के परिजनों को भी सूचना दे दी गई है ।

कर्नल बैंसला के बेटे बोले

गुर्जर विधायक 'थाल में बैंगन' जैसे

कहा-चेतावनी पर कायम, राहुल को घुसने नहीं देंगे; गहलोत नहीं समझते बात

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 3 दिसंबर को राजस्थान में आ रही है, लेकिन इससे पहले ही कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे और गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने यात्रा का विरोध करने की चेतावनी दी है।

उनका कहना है कि सरकार ने 2019 में गुर्जर समाज के साथ जो समझौता किया था, उसको अगले 20 दिन में पूरी तरह से लागू नहीं किया तो वे राहुल गांधी की यात्रा को राजस्थान में घुसने नहीं देंगे। उनकी धमकी के बाद कांग्रेस की राजनीति में बवाल मचा हुआ है। राजस्थान में सीएम की कुर्सी को लेकर चल रही खींचतान के बीच उनकी धमकी के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। सचिन पायलट समर्थक और विप्र बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा हाल ही कांग्रेस अध्यक्ष से मिले। उन्होंने विजय बैंसला और आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ का एक फोटो उन्हें देते हुए आरोप लगाया है कि बैंसला राहुल की यात्रा का विरोध पायलट को डैमेज करने के लिए कर रहे हैं। इसमें गहलोत खेमे के धर्मेंद्र राठौड़ का हाथ है।

विजय बैंसला ने कहा कि- मैं अपने समाज के युवाओं के भविष्य के लिए लड़ रहा हूं। सरकार से हुए 2019 के समझौते के मुताबिक गुर्जर समाज के लोगों के पुलिस केस खत्म करने, नौकरियों में बैकलॉग पूरा करने, रीट के 233 पदों सहित प्रक्रियाधीन भर्तियों में हक दिलवाने और देवनारायण योजना की पेंडिंग स्कॉलरशिप दिलवाने जैसी मांग के लिए लड़ रहा हूं। इसलिए राठौड़ से लेकर सीएम समेत कई नेताओं और अफसरों से मिला हूं।

बातचीत में उन्होंने दोहरा भी दिया कि समझौते को लागू करवाने के लिए वे राहुल गांधी की यात्रा के विरोध की चेतावनी पर कायम हैं, राहुल को राजस्थान में घुसने नहीं देंगे। एक राजेश पायलट जी थे, एक कर्नल बैंसला जी थे, दोनों अब नहीं रहे दुनिया में, लेकिन हमको उनसे एक चीज सीखनी चाहिए कि आप जिस जाति से हो तो छाती तान कर खड़े हो। गुर्जर हैं इसीलिए तो ये सब गुर्जर बहुल क्षेत्र से लड़ते हैं, नहीं तो गंगानगर से लड़ें, हनुमानगढ़ टाउन से लड़ें, लेकिन लड़ेंगे सब के सब वहीं से तो फिर गुर्जर कहलाने में किस बात की शर्म?

गायत्री देवी की वसीयत पर देवराज और लालित्या को राहत

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर महानगर-प्रथम क्षेत्र की एडीजे-2 कोर्ट ने पूर्व राजमाता एवं जयपुर की पूर्व सांसद दिवंगत गायत्री देवी की वसीयत के मामले में उनके पोते देवराज व पोती लालित्या को राहत दी है। कोर्ट ने पृथ्वीराज, विजीत सिंह व उर्वशी देवी की ओर से इस मामले में 11 साल पहले पेश अस्थाई निषेधाज्ञा के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

प्रार्थना पत्र में गायत्री देवी की वसीयत पर फैसला आने तक इसमें उल्लेखित सम्पत्ति के बारे में देवराज और लालित्या को कोई भी निर्णय लेने से रोकने का आग्रह किया गया था। जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य पृथ्वीराज, विजीत सिंह व उर्वशी देवी ने गायत्री देवी की वसीयत को अवैध घोषित करवाने के लिए दावा पेश किया था और उसी के साथ यह प्रार्थना पत्र पेश किया था। गायत्री देवी ने वर्ष 2009 में वसीयत के माध्यम से अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति व अधिकार दिवंगत जगत सिंह के पुत्र देवराज व पुत्री लालित्या को सौंप दिए।

पृथ्वीराज सहित तीनों याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि जगत सिंह गायत्री देवी का बेटा नहीं था, उसे बहादुर सिंह को गोद दे दिया गया था। दत्तक सदैव दत्तक रहता है, वापस नहीं आ सकता। इस पर देवराज-लालित्या की ओर से अधिवक्ता रजत रंजन ने कहा कि जगत सिंह को सवाई मानसिंह व गायत्री देवी ने बेटा माना और अपनी पुस्तक में इसका जिक्र भी किया है।

न्यायाधीश अरविंद कुमार जांगिड़ ने सुप्रीम कोर्ट के गायत्री देवी के शेयर देवराज-लालित्या को ट्रांसफर करने के आदेश का हवाला देकर कहा कि याचिकाकर्ता अस्थाई निषेधाज्ञा के प्रार्थना पत्र के पक्ष में प्रभावी तथ्य पेश नहीं कर पाए, इस कारण प्रार्थना पत्र खारिज किया जा रहा है।

12 उम्मीदवारों ने 14 नामांकन पत्र किए दाखिल

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश की सरदारशहर जिला चुरू विधानसभा के उपचुनाव के लिए नामांकन के आखिरी दिन तक कुल 12 उम्मीदवारों ने 14 नामांकन पत्र दाखिल किए। गुप्ता ने बताया कि 10 नवंबर को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन पत्र भरने का कार्य प्रारंभ हो गया था और 17 नवंबर नामांकन की आखिरी तिथि तक 12 उम्मीदवारों से कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच व संवीक्षा 18 नवंबर को प्रातः 11 बजे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में की जाएगी।

सरदारशहर सीट पर अनिल शर्मा-अशोक पिंचा में मुकाबला, सीट पर जाटों का दबदबा

चूरू, 18 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चूरू जिले की सरदारशहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। कांग्रेस ने स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा के बेटे अनिल शर्मा को टिकट दे दिया है। वहीं, भाजपा ने अशोक कुमार पिंचा को उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया है। वैसे तो यह महज एक उपचुनाव है, लेकिन इसे 2023 विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल कहा जा रहा है। सीएम अशोक गहलोत हर हाल में यह सीट जीतकर अपनी धाक साबित करना चाहते हैं।

उधर, भाजपा यह उपचुनाव जीतकर कर 2023 के फाइनल की राह आसान करना चाहती है। हालांकि, किसे जीत मिलेगी और किसे हार इसका फैसला 5 दिसंबर को मतदान की तारीख के दिन जनता करेगी। 8 दिसंबर को वोटों की गिनती के बाद तस्वीरें साफ हो जाएगा, लेकिन इससे पहले दोनों प्रत्याशियों और चुनावी गणित के बारे में जान लेते हैं। सरदारशहर की सीट कांग्रेस के कद्दावर नेता पंडित भंवरलाल शर्मा के निधन से खाली हुई है। भंवरलाल शर्मा 7 बार विधायक भी रह चुके हैं। लंबी बीमारी के बाद 9 अक्टूबर को उनका निधन हो गया था। सहानुभूति को देखते हुए कांग्रेस ने भंवरलाल शर्मा के बेटे अनिल शर्मा को टिकट दे दिया है। अनिल शर्मा राजस्थान आर्थिक पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन हैं। गहलोत सरकार में उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा भी मिला हुआ है। बताया जा रहा है कि अनिल शर्मा का टिकट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने फाइनल किया था। जिसके बाद एआईसीसी के जनरल सेक्रेट्री इंचार्ज मुकुल वासनिक ने प्रेस रिलीज निकालकर सार्वजनिक घोषणा की थी।

भाजपा ने अशोक कुमार पिंचा को दिया टिकट

भाजपा ने पूर्व विधायक अशोक कुमार पिंचा को उपचुनाव में प्रत्याशी बनाया है। पिंचा सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र से पांच बार चुनाव लड़ चुके हैं। साल 2008 के विधानसभा चुनाव में वह भाजपा की ओर से विधायक चुने गए, जबकि चार बार उनकी हार हुई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के भंवर लाल शर्मा ने पिंचा को करीब 17 हजार मतों से हराया था। उपचुनाव में भाजपा ने पिंचा को एक बार फिर मौका दिया है।

मलबे में दबकर दो मजदूरों की मौत

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर के कालवाड़ इलाके में सीवर प्लांट की रखरखाव के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया है। मजदूर सीवर प्लांट में नीचे उतर कर वॉल्व की लीकेज ठीक करने गए थे, इसी दौरान ऊपर से मलबा ढह गया। जिसमें तीन मजदूर दब गए। हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई। मजदूरों के प्लांट के मलबे में दबे होने की जानकारी मिलने पर सिविल डिफेंस की टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने मशीन चालू कर पहले मलबे को बाहर निकाला। जिसमें तीनों मजदूरों को निकाला गया। तीनों को निजी अस्पताल भेजा गया, जहां पर दो की मौत हो गई। एक की हालत में सुधार हुआ है। मृतकों की पहचान कालवाड़ निवासी विनोद और सन्नी के रूप में हुई हैं।

एक दिन पहले इस्तीफा देने वाले माकन स्टार प्रचारक

सरदारशहर उपचुनाव के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में ना जोशी-धारीवाल ना दिव्या

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सियासी संकट के बीच कांग्रेस ने सरदारशहर के उपचुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी। 5 दिसम्बर को सरदारशहर सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए 40 नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया गया है। ये नेता सरदारशहर जाकर कांग्रेस के लिए प्रचार करेंगे। इस सूची में सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट तो हैं मगर सबसे चौंकाने वाला नाम प्रदेश प्रभारी अजय माकन का है। प्रदेश प्रभारी अजय माकन के इस्तीफे की पेशकश से जुड़ी चिठ्ठी 16 नवम्बर को सामने आ गई थी। इसमें माकन ने 25 सितम्बर को हुई अनुशासनहीनता के दोषी तीनों नेताओं पर कार्रवाई नहीं होने के बजाय उन्हें तवज्जो देने की बात कही थी। माकन के इस विरोधी तेवरों के बावजूद एक दिन बाद गुरुवार को जारी हुई लिस्ट में उन्हें स्टार प्रचारक बनाया गया है। हालांकि माकन का इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। मगर इस सूची के जारी होने के बाद चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं।

माकन को शामिल करने के कई सियासी मायने

माकन को स्टार प्रचारक बनाए जाने के कई सियासी मायने निकलते हैं। लिस्ट जारी होने के बाद यह कहा जा रहा है कि संगठन पार्टी लाइन पर चल रहा है। ऐसे में इस सूची को राजस्थान में माकन की नाराजगी को दूर करने के तौर पर देखा जा रहा है। इसे इस रूप में भी लिया जा रहा है कि माकन राजस्थान में बने रहें। कई नेताओं का मानना है कि फिलहाल कांग्रेस अध्यक्ष ने माकन का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। ऐसे में वे प्रभारी रहेंगे या नहीं इसका फैसला खड़गे के हाथों में होगा। कांग्रेस ने सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, सचिन पायलट, अजय माकन सहित कई मंत्री और विधायक हैं। इनमें पायलट खेमे के भी कई लोगों को शामिल किया गया है। 40 प्रचारकों की सूची में ज्यादातर नेता गहलोत खेमे से हैं। वहीं पायलट खेमे से भी कुछ नेताओं को शामिल किया गया है। इनमें ब्रजेंद्र ओला, मुरारी लाल मीणा, राजेंद्र पारीक सहित कुछ नेता हैं।

जोशी-धारीवाल, दिव्या-गुढ़ा शामिल नहीं

स्टार प्रचारकों की सूची से उन नेताओं को बाहर रखा गया है जो पिछले दिनों काफी चर्चा में रहे। इनमें यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, जलदाय मंत्री महेश जोशी को शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा लगातार गहलोत खेमे पर हमलावर रहे मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा और दिव्या मदेरणा को भी इस सूची में नहीं रखा गया है। वहीं पंजाब के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी को भी स्टार प्रचारक नहीं बनाया गया है।

प्रचार से दिखेगी दोनों पार्टियों की एकजुटता

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बीजेपी और कांग्रेस ने सभी खेमे के नेताओं को स्टार प्रचारक तो बना दिया। मगर उपचुनाव में पार्टी के प्रचार में कौन आता है और कौन नहीं। इससे दोनों ही पार्टियों की एकजुटता को लेकर स्थितियां स्पष्ट होंगी। कांग्रेस में जहां गहलोत और पायलट दोनों स्टार प्रचारक हैं। वहीं बीजेपी में सतीश पूनिया और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है।

युवाओं को सुरक्षित और आपदा प्रतिरोधी भारत के लिए प्रोत्साहन की जरूरत : यज्ञ नारायण

ए.वी. कॉलेज में आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एशियाई अध्ययन संस्थान और ए.वी. कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, गगनमहल के संयुक्त तत्वावधान में 'आपदा प्रबंधन : तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्वास' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन युवाओं को एक सुरक्षित और आपदा प्रतिरोधी भारत बनाने के लिए प्रोत्साहित करने और तैयार करने के लिए किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को ज्ञान, नवाचार और शिक्षा के माध्यम से सभी स्तरों पर रोकथाम, तैयारी और लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करना है। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग के डीएफओ यज्ञ नारायण ने विशेष रूप से एनडीएमए, एसडीएमए और डीडीएमए जैसे संगठनों की भागीदारी के साथ आपदा प्रबंधन के महत्व और प्रासंगिकता के बारे में बात की। ए.पी.वी. रेड्डी, अध्यक्ष, आईओएएस और सचिव, ए.वी. एजुकेशन सोसाइटी ने समारोह की अध्यक्षता की और आपदा की स्थिति में तैयार रहने के महत्व के बारे में बताया। ए.वी. एजुकेशन सोसाइटी के उपाध्यक्ष प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी ने हैदराबाद के इतिहास में होने वाली आपदाओं और उनका प्रबंधन कैसे किया गया, इस पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे हमें खुद को तैयार करने के लिए खुद को विकसित करने की जरूरत है, एक आकस्मिक योजना के साथ हमेशा तैयार रहें। प्रो.पी.बुचा रेड्डी, कोषाध्यक्ष, आईओएएस, डॉ. पी. पद्मा, उप-प्राचार्य, ए.वी. कॉलेज ने अपने-अपने संस्थानों के बारे में बात की। इस अवसर पर के. किशन, चीफ इंजीनियर, पीएच एंड मेड (टीएस), जीएचएमसी, टी. सुधीर बाबू, सीनियर सीडीआई/मुख्यालय दक्षिण मध्य रेलवे और रोहन मार्क, सलाहकार, डीआरआर और इमरजेंसी, यूनिसेफ इंडिया विभिन्न तकनीकी सत्रों के वक्ता थे।

असली देश भक्तों को नजरअंदाज कर रहे हैं भाजपा नेता : वीएच

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष वीएच की ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि बीजेपी और आरएसएस कह रहे हैं कि वीर सावरकर सच्चे देशभक्त हैं। ये असली देश के भक्तों को दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं। वीर सावरकर ने अंग्रेजों को पत्र लिखकर उन्हें छोड़ने को कहा था। उन्होंने कहा कि नेहरू सच्चे देशभक्त थे। नेहरू ने कभी जेल में अंग्रेजों को पत्र नहीं लिखा। असली देश के भक्तों ने जेल में बंद किसी को रिहा करने के लिए पत्र नहीं लिखा। वीर सावरकर ने अंग्रेजों का समर्थन करने के लिए काम किया। उन्होंने बताया कि वे जल्द ही मल्लिकार्जुन खड़गे को एक पत्र लिखेंगे तथा पीसीसी को देश भर में युद्ध प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ना की अपील करेंगे।

वयोवृद्ध माओवादी नेता का निधन

राजन्ना-सिरकिल्ला, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादी नेता पोथुला मल्लैया (80) की शुक्रवार सुबह येल्लारेड्डीपेट मंडल के अक्कापेली में कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक, तत्कालीन भाकपा-माले पीपुल्स वार (पीडब्ल्यू) में शामिल हुए मल्लैया ने चरमपंथी पार्टी में करीब 40 साल तक काम किया। विभिन्न गतिविधियों के अलावा, उसने जमींदारों के खिलाफ युद्ध छेड़ा। 1970 में उन्होंने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। बाद में, उन्होंने परिवार चलाने के लिए एक अटेंडेंट के रूप में काम किया और 2020 में सेवानिवृत्त हुए। मल्लैया ने कोई जवाब नहीं दिया जब उनके परिवार के सदस्यों ने सुबह उन्हें जगाने की कोशिश की। स्थानीय डॉक्टर ने मल्लैया की मौत की पुष्टि की। उनके दो बेटे तिरुपति कुमार और भास्कर थे।

मातृ वंदन करना हर एक व्यक्ति का धर्म है : वेंकैया

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायुडू ने कहा कि किसको भी अपनी मां, अपनी मातृभूमि, अपनी मातृभाषा और गुरु को कभी नहीं भूलना चाहिए। वे शांता बायोटिक्स के चेयरमैन पद्मभूषण डॉ. वरप्रसाद रेड्डी के जन्मदिन पर राजेंद्र नगर में आयोजित "मातृ वंदनम" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। हर साल 17 नवंबर को डॉ. वरप्रसाद रेड्डी कई प्रतिष्ठित लोगों की जन्म दाता मां को सम्मान करते हैं, जिन्होंने महान ऊंचाई हासिल की है। आज ऐसे ही तीन महापुरूषों की मातृमूर्तियों का आदर और सम्मान किया गया है। इस अवसर पर वर प्रसाद रेड्डी ने कहा कि विगत दो दशकों से माता-पिता की प्रेरणा से अनेक मातृमूर्तियों और एक वैदिक विद्वान का सम्मान करने की प्रथा रही है और हमारा कर्तव्य है कि हम वर्तमान पीढ़ी को यह दिखाएं कि यह हमारा वर्तमान समय में माता-पिता का सम्मान करना कर्तव्य है कि माता के बारे में चाहे जितना भी कहा जाए। इस वर्ष ऐसे तीन महान व्यक्तियों कि मात्रुश्रीयें को वेंकैया नायडू और चागंटि कोटेश्वर रावु के हाथों से सम्मान किया गया है, जिनमें सीबीआई की पूर्व संयुक्त निदेशक के रूप में कार्यरत जेडी लक्ष्मीनारायण की माता श्रीमती वसुंधरा, पुष्पगिरी पीठाधीश्वर के माता श्रीमती विजयलक्ष्मी तथा प्रसिद्ध गायक और संगीतकार रामाचारी के माता श्रीमती यशोदा शामिल हैं। साथ ही, सुप्रसिद्ध वेद पंडित संरक्षण घनापाठी ब्रह्माश्री विष्णु भट्ला सुब्रह्मण्य शास्त्री को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता ब्रह्मानंदम, श्रीनाथ कुर्रा, संगीत निर्देशक माधव पेद्दी सुरेश, गायिका श्रीमती शोभराज, प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु श्रीमती गोट्टीपाटि सत्यवानी, पूर्व आईएएस एलवी सुब्रमण्य युगल, आईपीएस एके खान सहित फिल्म और राजनीति की कई अन्य हस्तियों ने भाग लिया. इस कार्यक्रम के वार्ताकार के रूप में आकाशवाणी के सेवानिवृत्त टीकाकार मडिपल्ली दक्षिणामूर्ति ने किया।

नगर पधारे केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का स्वागत करते हुए कच्छ कडवा पाटीदार समाज से जुड़े बंधु। इसमें शामिल हैं समाज के मंत्री शंकर पटेल, कांतिलाल गोराणी, लव फार काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, आरके जान व अन्य।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का कई लोगों ने उठाया लाभ

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीवाई फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी गज्जला योगानंद द्वारा गणेश मंडप, नंदामुरी नगर, निजामपेट रोड, हैदर नगर मंडल, शेरलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में हर गरीब व्यक्ति को मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान करने के इरादे से चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष ने की। नवीन गौड़ और जिला एसी मोर्चा के प्रवक्ता बगानी श्रीनिवास जीवाई फाउंडेशन ने एस्टर प्राइम हॉस्पिटल्स के सहयोग से कैंप का आयोजन किया। कार्यक्रम में शामिल हुए गज्जला योगानंद ने कहा कि समाज तभी अच्छा होगा जब सभी स्वस्थ होंगे। उन्होंने कहा कि इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन प्रत्येक गरीब परिवार को चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है। इस नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर में बीपी व शुगर की जांच के साथ-साथ आंखों की जांच भी की गई। बड़ी संख्या में आए लोगों को नि:शुल्क दवाएं दी गईं और उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। पूर्व पार्षद जानकी रामाराजू, विधानसभा सह संयोजक मणिभूषण, वेलागा श्रीनिवास, विधानसभा ओबीसी संयोजक शेषैया, संभाग महासचिव कृष्णम राजू, संभाग उपाध्यक्ष एसपी नायडू आदि ने भाग लिया।

निरंजन ने भाजपा व टीआरएस नेताओं के हिंसक तरीकों की निंदा की

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज यहां एक बयान में कहा कि भाजपा और टीआरएस नेता हिंसक तरीके अपनाकर और एक दूसरे को भड़काकर राज्य में खराब माहौल बना रहे हैं। कारणों और पृष्ठभूमि के बावजूद, शांति और लोकतंत्र से प्यार करने वाले लोगों को भाजपा सांसद अरविंद के आवास पर हमले की कड़ी निंदा करनी चाहिए। सीएम केसीआर दोषियों को टीआरएस पार्टी से निकाल दें और पुलिस को निर्देश दें कि भविष्य में इस तरह के हमलों को रोकने के लिए कानून के तहत उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रेस में कविता द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा तेलंगाना संस्कृति के खिलाफ है और इसका उद्देश्य हिंसा भड़काना है। इस तरह की गंदी भाषा का इस्तेमाल करने के लिए उसे बुक किया जाना चाहिए। तेलंगाना की महिलाएं कविता की भाषा और व्यवहार से शर्मिंदा हैं, जो खुद को तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष बनाती है।

पारसीगुटा श्री आईमाताजी बडेर में स्व. जसाराम चोयल की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए प्रकाश, प्रेमकुमार, चन्द्रगुप्त सोयल, शेरेलिंगमपल्ली विधायक आर.के. पुडी गांधी, मारवाड जंक्शन पूर्व विधायक केसाराम चौधरी, पार्षद श्रीकान्त, देवाराम, प्रकाश आगलेचा, सीरवी समाज कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, महाराष्ट्र सीवी महासभा अध्यक्ष दिनेश गेहलोत, पूना सीरवी समाज सचिव उमेशकुमार, खिंवाडा सरपंच श्रीपाल वैष्णव, प्रवीण मालवीय व अन्य।

जनता जनार्दन समिति ने किया मछली मार्केट समस्या को सुलझाने का आग्रह

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनता जनार्दन समिति के सदस्यों ने मछली बाजार से संबंधित समस्या को लेकर टीआरएस के वरिष्ठ नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल से मुलाकात की तथा जल्द से जल्द सरकारी अधिकारियों के बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुलझाने का आग्रह किया।

गौरतलब है कि प्रदेश सरकार की ओर से बेगम बाजार में नवनिर्मित मछली बाजार के स्टालों में वास्तविक और जरूरतमंद व्यक्तियों को दुकानें आवंटित करने में मदद करने के लिए एक प्रतिनिधित्व दिया गया। श्री बिलाल ने उन्हें आश्वासन दिया कि, इसे हमारे प्रभारी मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के संज्ञान में लिया जाएगा और उन्हें उचित आवंटन प्राप्त करने न्याय दिलाने की पूरी कोशिश की जाएगी। इस अवसर पर समिति के सदस्यों गोपाल सिंह, फतेह सिंह, रविंदर सिंह, जय पाल सिंह, शाम सिंह, शिव दर्शन सिंह ने भाग लिया।

अल्पसंख्यक नेताओं ने गृहमंत्री से की कई समस्याओं पर चर्चा

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के जामबाग मंडल के अल्पसंख्यक नेताओं ने गृहमंत्री महमूद अली से उनके कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंने गृहमंत्री के साथ अल्पसंख्यकों के ऋण, अल्पसंख्यक प्रशिक्षण वर्ग और अल्पसंख्यकों को मिलने वाले लाभ जैसे मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने मंत्री को स्थानीय नेता आनंद कुमार गौड़ के सहयाग के बारे में बताया। पूरी बात सुनने के बाद गृहमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि टीआरएस सरकार किसी भी समस्या में अल्पसंख्यकों का साथ देगी। जामबाग मंडल के अल्पसंख्यक वर्ग की ओर से आनंद कुमार गौड़ ने गृह मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टीआरएस सरकार के सत्ता में आने के बाद अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए ऐसी कई योजनाएं लागू की गई हैं, जैसी पहले कभी नहीं की गईं। आनंद कुमार ने आश्वासन दिया कि अल्पसंख्यकों की किसी भी समस्या के लिए वह 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम में जामबाग मंडल अल्पसंख्यक के अध्यक्ष अहमद, हसन, मोहम्मद शकील, महमूद जहांगीर, महमूद सत व साजिद ने भाग लिया

कालभैरव महाराज जयंती पर प्रतियोगिताएं

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कालभैरव महाराज जयंती पर एसएसके समाज रहीमपुरा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 150 बच्चों ने भाग लिया। इसके अलावा मेहंदी डिजाइनर महिला शिविर कार्यक्रम में गोशामहल विधानसभा विधायक टी. राजा सिंह बतौर अतिथि उपस्थित रहे तथा प्रतियोगिता के विजेताओं में पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर एसएसके समाज अध्यक्ष नगरी शंकरराव, कोषाध्यक्ष शिव रतन, कालभैरव अध्यक्ष पेंडु श्रीधर, उपाध्यक्ष श्रीगिरी सुनील, वाइस चेयरमैन सुरथी साई कुमार, टीआरएस नेता एच.कुमार, पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह आदि उपस्थित रहे।

महिला बीड़ी कामगारों ने किया प्रदर्शन

जनप्रतिनिधि पर लगाया डबल बेड रूम के नाम पर गुमराह करने का आरोप

मदनूर, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईटीयू नेता सुरेश गौड़ के नेतृव में स्थानिक महिला बीड़ी कर्मचारियों ने शुक्रवार के दिन डबल बेड रूम निर्माण की मांग करते हुए तहसील कार्यालय के सामने आंदोलन किया। इस समय सीआईटीयू नेता सुरेश गौड़ ने जनप्रतिनिधि व अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए बताए की 40 महिला बड़ी कामगारों को डबल बेड रूम के नाम गुमराह कर रहे है 6 महा से डबल बेड रूम का छूटे आश्वाशन देकर स्थानिक जनप्रतिनिधि व अधिकारी महिला बीड़ी कामगारों को जिलाधीश, आरडीओ तहसील विधायक कार्यालय के चकर काटने लगा रहे है। कोन कहता है डबल बेडरूम का डेंडर हुवा है। जल्द ही कार्य प्रभार होने वाला है। कौन कहता कि जमीन का पटा व लेआउट देना बाकी है इसी तरह बड़ी कामगारों को गुमराह किया ज्यारह है। उन्होंने जनप्रतिनिधि अधिकारियों को बीड़ी कामगारों की समस्याओं को जल्द से जल्द सुलझाने की मांग की।

राजपूत समाज द्वारा आयोजित पहली बैठक में समाज के विस्तार पर चर्चा हुई। इस मीटिंग में राजपूत समाज के सदस्य धनंयजय सिंह, ऐमबी सिंह, एचएस सिंह, जे. के. सिंह, धर्मेंद्र सिंह शामिल हुए।

पूर्व मंत्री स्व. पी. रमास्वामी की जयंती पर गौलीगुड़ा चमन पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए विधायक टी. राजासिंह, भाजपा नेता जिग्नेश दोशी, समाजसेवी गोविंद राठी, पार्षद शंकर यादव व अन्य। इस दौरान गणमान्यों ने स्व. रामास्वामी की समाजसेवाओं को याद किया।

गोलकोन्डा साहित्य उत्सव समिति द्वारा आगामी 11 दिसंबर को सेडमल हॉल, अग्रवाल स्कूल में आयोजित होने वाले साहित्य उत्सव का करपत्र विमोचन करते हुए संयोजक अवधनाथ राय, वलिश्वर राव, वाई. नरसिम्हा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

मुंबई पुलिस के ...

सचिन वाजे, महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान मुकेश अंबानी के घर एंटीला के पास जिलेटिन रखने को लेकर सुर्खियों में आए थे। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कई महीनों से हिरासत में चल रहे वाजे को सत्र न्यायालय ने राहत दी है। हालांकि, अन्य मामलों में न्यायिक हिरासत होने के बाद, वाजे अभी जेल में ही रहेंगे।

वहीं बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2018 के एल्गार परिषद मामले में गिरफ्तार किए गए प्रोफेसर आनंद तेलतुंबडे को शुक्रवार को एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी है। हालांकि एनआईए के वकील संदेश पाटिल की अपील पर कोर्ट ने आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी है। एजेंसी ने यह समय इसलिए मांगा ताकि वह सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सके।

पीएम ने किया ...

टेरर फंडिंग पर लगाम लगाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे। सभी देशों की जांच एजेंसिया विदेशी फंडिंग के रूट्स की भी जांच करेगी और इस मामले में आपसी सहयोग और पारदर्शिता दिखाएंगी।

मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर आतंकी संगठनों ने अपना तरीका बदला है। इस पर सभी एजेंसियों को एकजुट होकर जानकारी हासिल करने की बात कही जाएगी, ताकि इसके रूट तक पहुंचा जा सके।

कॉन्फ्रेंस में इस बात पर भी चर्चा होगी कि टेरर फंडिंग में क्रिप्टो करेंसी के इस्तेमाल और क्राउडफंडिंग कैसे रोका जाए। भारत का जोर इस पर भी रहेगा कि सभी जांच एजेंसियों के बीच सहमति बने, जिससे डार्कवेब के जरिए हो रही आतंकी फंडिंग पर भी कड़ी निगरानी रखी जा सके।

कॉन्फ्रेंस में इस पर भी र्चचा होगी कि वे कौन लोग हैं जो सोशल मीडिया के जरिए फंड इकट्ठा कर रहे और आतंकियों की मदद कर रहे हैं, ताकि उस पर भी लगाम लगाया जा सके।

इंटरनेशनल लेवल पर इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर एक समान अंतर्राष्ट्रीय कानून के दायरे में हो ताकि फर्जी तरीके से की जा रही टेरर फंडिंग को रोका जा सके। साथ ही इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर की सही जानकारी देशों के पास रहे, जिससे कि वह ऐसे आतंकी फंडिंग करने वाले लोगों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई कर सकें।

भारत का फोकस रहेगा कि देश में कट्टरवाद और जिहाद का बढ़ावा देने वाले आतंकी संगठनों पर भी एक्शन हो। इसके लिए भारतीय जांच एजेंसी सभी देशों को इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एकजुट करें।

जानकारी के मुताबिक सिख फॉर जस्टिस जैसे खालिस्तानी संगठन अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी में रहकर भारत के खिलाफ फर्जी प्रोपेगेंडा फैलाते हैं, ऐसे संगठनों पर भी नकेल कसने की तैयारी है।

टेरर फंडिंग पर लगाम लगाने के लिए प्राइवेट पार्टनरशिप की मदद लेने पर भी विचार किया जा रहा है। इसे किस तरह से बढ़ाया जाएगा, उस कदम पर बड़ी चर्चा होगी। सभी देश फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआईयू) को बेहतर तरीके से मजबूत करने को लेकर जोर दिया जाएगा।

राहुल को जान ...

लिफाफे पर लेटर भेजने वाले की जगह रतलाम के भाजपा विधायक चेतन कश्यप का नाम लिखा है।

इस मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच में जुटी है। एडिशनल डीसीपी प्रशांत चौबे का कहना है कि धमकी देने वाले अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही है। बता दें, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 23 नवंबर को एमपी में प्रवेश कर रही है। उनकी 28 नवंबर को इंदौर में सभा होगी।

पत्र में सबसे ऊपर वाहे गुरु लिखा है। फिर नीचे लिखा है... 1984 में पूरे देश में भयंकर दंगे हुए। सिखों का कत्लेआम किया गया। किसी पार्टी ने इस जुल्म के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। (इसके बाद यहां कांग्रेस नेता कमलनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द लिखे हैं...)

लेटर में आगे लिखा है, नवंबर के आखिरी महीने में इंदौर में जगह-जगह भयानक बम विस्फोट होंगे। बम विस्फोटों से पूरा इंदौर दहल उठेगा। बहुत जल्द ही राहुल गांधी की इंदौर यात्रा के समय कमलनाथ को भी गोली मार दी जाएगी। राहुल गांधी को भी राजीव गांधी के पास भिजवा दिया जाएगा।

एक अन्य पेज में लिखा है, नवंबर 2022 के आखिरी सप्ताह में बम विस्फोटों से पूरा इंदौर दहल उठेगा। राजबाड़ा को खास निशाना बनाया जाएगा। लेटर में सबसे नीचे किसी ज्ञानसिंग का नाम लिखा है। साथ ही लेटर में कई मोबाइल नंबर भी दर्ज हैं। पत्र के साथ एक आधार कार्ड की फोटोकॉपी भी भेजी गई है।

भारत-न्यूजीलैंड मैच बारिश के कारण रद्द

दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेलकर किया टाइमपास, दूसरा मैच 20 नवंबर को

वेलिंगटन, 18 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20 मैच बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय टीम पहला मुकाबला खेलने उतरी थी। दोनों टीमों के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में फुटबॉल खेलकर टाइमपास करते नजर आए। बीसीसीआई ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। अब दूसरा टी-20 मैच 20 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा।

भारतीय समयानुसार यह मैच दोपहर 12 बजे शुरू होना था, लेकिन वेलिंगटन में लगातार बारिश हो रही थी। डेढ़-पौने दो घंटे तक बारिश रुकने का इंतजार किया गया, लेकिन वह नहीं रुकी। इसके बाद मैच को रद्द करने का फैसला लिया गया। भारतीय सिलेक्टर्स ने इस दौरे में युवाओं पर दांव खेला है। टीम की कमान हार्दिक पंड्या के पास है। उनके सामने न्यूजीलैंड को उसके घर में हराने की चुनौती है। पिछली बार उन्हें आयरलैंड दौरे में टीम का कप्तान बनाया गया था। जहां से वे जीत कर लौटे थे। इस बार सामना केन विलियमसन की कप्तानी वाली टीम से है।

पंत, पंड्या, भुवी और चहल ही सीनियर

इस सीरीज के लिए सिलेक्टर्स ने युवाओं पर भरोसा जताया है। वहीं भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या बतौर सीनियर भेजे गए हैं। टीम के अधिकतर खिलाड़ी नए और अनुभवहीन हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि सिलेक्टर्स भविष्य की टीम खोज रहे हैं। जो टीम इंडिया को आईसीसी ट्रॉफी दिला सकें। बता दें कि टीम इंडिया को अगले साल वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी भी करनी है। ऐसे में सिलेक्टर्स की नजरें उस मेगा टूर्नामेंट की तैयारी पर भी होगी।

सूर्यकुमार यादव तोड़ सकते हैं रिजवान का रिकॉर्ड

सूर्यकुमार यादव के पास एक साल में टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का मौका है। अभी यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान के नाम है।

इंडिया ए टीम में होगा चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव का चयन! समय से पहले जाएंगे बांग्लादेश

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम में शामिल चेतेश्वर पुजारा को इंडिया ए टीम में चुना जा सकता है। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम से पहले ए टीम बांग्लादेश का दौरा करेगी और दो मैच खेलेगी। पुजारा को इस टीम की कमान मिल सकती है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार 20 नवंबर के बाद बांग्लादेश रवाना होने वाली इंडिया ए टीम में पुजारा के अलावा उमेश यादव जैसे खिलाड़ी को भी शामिल किया जा सकता है। उमेश भी टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, जिसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 31 अक्टूबर को घोषित किया था।

क्यों भेजा जा रहा बांग्लादेश

पुजारा और उमेश को जल्दी बांग्लादेश भेजने के पीछे का मकसद उन्हें सीरीज से पहले मैच टाइम देना है। टेस्ट टीम में अधिकांश अन्य खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की अलग-अलग टीमों का हिस्सा रहे हैं। टेस्ट टीम में रिजर्व विकेटकीपर केएस भरत भी पुजारा और उमेश की तरह किसी टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। हालांकि, अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

कब होगी टीम की घोषणा

बीसीसीआई के अधिकारी और मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा के ऑस्ट्रेलिया से वापस आने के बाद टीम की घोषणा एक या दो दिन में की जाएगी। पिछले रणजी सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी सरफराज खान टीम का हिस्सा होंगे। बंगाल के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के लिए भी मौका मिल सकता है।

मोमिनुल हक खेल सकते हैं बांग्लादेश ए के लिए

दो चार दिवसीय मैचों की तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है, लेकिन संकेत हैं कि पहला मैच इस महीने के अंत में शुरू होगा और दूसरा दिसंबर के पहले सप्ताह में तुरंत शुरू होगा। तीन वनडे और दो टेस्ट के लिए सीनियर टीम का दौरा 4 से 26 दिसंबर के बीच होगा। इस बीच पूर्व टेस्ट कप्तान मोमिनुल हक के बांग्लादेश ए के लिए खेलने की उम्मीद है। थिंक-टैंक ओपनर बल्लेबाज महमूदुल हसन को भी खिलाना चाहता है।

फीफा 2023 के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए इन्फेंटिनो एकमात्र उम्मीदवार

दोहा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा ने घोषणा की है कि उसे 2023 में होने वाले अध्यक्ष चुनाव के लिए सिर्फ गियानी इन्फेंटिनो की उम्मीदवारी प्राप्त हुई है।

इस साल 30 मार्च को फीफा परिषद द्वारा चुनाव की घोषणा के बाद, फीफा के सदस्य संघों ने अपने अगले अध्यक्ष के लिए मौजूदा फीफा अध्यक्ष के रूप में प्रस्तावित किया है। फरवरी 2016 में फीफा कांग्रेस के दौरान 52 वर्षीय इन्फेंटिनो को अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, जो संगठन के इतिहास में नौवें अध्यक्ष बने। अपना पहला चार साल का कार्यकाल शुरू करने के लिए जून 2019 में उन्हें फीफा अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया।

पिछले छह साल में मैंने क्रीज पर इतना सहज कभी महसूस नहीं किया : स्मिथ

एडिलेड, 18 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले में मैच-जिताऊ अर्धशतक लगाने के बाद ऐलान किया है कि उन्होंने पिछले छह वर्षों में इससे बेहतर बल्लेबाजी नहीं की है। ऑस्ट्रेलिया आने वाले समय में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट सीरीज में मेजबानी करेगा और यह घोषणा उन दोनों के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है।

एडिलेड ओवल में खेले गए मैच में स्मिथ ने 78 गेंदों पर नाबाद 80 की पारी खेली और इसके सहारे ऑस्ट्रेलिया ने विश्व चैंपियन इंग्लैंड को आसानी से हराया। स्मिथ ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, शायद पिछले छह साल में क्रीज में मैंने इतना सहज कभी अनुभव नहीं किया था। मैं ऐसे पोजिशन में आ रहा था जो शायद छह सालों में नहीं हुआ। इस अवधि में मैंने रन भी बनाए लेकिन

क्रिकेट में आप हमेशा पूर्णता की खोज में रहते हैं और यह पारी उसके सबसे निकट थी। स्मिथ ने इस पारी का श्रेय खुद के स्टांस पर किए गए साल-भर के मेहनत को दिया। अब वह पहले की तरह गेंद को खेलते हुए क्रीज पर उछाल नहीं करते और गेंद के अधिक साइड-ऑन रहने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, कल काफी बेहतर था। इससे पहले केर्न्स में एक धीमी विकेट पर मुझे ऐसा लग रहा था कि पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है। कल मैंने जब दो अच्छे कवर ड्राइव लगाए तो मैं समझ गया कि मेरे शरीर का वजन सही तरीके से गेंद की तरफ जा रहा है।

स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व कप अभियान में केवल एक ही मैच खेला है, हालांकि इस बीच उनका वनडे रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। उन पर लगाए गए साल-भर के प्रतिबंध के बाद 2019 विश्व कप में लौटने के बाद से स्मिथ ने वनडे क्रिकेट में 54.84 की औसत से रन बनाए हैं। 2020 के शुरू से यह औसत 66.13 का रहा है। स्मिथ ने जो छह साल की अवधि बताई है उसमें 2019 एशेज के दौरान उनका जबरदस्त प्रदर्शन शामिल है। उन्होंने 2016 के बाद से टेस्ट क्रिकेट में भी 61.77 की औसत से रन बनाए हैं। हालांकि उस एशेज अभियान के बाद उन्होंने केवल दो टेस्ट शतक जड़े हैं।

सादियो माने चोट के कारण वर्ल्ड कप से बाहर, सेनेगल को बड़ा झटका

दोहा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। 2 दिन बाद कतर में फीफा वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। इस फुटबॉल महाकुंभ से ठीक पहले सेनेगल की टीम को बड़ा झटका लगा है। उसके बाद कप्तान और स्टार फॉरवर्ड सादियो माने चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

सेनेगल ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में माने के वर्ल्ड कप से बाहर होने की जानकारी दी। टीम के डॉक्टर मैनुअल अफोंसो ने कहा- 'बायर्न म्यूनिख के फॉरवर्ड सादियो माने अब वर्ल्ड कप में सेनेगल के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। वे कुछ दिनों में म्यूनिख में अपना रिहैबिलिटेशन करेंगे।' इससे पहले अफोंसो ने उम्मीद जताई थी कि माने वर्ल्ड कप के कुछ मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा- 'हमने आज का एमआरआई देखा है और दुर्भाग्य से उनकी रिकवरी उम्मीदों के अनुरूप नहीं है।' 30 साल के सादियो माने का चोटिल होना इसलिए भी चर्चा का विषय है, क्योंकि वे दुनिया के

बेहतरीन फॉरवर्ड में से एक माने जाते हैं। वहीं, अफ्रीकन देश सेनेगल उन टीमों में से है, जो बड़ी टीमों को हराकर टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर कर सकती है।

नीदरलैंड से होगा पहला मुकाबला

सेनेगल का पहला मुकाबला 21 नवंबर को नीदरलैंड के साथ होगा। यह मैच रात 9 बजे से खेला जाएगा। टीम को ग्रुप-ए में मेजबान कतर, नीदरलैंड और इक्वाडोर के साथ रखा है। हर चार साल में होने वाले इस फुटबॉल महाकुंभ में 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार के आठ ग्रुप में बांटा गया है।

इंजरी से रिकवर कर रहे थे माने

माने इंजरी से रिकवर कर रहे थे। उसके बाद भी उन्हें टीम में रखा गया था, क्योंकि चयनकर्ताओं को लगा था कि वे रिकवर कर जाएंगे। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। सेनेगल अफ्रीकन कप ऑफ नेशंस का चैंपियन है। यह अफ्रीका के उन 5 देशों में से एक है, जो वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। माने ने सेनेगल के लिए अब तक खेले 92 मैच में 33 गोल दागे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप में रूस-यूक्रेन युद्ध का असर

फाइटर जेट के पहरे में कतर पहुंची पोलैंड की टीम

कतर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। पोलैंड फुटबॉल टीम फीफा वर्ल्ड कप के लिए गुरुवार को कतर पहुंच गई है। वर्ल्ड कप का पहला मैच 20 नवंबर को खेला जाना है, जबकि फाइनल 18 दिसंबर को खेला जाएगा। पोलैंड की टीम को अपने हवाई क्षेत्र में लड़ाकू विमान F16 ने एस्कॉर्ट किया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, मंगलवार को एक मिसाइल हमले में यूक्रेन सीमा से सटे पोलैंड के एक गांव में दो लोगों की मौत हो गई थी। ऐसा माना जा रहा था कि यह मिसाइल रूस की थी। जिसके बाद पोलैंड की सरकार ने फुटबॉल टीम को अपने हवाई क्षेत्र में सुरक्षा देने का फैसला किया। फुटबॉल के साथ सेना के दो लड़ाकू विमान भी चल रहे थे।

रॉबर्ट लेवानडॉस्की की कप्तानी में टीम कतर पहुंची है। पोलैंड की टीम 1986 के बाद नॉकआउट नहीं खेली है। पोलैंड की टीम ग्रुप सी में है। इस ग्रुप में अर्जेंटीना, सऊदी अरब, मैक्सिको की टीम है। इस टूर्नामेंट में दुनियाभर की 32 सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें आठ ग्रुपों में बांटा गया है।

20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच 14 दिन में कुल 48 ग्रुप मैच खेले जाएंगे। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें राउंड ऑफ-16 में पहुंचेगी। नॉक आउट मुकाबले 3 दिसंबर से शुरू होंगे। इसके बाद क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल के मुकाबला होगा। फाइनल मैच 18 दिसंबर को खेला जाएगा।

कब से शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध

24 फरवरी 2022 से दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू हुआ। दोनों के बीच ताजा विवाद की असली वजह समझने के लिए इतिहास में थोड़ा पीछे जाना पड़ेगा। 20वीं सदी की शुरुआत में यूक्रेन रूस साम्राज्य का हिस्सा था। 1917 में ब्लादिमीर लेनिन के नेतृत्व में हुई रूसी क्रांति के बाद 1918 में यूक्रेन ने आजादी की घोषणा कर दी, लेकिन 1921 में लेनिन की सेना से हार के बाद 1922 में यूक्रेन सोवियत संघ का हिस्सा बन गया। यूक्रेन में रूस से आजादी के लिए संघर्ष चलता रहा और रूस के खिलाफ कई हथियारबंद समूहों ने विद्रोह की कोशिश की, जो सफल नहीं हुई। 1954 में सोवियत संघ के सर्वोच्च नेता निकिता ख्रुश्चेव ने इस विद्रोह को दबाने के लिए क्रीमिया आइलैंड को यूक्रेन को तोहफे में दे दिया था।

पुर्तगाल ने प्रैक्टिस मैच में नाइजीरिया को 4-0 से हराया

दोहा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। 2 दिन बाद कतर में फीफा वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। सभी टीमें अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं।

उनकी तैयारियों की झलक यहां प्रैक्टिस सेशन में देखने को मिल रही है। शुक्रवार को पुर्तगाल ने नाइजीरिया को 4-0 से हराया। वर्ल्ड कप के लीग स्टेज में पुर्तगाल का पहला ग्रुप मैच 24 नवंबर को घाना से है। इस बीच, स्पेन और अर्जेंटीना की टीमें दोहा के हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंच गई। उसके साथ अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर लियोनल मैसी भी थे। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर एरिक टेन हाग पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि हाग ने पिछले महीने टॉटनहम के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में 19 अक्टूबर को खेले गए मुकाबले में मुझे भड़काया था।

टॉक टीवी ने रोनाल्डो के इंटरव्यू का तीसरा हिस्सा ब्रॉडकॉस्ट किया। इसमें रोनाल्डो ने कहा- 'मुझे लगता है कि यह उसने जानबूझकर किया है। मैं भड़काया हुआ महसूस कर रहा था। मैं उनका सम्मान नहीं करता, क्योंकि वो मेरा सम्मान नहीं करता है।' अर्जेंटीना की टीम ने 2 दिन पहले बुधवार को प्रैक्टिस मैच में यूएई पर 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में स्टार प्लेयर लियोनल मैसी हॉफ टाइम से पहले चौथा गोल दागा। इस गोल की मदद से मैसी के इंटरनेशनल गोल की संख्या 91 पहुंच गई है। वे सबसे ज्यादा इंटरनेशनल गोल करने के मामले में पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल क्रिस्टियानो रोनाल्डो (117) से पीछे हैं।

2017 में भारत में हुए अंडर-17 विश्वकप में खेले 12 फुटबॉलर कतर में बिखेरेंगे चमक

फिल फोडेन भी शामिल

दोहा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। कतर में शुरू होने जा रहे 22वें फीफा विश्वकप में कई ऐसे फुटबालर चमक बिखेरते नजर आएंगे जो भारतीय धरती पर भी अपनी फुटबाल का जलवा दिखा चुके हैं। पांच साल पहले भारत में हुए अंडर-17 फीफा विश्वकप में खेलने वाले 12 फुटबालर इस बार फीफा विश्वकप में अपने देशों के लिए सीनियर टीम में खेलते नजर आएंगे। इनमें अंडर-17 विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर चुने गए गोल्डन बॉल जीतने वाले इंग्लैंड के फिल फोडेन और पैरागुए के खिलाफ हैट्रिक करने वाले वाले लाइबेरिया के राष्ट्रपति दिग्गज फुटबालर जॉर्ज वीह के बेटे और अमेरिका के लिए खेलने वाले विंगर टिम वीह भी शामिल हैं। पांच साल पहले अंडर-17 विश्वकप के फाइनल में कोलकाता के साल्ट लेक में स्टेडियम में मौजूद एक लाख से अधिक दर्शकों को फोडेन ने अपने खेल से दीवाना बना दिया था। स्पेन ने दो गोल की बढ़त ले ली थी। पहला हॉफ समाप्त हो चुका था और जीत का दावेदार स्पेन को माना जाने लगा, लेकिन फोडेन टूर्नामेंट में सर्वाधिक 8 गोल करने वाले ब्रियूस्टर के साथ मिलकर इंग्लैंड को ऐतिहासिक जीत दिलाई। फोडेन खुद दो गोल किए और दो गोल करने में मदद की। इंग्लैंड अंत में 5-2 से अंडर-17 विश्व चैंपियन बना। फोडेन ने टूर्नामेंट में कुल तीन गोल किए। फोडेन ने उसी वक्त बता दिया था कि वह आने वाले दिनों में इंग्लैंड टीम के स्टार स्ट्राइकर का दर्जा हासिल करने जा रहे हैं। अब यह बात सब साबित हो गई है। मैनचेस्टर सिटी के लिए बतौर फारवर्ड खेलने वाले 22 साल के फोडेन कतर विश्वकप के लिए इंग्लैंड की टीम में हैं। वह कोच गारेथ साउथगेट की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।

पांच साल पहले अमरजीत सिंह की अगुवाई में दिल्ली के नेहरू स्टेडियम में अंडर-17 भारतीय टीम पहली बार किसी फीफा विश्वकप में अमेरिका के खिलाफ उतरी थी। अमेरिका को खिताब का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन खेल के शुरुआती मिनटों में ही फारवर्ड जोश सार्जेंट ने भारत के खिलाफ गोल कर दिया। भारत यह मुकाबला 0-3 से हारा, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में सार्जेंट ने अपने खेल से जमकर वाहवाही लूटी। इंग्लिश क्लब नॉरविच सिटी के लिए खेलने वाले सार्जेंट अब अमेरिकी टीम के प्रमुख फुटबालरों में शुमार हैं।

वर्ल्ड कप से पहले खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला शुरू

दोहा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप शुरू होने में अब बस दो दिन का समय बचा है। इस साल 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार के आठ ग्रुप में बांटा गया है। अफ्रीकन देश सेनेगल भी उन टीमों में से है जो बड़ी टीमों को हराकर टूर्नामेंट में उलटफेर कर सकती है। हालांकि, इस टीम को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी सादियो माने चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फीफा वर्ल्ड कप की शुरुआत 20 नवंबर से हो रही है। पहले मैच में मेजबान कतर और इक्वाडोर आमने-सामने होंगे।

सेनेगल अफ्रीका के पांच देशों में से एक हो जो फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने जा रहा है। हालांकि, अब टीम को अपने नियमित कप्तान के बिना ही यह टूर्नामेंट खेलना पड़ेगा। सेनेगल की टीम अफ्रीकन कप ऑफ नेशंस की चैंपियन है। माने को पहले फाइनल स्क्वॉड में रखा गया था। तब वह इंजरी से रिकवर कर रहे थे। यह चोट उन्हें क्लब फुटबॉल के दौरान बायर्न म्यूनिख से खेलते हुए वर्डर ब्रेमेन के खिलाफ लगी थी।

किसानों को पाम ऑयल की खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है सरकार : केटीआर

हैदराबाद, 18 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार किसानों से धान की खेती से दूर हटने और पाम ऑयल और तिलहन की खेती को चुनने के लिए कह रही है। यह खाद्य तेलों के लिए आयात पर निर्भरता को कम करने में मदद करेगा और किसानों को धान उत्पादन में अधिकता से भी बचाएगा। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि अगले पांच वर्षों में सरकार के समर्थन और मार्गदर्शन के साथ 20 लाख एकड़ धान को व्यवस्थित रूप से ऑयल पॉम में बदलने का प्रयास किया जाएगा। इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित वैश्विक गोलमेज सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य ने कालेश्वरम परियोजना पर सावधानीपूर्वक काम किया है और इसने 40 लाख एकड़ से अधिक कमांड क्षेत्र (क्षेत्र की सीमा जिसे एक

सिंचाई स्रोत से मज़बूती से सिंचित किया जा सकता है) को जोड़ा है।) तेलंगाना में सात वर्षों में खेती का रकबा दोगुना से अधिक हो गया है। राज्य में धान का उत्पादन अब पहले के 6.8 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 25.9 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है, जो लगभग चार गुना वृद्धि दर्ज करता है। उत्पादन के परिणामस्वरूप भारतीय खाद्य निगम ने अतिरिक्त स्टॉक की खरीद में अपनी बेबसी व्यक्त की है। तेलंगाना सरकार ने पाम तेल, मूंगफली, सूरजमुखी, सोयाबीन और अन्य तिलहनों का उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। ये देश की आत्मनिर्भरता में भी योगदान देंगे और खाद्य तेल आयात बिल को कम करने में मदद करेंगे। ये राज्य में आने वाली खाद्य तेल इकाइयों के लिए कच्चे माल के रूप में भी काम करेंगे, जो पहले के 24% से अपने हरित आवरण को 31.7% तक बढ़ाने में सफल रही। घरेलू उत्पादन बढ़ाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया की आबादी 800 करोड़ को पार कर गई है और चीन के बाद भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या में वृद्धि के साथ खपत के पैटर्न में बदलाव आएगा। वनस्पति तेल उत्पादक संघ के सदस्यों के लिए तेलंगाना को एक आदर्श निवेश गंतव्य के रूप में पेश करते हुए, रामा राव ने कहा कि राज्य निवेश प्रस्तावों के आधार पर दर्जी प्रोत्साहन की पेशकश करेगा। राज्य ने विशेष खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों के लिए लगभग 10,000 एकड़ जमीन भी निर्धारित की है जिसकी राज्य योजना बना रहा है। तेलंगाना अन्य राज्यों से मिलने वाले प्रसाद को पूरा करेगा या हरा देगा। राज्य में औद्योगिक स्वीकृतियाँ सिंगल विंडो सिस्टम टीएस-आईपास के माध्यम से हैं, जिसने अब तक 35 बिलियन डॉलर मूल्य के 20,000 अनुमोदन जारी किए हैं और 16 लाख लोगों को रोजगार दिया है। कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने कहा कि वैश्विक आबादी का पेट भरने के लिए हर साल करीब 22 करोड़ टन खाद्य तेल की जरूरत होती है। भारत में मांग लगभग 22 मिलियन टन थी लेकिन घरेलू उत्पादन लगभग 10 से 12 मिलियन था और शेष घाटे को आयात के माध्यम से पूरा किया गया था। खाद्य तेलों के आयात पर देश द्वारा अनुमानित रूप से 90,000-1,00,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिनमें से ताड़ के तेल का हिस्सा लगभग 67% है।

खाद्य तेल की प्रति व्यक्ति खपत 19 किलो थी। मांग में भारी कमी के साथ, देश के लिए आत्मनिर्भर होने के तरीकों की तलाश करना महत्वपूर्ण था। तेलंगाना ने इसके महत्व और क्षमता की पहचान की और लंबी अवधि में लगभग 20 लाख एकड़ में पाम ऑयल को समर्थन देने की योजना तैयार की है। इस वर्ष लक्षित 1.75 लाख एकड़ में से अब तक लगभग 40,000 एकड़ भूमि प्राप्त कर ली गई है। आयात बिल में कटौती करने में तेलंगाना का योगदान राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण होगा। राज्य में कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान करती हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.